THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 40 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.9 2083 सोमवार, 11 मई-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

'पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से करें इस्तेमाल'

हैदराबाद, 10 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। >12

भारत सरकार ने गुजरात को जो कुछ भी दिया है, वह सब तेलंगाना को मिलेगा

'रेवंत को साथ आने का ऑफर'

हैदराबाद, 10 मई (एजेंसियां)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में विकास और राजनीति का एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी के पुराने काम की तारीफ की। रेड्डी ने याद दिलाया कि जब कांग्रेस की सरकार थी तो पीएम मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय केंद्र ने उनकी इतनी मदद की कि उन्होंने 10 साल में विकास का एक बड़ा मॉडल तैयार किया था। इसके जवाब में पीएम मोदी ने भी मुख्यमंत्री को एकदम सीधा और करारा जवाब दिया। पीएम मोदी ने कहा कि अगर वह तेलंगाना को सिर्फ उतना ही देंगे जितना गुजरात को मिला था, तो इससे तेलंगाना का भारी नुकसान हो जाएगा। अपनी बात खत्म करते हुए पीएम मोदी ने रेवंत रेड्डी को अपने साथ ही गठबंधन करने की ऑफर भी दे दिया।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पीएम मोदी के सामने क्या मांग रखी?

हैदराबाद के कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने बहुत ही साफ शब्दों में अपनी बात रखी। उन्होंने पुरानी राजनीति को याद करते हुए कहा कि जब केंद्र में मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे, तब नरेंद्र मोदी गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। रेवंत रेड्डी ने तारीफ करते हुए कहा कि उस समय मोदी ने देश के सामने 10 वर्षों के अंदर विकास का एक बेहतरीन 'गुजरात मॉडल' बनाकर तैयार किया था। रेड्डी ने आगे कहा कि आज तेलंगाना की गरीब और आम जनता भी

मंच पर हंस पड़े तेलंगाना सीएम

प्रधानमंत्री मोदी से बिल्कुल वैसी ही उम्मीद रखती है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की इन बातों को सुनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तुरंत अपना जवाब दिया। पीएम मोदी ने मंच से बोलते हुए कहा कि वह रेवंत रेड्डी को साफ तौर पर यह बताना चाहते हैं कि पिछले 10 साल के शासन में भारत सरकार ने गुजरात को जो कुछ भी दिया है, वह सब कुछ वह तेलंगाना को भी देने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मोदी ने बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात को जनता के सामने पूरी मजबूती के साथ रखा। उन्होंने आगे यह भी कहा कि उनके ज्ञान के अनुसार, जैसे ही वह तेलंगाना को गुजरात के बराबर वाला हिस्सा देंगे, तो राज्य को वर्तमान में जो पैसा या मदद मिल रही है, वह सीधे आधी हो जाएगी। इसका मतलब है कि राज्य का नुकसान होगा और तेलंगाना वहां तक नहीं पहुंच पाएगा जहां वह जाना चाहता है।

पीएम मोदी के कार्यक्रम स्थल से 3 किमी दूर मिलीं जिलेटिन स्टिक्स

> सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर

कग्गलीपुरा, 10 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बेंगलुरु दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया, जब कार्यक्रम स्थल से करीब 3 किमी दूर दो जिलेटिन स्टिक बरामद हुईं। पुलिस ने बरामदगी के तुरंत बाद पूरे इलाके को घेर लिया और मामले की जांच शुरू की। बेंगलुरु सेंट्रल रेंज के डीआईजी ने बताया, आज सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से पहले, जांच के दौरान, मुख्य कार्यक्रम स्थल से लगभग 3 किलोमीटर दूर फुटपाथ के किनारे दो जिलेटिन स्टिक मिलीं। आगे की जांच जारी है। बम स्क्वायड और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए घटनास्थल पर भेजा गया। फिलहाल मामले से जुड़े एक संदिग्ध से पूछताछ कर रही है। अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि जिलेटिन स्टिक्स इलाके तक कैसे पहुंचीं और क्या इस बरामदगी के पीछे कोई बड़ी साजिश थी।

कांग्रेस ने डीएमके की पीठ में छुरा घोंपा : मोदी

बेंगलुरू, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बेंगलुरू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा- कांग्रेस और डीएमके के बीच पिछले 25-30 साल से करीबी संबंध रहे हैं। डीएमके ने कई बार कांग्रेस को संकट से बाहर निकाला। 2014 से पहले केंद्र में 10 साल तक चली कांग्रेस सरकार भी डीएमके के समर्थन की वजह से ही टिकी रही।

डीएमके ने हर समय कांग्रेस के हित में काम किया, लेकिन जैसे ही सत्ता का समीकरण बदला, कांग्रेस ने पहले ही मौके पर डीएमके की पीठ में छुरा घोंप दिया। उन्होंने यह बात 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में कही। पीएम रविवार से तीन राज्यों के दौरे पर हैं। डीआईजी सेंट्रल रेंज बेंगलुरू ने बताया कि शुक्रवार सुबह पीएम मोदी के पहुंचने से पहले इलाके में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान दो जिलेटिन छड़ें बरामद की गईं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि छड़ें वहां कैसे पहुंचीं। अब तक किसी संदिग्ध की गिरफ्तारी या किसी साजिश की पुष्टि नहीं हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बेंगलुरू में 'आर्ट ऑफ लिविंग' के 45वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए थे।

पीएम ने कहा- कांग्रेस पार्टी सिर्फ धोखा देना जानती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस खुद झूठ बोलती है और उसकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कर्नाटक में पिछले तीन साल से यही स्थिति देखने को मिल रही है। राज्य सरकार जनता की समस्याएं हल करने के बजाय अपना ज्यादातर समय अंदरूनी झगड़े सुलझाने में बिता रही है। उन्होंने आगे कहा कि यह तक तय नहीं हो पा रहा कि मौजूदा मुख्यमंत्री कितने दिन तक पद पर रहेंगे और दूसरे नेता को मौका मिलेगा या नहीं। पीएम ने कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि 40 साल पहले 400 से ज्यादा सीटें जीतने वाली पार्टी पिछले तीन चुनावों में मिलकर भी 100 सीटों का आंकड़ा पार नहीं कर पाई।

> विजय तमिलनाडु के 9वें मुख्यमंत्री बने

सामाजिक न्याय की शुरूआत : सीएम विजय

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। रविवार सुबह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद सी. जोसेफ विजय ने तीन फाइलों पर हस्ताक्षर किए। जिनमें घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 200 यूनिट मुफ्त बिजली, हेल्पलाइन के साथ महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक विशेष बल और एक राज्यव्यापी नशा-विरोधी तंत्र।

इसके बाद सी जोसेफ विजय ने अपने समर्थकों के सामने खड़े हुए और अपने युवा प्रशासन का सबसे स्पष्ट राजनीतिक संदेश दिया। विजय ने कहा कि किसी को यह सोचना भी नहीं चाहिए कि सत्ता में आने के बाद हम मनमानी कर सकते हैं। ऐसे विचार मन में भी न रखें। इसे पूरी तरह से मिटा दें। सत्ता का केंद्र केवल एक ही होगा, और वह मैं हूं।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के लिए यह एक असामान्य पहला दिन था, जिसमें राजनीतिक परिवर्तन, जन प्रदर्शन और एक स्टार व उसके दर्शकों के बीच दशकों पुराने फिल्मी रिश्ते का भावनात्मक समापन शामिल था। विजय ने खुद को कुछ और ही रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश की। >12

ट्रेंड में वंदे मातरम : विजय के शपथ ग्रहण में दो बार गाया गया पूरा राष्ट्र गीत

चेन्नई, 10 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए युग की शुरूआत हो चुकी है। तमिलगा वेत्री कड़गम (टीवीके) के संस्थापक जोसेफ विजय प्रदेश के नए मुख्यमंत्री बन गए हैं। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में रविवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। तमिलनाडु में पहली बार किसी गैर-द्रविड़ पार्टी की सरकार बनी है। जोसेफ विजय की सरकार के गठन के साथ ही डीएमके और एआईएडीएमके का दशकों पुराना दबदबा खत्म हो गया। विजय के साथ 9 और मंत्रियों ने भी शपथ ली है। विजय को 13 मई तक विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना होगा।

किम जोंग की हत्या हुई तो नॉर्थ-कोरिया न्यूक्लियर अटैक करेगा

संविधान में नया प्रावधान जोड़ा, हमले में ईरानी सुप्रीम लीडर की मौत के बाद फैसला

प्योंगयांग, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालात में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा 'डिकैपिटेशन स्ट्राइक' यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है। यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं। सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया।

हीटवेव और बाढ़ को लेकर अलर्ट पर केंद्र सरकार

अमित शाह ने बुलाई हाई लेवल बैठक

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों में बढ़ती गर्मी, हीटवेव और मानसून से पहले बाढ़ के खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार अलर्ट मोड में नजर आ रही है। उत्तर भारत के कई राज्यों में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जबकि कुछ क्षेत्रों में प्री-मानसून गतिविधियां भी शुरू हो चुकी हैं। ऐसे हालात के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली में अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में राहत-बचाव, आपदा प्रबंधन और राज्यों के साथ समन्वय को लेकर अहम निर्देश दिए गए।

बैठक में हीटवेव और संभावित बाढ़ से निपटने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। गृह मंत्री अमित शाह ने संबंधित एजेंसियों और अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों की सुरक्षा और राहत कार्यों में किसी तरह की लापरवाही न हो। बैठक में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), मौसम विभाग, जल संसाधन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने गृह मंत्री को विभिन्न राज्यों में गर्मी और मानसून की तैयारियों की जानकारी दी।

सूत्रों के अनुसार बैठक में अस्पतालों में जरूरी इंतजाम, बिजली-पानी की उपलब्धता, राहत शिविरों की तैयारी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में रेस्क्यू टीमों की तैनाती जैसे मुद्दों पर विशेष जोर दिया गया। अमित शाह ने राज्यों के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने और समय रहते अलर्ट जारी करने के निर्देश भी दिए।

सरकार का फोकस इस बार हीटवेव और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने पर है, ताकि लोगों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

ईरान की चेतावनी-यूएस ठिकाने और जहाज निशाने पर

> 14-पॉइंट के प्रस्ताव पर जवाब का इंतजार > ईरान बोला-समय से फैसला लेंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 10 मई (एजेंसियां)। ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने अमेरिका को कड़ी चेतावनी दी है। आईआरजीसी के नौसेना कमांड ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि अगर फारस की खाड़ी या होर्मुज स्ट्रेट में ईरानी तेल टैंकरों और व्यापारिक जहाजों पर फिर हमला हुआ, तो अमेरिकी ठिकानों और सैन्य जहाजों पर भारी हमला किया जाएगा।

इसके बाद आईआरजीसी की एयरोस्पेस फोर्स ने अलग पोस्ट में दावा किया कि हमारी मिसाइलें और ड्रोन पहले ही अमेरिकी ठिकानों और दुश्मन जहाजों पर लॉक हो चुके हैं और अब सिर्फ हमला करने के आदेश का इंतजार है। वहीं, वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने 14 पॉइंट वाला ड्राफ्ट तैयार किया है, जिस पर ईरान के जवाब का इंतजार है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने पहले पत्रकारों से बाद करते हुए कहा था कि शनिवार सुबह (भारतीय समयानुसार) तक जवाब मिलने की उम्मीद है। हालांकि, ईरान का जवाब अब तक नहीं आया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा है कि अमेरिकी प्रस्ताव अभी समीक्षा के दौर में है और सही समय पर इसका जवाब दिया जाएगा। हम अमेरिका की समय सीमा नहीं मानते। ईरान अपना काम अपने तरीके से करेगा।

ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट पर सरकार पर भड़के जयराम रमेश

अधूरे अध्ययनों के आधार पर पर्यावरण मंजूरी देना 'विज्ञान का अपमान'

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने ग्रेट निकोबार डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लेकर केंद्र सरकार और पर्यावरण मंत्रालय पर गंभीर सवाल उठाए।

उन्होंने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को एक विस्तृत पत्र लिखकर कहा कि सरकार जिस मजबूत और व्यापक पर्यावरण प्रभाव आकलन यानी ईआईए का दावा कर रही है, वह दस्तावेजों और रिपोर्टों में कहीं दिखाई नहीं देता। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि इस परियोजना के लिए किए गए पर्यावरणीय अध्ययन बेहद सीमित, अधूरे और वैज्ञानिक मानकों के खिलाफ हैं।

कांग्रेस सांसद ने सरकार को घेरा

उन्होंने अपने पत्र में कहा कि 1 मई को सरकार ने 'ग्रेट निकोबार परियोजना: अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न' जारी कर दावा किया था कि परियोजना के संभावित पर्यावरणीय प्रभावों का व्यापक अध्ययन किया गया है और उन्हें प्रभावी तरीके से मैनेज किया जा रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि उन्होंने 3 मई को इन पूछे जाने वाले प्रश्न का जवाब दिया था, लेकिन अब वे कुछ और महत्वपूर्ण तथ्य सामने रखना चाहते हैं।

पर्यावरण मंत्रालय के पुराने मेमोरेंडम का दिया हवाला

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि कानून के मुताबिक अंडमान-निकोबार जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में बनने वाले बड़े पोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए व्यापक ईआईए जरूरी होता है।

इसके तहत कम से कम तीन मौसमों का विस्तृत अध्ययन किया जाना चाहिए ताकि पर्यावरण और जैव विविधता पर पड़ने वाले असर का सही आकलन हो सके। उन्होंने 3 नवंबर 2009 के पर्यावरण मंत्रालय के ऑफिस मेमोरेंडम का हवाला देते हुए कहा कि 5 मिलियन टन प्रति वर्ष से बड़े पोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए व्यापक ईआईए, गणितीय मॉडलिंग और जमीनी सत्यापन अनिवार्य है।

आईएसआई से जुड़े एमपी के 3 युवक गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस का खुलासा-मंदिर, ढाबा और मिलिट्री कैंप उड़ाने वाले थे

भोपाल, 10 मई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने का दावा करते हुए एमपी के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि ये लोग दिल्ली का ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे। इनकी पहचान टीकमगढ़, नेगुवां (पृथ्वीपुर थाना) निवासी अनमोल राय (24), ग्वालियर, डबरा निवासी राजवीर (21) और विवेक बंजारा (19) के रूप में की गई है। तीनों को दिल्ली पुलिस ने उनके गांव से गिरफ्तार किया और अपने साथ ले गई। एसीपी स्पेशल सेल दिल्ली पीएस कुशवाहा के मुताबिक, तीनों ही आरोपी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। तीनों के मोबाइल के ऑडियो, वीडियो कॉल से संदिग्ध नंबरों पर बात किए जाने, सोशल मीडिया से खास स्थानों के तस्वीरें पाकिस्तान भेजे जाने की पुष्टि हुई है।

जयशंकर के त्रिनिदाद और टोबैगो दौरे से भारत-कैरेबियाई रिश्तों को नई मजबूती

शिक्षा-स्वास्थ्य और ऊर्जा सहयोग पर बड़ा फोकस

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। भारत और कैरेबियाई देश त्रिनिदाद और टोबैगो के बीच रिश्तों को नई मजबूती मिली है। विदेश मंत्री एस.जयशंकर की हालिया त्रिनिदाद और टोबैगो यात्रा को दोनों देशों के संबंधों के लिए अहम माना जा रहा है। इस यात्रा के बाद भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर दोनों देशों की साझेदारी को मजबूत और भविष्य के लिए बेहतर बताया।

शिक्षा, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्र में बढ़ा सहयोग :

रणधीर जायसवाल ने अपने पोस्ट में कहा कि इतिहास, लोगों के आपसी संबंध और साझा आकांक्षाएं भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो को मजबूत रूप से जोड़ती हैं। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की यात्रा के दौरान शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आयुर्वेद और ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। इससे दोनों देशों के बीच सहयोग को नई दिशा मिली है।

रणनीतिक साझेदारी को मिलेगा बढ़ावा :

विदेश मंत्रालय के अनुसार इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। खासतौर पर व्यापार, सांस्कृतिक संबंध और ऊर्जा सहयोग को लेकर बातचीत को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत लगातार कैरेबियाई देशों के साथ अपने संबंध मजबूत करने पर जोर दे रहा है और त्रिनिदाद और टोबैगो इस रणनीति में अहम भागीदार माना जाता है।

लोगों के रिश्ते बने सबसे बड़ी ताकत :

भारत और त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्ते काफी पुराने हैं। बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग वहां रहते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच लोगों का जुड़ाव और मजबूत हुआ है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जयशंकर की यह यात्रा दोनों देशों की दोस्ती को और गहरा करने के साथ-साथ आने वाले समय में नए सहयोग के रास्ते भी खोलेगी।

प्रवासी भारतीयों को पूर्वजों की जड़ों से जुड़ने में मदद मिलेगी :

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत और त्रिनिदाद-टोबैगो के बीच हुआ अभिलेखीय सहयोग समझौता भारतीय मूल के लोगों को अपनी पैतृक जड़ों का पता लगाने और परिवारों से दोबारा जुड़ने में मदद करेगा। उन्होंने 'गिरमिटिया' समुदाय की विरासत को संरक्षित करने के लिए भारत सरकार के प्रयासों का भी जिक्र किया। 'गिरमिटिया' शब्द उन भारतीय बंधुआ मजदूरों के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें ब्रिटिश शासन ने 19वीं और 20वीं सदी की शुरूआत में फिजी, दक्षिण अफ्रीका, मॉरीशस और कैरेबियाई देशों में अपने उपनिवेशों में भेजा था। जयशंकर ने शनिवार को त्रिनिदाद एवं टोबैगो का अपना दौरा समाप्त किया।

16 साल के किशोर को 4 हमलावरों ने गोदा चाकू

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। दिल्ली का उत्तर-पूर्वी जिला एक बार फिर खून से लाल हो गया है। न्यू उस्मानपुर थाना क्षेत्र के गौतम विहार इलाके में 16 वर्षीय किशोर की धारदार हथियार से हमला कर बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद से पूरे इलाके में दहशत और तनाव का माहौल है। मिली जानकारी के अनुसार, हमलावरों की संख्या तीन से चार बताई जा रही है। आरोपियों ने किशोर को अकेले पाकर उस पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। हमले के बाद किशोर खून से लथपथ होकर वहीं गिर पड़ा और हमलावर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल किशोर को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की गंभीरता को देखते हुए न्यू उस्मानपुर पुलिस के साथ फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की टीम ने भी घटनास्थल का मुआयना किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

15 राज्यों में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)।

देशभर में मौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। आईएमडी ने दिल्ली-एनसीआर में 24 घंटें में मौसम बदले की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 11 और 12 अप्रैल को बारिश, आंधी का येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं दूसरी ओर राजस्थान और गुजरात में भीषण गर्मी और हीटवेव चलने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग ने अगले सात दिनों के लिए जारी अपने ताजा बुलेटिन में कई राज्यों में भारी बारिश, आंधी-तूफान, ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी दी है। मौसम में ये बदलाव 11 अप्रैल से सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण होगा।

यूपी में फिर होगी राहत की बारिश

आईएमडी के अनुसार पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में 12 से 14 मई के बीच गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। बिहार और झारखंड में ओलावृष्टि और 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के अनुमान है।

राजस्थान में सताएगी गर्मी

राजस्थान में लोगों को अभी गर्मी से राहत मिलने के आसार नहीं है। आईएमडी ने हीटवेव चलने की संभावना जताई है। छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश में भी गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिलेगा। वहीं राजस्थान और गुजरात में अगले कई दिनों तक हीटवेव चलने का अनुमान है। पश्चिम राजस्थान में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है।

हिमाचल में फिर होगी बर्फबारी

आईएमडी के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में 11 से 14 मई के बीच जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी का नया दौर शुरू होगा। इन इलाकों में तेज हवाएं चलने के साथ ओलावृष्टि की भी संभावना है।

इन राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले कई दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। 14 और 15 मई को असम और मेघालय में अत्यधिक भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में लगातार बारिश का दौर जारी रहेगा। तमिलनाडु और केरल में 14 और 15 मई को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने बताया कि बंगाल की खाड़ी में 11 मई के आसपास कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे दक्षिण भारत में बारिश की गतिविधियां और तेज हो सकती हैं।

मंत्री डी सुधाकर का निधन

डिप्टी सीएम शिवकुमार ने किया भावुक पोस्ट

बंगलूरू, 10 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार में मंत्री डी। सुधाकर का रविवार तड़के लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 66 वर्ष के थे। मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, कर्नाटक के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री डी सुधाकर ने बंगलूरू के कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (केआईएमएस) में अंतिम सांस ली। वह पिछले दो महीनों से फेफड़ों के संक्रमण का इलाज करा रहे थे। कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज के मेडिकल डायरेक्टर डॉ। आर। चिन्नादुरई ने बताया, 'माननीय मंत्री श्री डी। सुधाकर को 10 मई 2026 को सुबह 3:15 बजे इलेक्ट्रॉनिक सिटी स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में मृत घोषित किया गया।'
सुधाकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे और चित्रदुर्ग जिले की हिरियूर विधानसभा सीट से विधायक थे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने डी। सुधाकर के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'हमारे कैबिनेट सहयोगी और करीबी साथी डी। सुधाकर, जो बीमारी के इलाज के दौरान आज हमें छोड़कर चले गए, उनके निधन से गहरा दुख पहुंचा है।' उन्होंने कहा कि डी। सुधाकर ने हिरियूर से विधायक, चित्रदुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री और राज्य के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री के रूप में उत्कृष्ट जनसेवा की। शिवकुमार ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

सोमनाथ अमृत पर्व में पीएम मोदी 11 मई को करेंगे महापूजा

पहली बार होगा कुंभ अभिषेक

अहमदाबाद, 10 मई (एजेंसियां)। ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर की स्थापना के उपलक्ष्य में मनाए जा रहे सोमनाथ अमृत पर्व में 11 मई को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंदिर में महापूजा करेंगे। प्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ महादेव मंदिर के सानिध्य में मनाए जा रहे सोमनाथ अमृत पर्व के दौरान पुनर्निर्मित शिखर कलश को 90 मीटर ऊंची क्रेन के माध्यम मंदिर के शिखर पर पहुंचाया जाएगा तथा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ 11 तीर्थों के जल से अभिषेक किया जाएगा।

तीर्थ पुरोहित सोमपुरा ब्राम्हण समाज के प्रमुख हेमलभाई भट्ट ने बताया कि सोमनाथ मंदिर के इतिहास में पहली बार कुंभ अभिषेक होगा। उन्होंने बताया कि दक्षिण के मंदिरों में कुंभ अभिषेक की परंपरा है, सोमनाथ मंदिर में पहली बार यह अभिषेक होगा। अमृत पर्व पर वायुसेना के सूर्य किरण विमान एयर शो का प्रदर्शन करेंगे।
वहीं मोदी की गुजरात यात्रा को लेकर सोमनाथ, जामनगर व वडोदरा में जोर- शोर से तैयारियां की जा रही हैं। अमृत पर्व में महापूजा से पहले पीएम मोदी एक रोड शो करेंगे। उप मुख्यमंत्री हर्ष संघवी व अन्य चार मंत्री बीते दो दिनों से सोमनाथ में चल रही तैयारियों की समीक्षा बैठक व निरीक्षण में व्यस्त हैं।

हिंदू और मुस्लिम महिलाओं ने मंदिर में एक-दूसरे से की शादी

गुरुग्राम, 10 मई (एजेंसियां)। गुरुग्राम में दो महिलाओं के बीच समलैंगिक संबंधों का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। सोहना नगर की रहने वाली हिंदू और मुस्लिम महिलाओं ने शादी का भी दावा किया है। शादी के बाद मामला थाने भी पहुंच गया। लड़कियों ने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा की गुहार लगाई है। दोनों महिलाओं का कहना है कि उन्हें अपने परिजनों से खतरा है। यही वजह है कि उन्होंने पुलिस से सुरक्षा देने की अपील की। दोनों महिलाओं ने दावा किया है कि उन्होंने मंदिर में शादी कर ली है और अब साथ रहना चाहती हैं। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग भी की है।

जानकारी के मुताबिक, दोनों महिलाएं मूल रूप से दिल्ली की रहने वाली हैं और पिछले कुछ समय से गुरुग्राम के सोहना नगर के वार्ड-19 इलाके में रह रही थीं। यह मामला तब सामने आया, जब दोनों महिलाओं के परिजनों ने स्थानीय थाने में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों से बातचीत की। जैसे ही पुलिस मौके पर पहुंची, इलाके में भीड़ जमा हो गई। बताया जा रहा है कि परिजनों के पहुंचने के बाद मौके पर गहमागहमी भी बनी रही। पुलिस ने दोनों लड़कियों के बयान दर्ज किए हैं।

सड़क हादसे में बाल-बाल बचीं सुप्रिया सुले

एक्सीडेंट के बाद लिखा- खौफनाक अनुभव

मुंबई, 10 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार गुट) की नेता और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले एक सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गईं। यह हादसा उस समय हुआ जब वह पुणे से मुंबई की ओर जा रही थीं। सुप्रिया सुले ने उस वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर भी शेयर किया है, जिसने उनकी कार को टक्कर मारी। दरअसल, सुप्रिया सुले मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर सफर कर रही थीं, तभी एक अन्य वाहन ने अचानक उनकी कार को टक्कर मार दी। घटना की जानकारी देते हुए उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आज पुणे से मुंबई जाते समय हाईवे पर मेरा एक भयानक अनुभव हुआ, जब वाहन जीजे13सीएफ5257 ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए मेरी कार को बगल से टक्कर मार दी। शुक्र है, सभी लोग सुरक्षित हैं।

ऐसी घटनाएं हमें याद दिलाती हैं कि सड़कों पर तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाना अनगिनत जिंदगियों को खतरे में डाल सकता है। मैं सभी से आग्रह करती हूं कि सीट बेल्ट पहनें, सतर्क रहें और जिम्मेदारी से गाड़ी चलाएं, ताकि हमारे हाईवे सभी के लिए सुरक्षित रहे। सुप्रिया सुले का राजनीतिक सफर साल 2006 में राज्यसभा के लिए चुने जाने के साथ शुरू हुआ।

साल 2009 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने अपने पिता शरद पवार की विरासत को संभालते हुए बारामती निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की और तब से वे लगातार चार बार से इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। एक सांसद के रूप में उनकी पहचान उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन और बहस में सक्रिय भागीदारी के लिए है। इसकी वजह से उन्हें कई बार 'संसद रत्न' पुरस्कार से नवाजा गया।

नशे के खिलाफ कार्रवाई, 6900 से अधिक नशीले कैप्सूल सहित युवती गिरफ्तार

सिरसा, 10 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा जिले के एंटी नारकोटिक्स सेल सिरसा पुलिस ने गांव भुर्टवाला क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एक युवती को नशीले कैप्सूलों सहित गिरफ्तार किया है। जानकारी देते हुए एसपी दीपक सहारन ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि गांव भुर्टवाला में दो सगे बहन-भाई अपने घर पर अवैध रूप से नशीली दवाइयों की बिक्री करते हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एंटी नारकोटिक्स सेल एवं ड्रग कंट्रोल विभाग की संयुक्त टीम का गठन किया गया और गांव भुर्टवाला स्थित संदिग्ध घर पर दबिश दी गई।
पुलिस टीम को देखकर आरोपित युवक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया, जबकि पुलिस ने पूजा रानी निवासी गांव भुर्टवाला को मौके पर गिरफ्तार कर ड्रग कंट्रोल विभाग के अधिकारी केशव वशिष्ठ तथा महिला कर्मचारी की मौजूदगी में तलाशी के दौरान युवती के घर से 6600 सिग्नेचर कैप्सूल तथा 300 टेंपटाडोल कैप्सूल बरामद किए गए।

छात्रा की मौत के 3 महीने बाद हॉस्टल मालिक ने की आत्महत्या

भोपाल, 10 मई (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में गांधी मेडिकल कॉलेज की एमबीबीएस छात्रा की आत्महत्या के करीब तीन महीने बाद उसी छात्रावास के मालिक विजय राठौर ने भी आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद एक बार फिर पूरा मामला चर्चा में आ गया है। विजय राठौर की पत्नी ने कोहेफिजा पुलिस और मृतक छात्रा के परिजनों पर गंभीर आरोप लगाए हैं।
उनका कहना है कि लगातार पूछताछ, मानसिक दबाव और धमकियों की वजह से विजय काफी परेशान रहने लगे थे। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस ने अब तक टॉर्चर या प्रताड़ना के आरोपों की पुष्टि नहीं की है।

हिमंता बिस्वा सरमा सर्वसम्मति से चुने गए बीजेपी विधायक दल के नेता, कल लेंगे सीएम पद की शपथ

गुवाहाटी, 10 मई (एजेंसियां)। असम में बीजेपी ने नए मुख्यमंत्री के नाम पर मुहर लगा दी है। डॉ। हिमंता बिस्वा सरमा को सर्वसम्मति से बीजेपी विधायक दल और एनडीए विधायक दल का नेता चुन लिया गया है। हिमंता बिस्वा सरमा 12 मई को असम के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होंगे।

बीजेपी ने विधायक दल का नेता चुनने के लिए पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पर्यवेक्षक बनाया था। इसके लिए असम बीजेपी विधायक दल की बैठक बुलाई गई थी, जिसमें औपचारिक रूप से नेता का चुनाव किया गया। हिमंता बिस्वा सरमा ने 6 मई को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया था। फिलहाल, वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

अब नई सरकार के गठन के साथ वह लगातार दूसरी बार राज्य के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। असम की 126 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा ने 82 सीटें जीतकर अपनी ताकत साबित की है, जबकि उसके सहयोगी दलों असम गण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने 10-10 सीटें हासिल की हैं। इस तरह कुल 102 सीटों के साथ गठबंधन ने दो-तिहाई बहुमत हासिल किया है। हिमंत बिस्वा सरमा ने 90 के दशक में ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) के सक्रिय नेता के रूप में अपनी पहचान बनाई और फिर कांग्रेस के साथ मुख्यधारा की राजनीति में कदम रखा।
साल 2001 में जालुकबारी सीट से पहली बार विधायक बनने के बाद वे पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के सबसे भरोसेमंद सिपहसालार और सरकार के 'संकटमोचक' बनकर उभरे।

भीषण सड़क हादसा: भाजपा युवा नेता समेत दो की मौत

शहडोल, 10 मई (एजेंसियां)। शहडोल जिले में सड़क हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला ब्यौहारी थाना क्षेत्र के जोरा पुलिया के पास सामने आया है, जहां एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतकों में एक भाजपा युवा नेता राहुल द्विवेदी भी शामिल हैं। घटना के बाद पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल है।
पुलिस के अनुसार टिहकी निवासी राहुल द्विवेदी (25) और अतुल तिवारी झिरिया गांव में एक शादी समारोह में शामिल होकर बाइक से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे शहडोल-रीवा हाईवे पर जोरा पुलिया के पास पहुंचे, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

कांग्रेस सरपंच के घर पेट्रोल बम से हमला, दो दिन से आ रहे थे रंगदारी के लिए फोन

अमृतसर, 10 मई (एजेंसियां)। अमृतसर के कस्बा रामदास के गांव सुधार में करीब 11.30 बजे गांव के कांग्रेस सरपंच निशान सिंह के घर पर अज्ञात लोगों ने पेट्रोल बम से हमला कर दिया। घर के बाहर जोरदार धमाके की आवाज सुनाई दी, जिसके बाद परिवार के सदस्य और आसपास के लोग बाहर निकल आए। घर के मुख्य गेट के पास आग लग गई, जिसे लोगों ने मिलकर बुझाया। घटना के बाद पूरे इलाके में भय का माहौल बन गया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी। शुरुआती जानकारी के अनुसार सरपंच निशान सिंह को पिछले दो दिनों से गैंगस्टरों की ओर से फोन कॉल कर रंगदारी मांगी जा रही थी। गैंगस्टरों की ओर से 50 लाख की मांग की गई थी और पैसे न देने पर जान से मारने की धमकियां भी दी जा रही थीं।
परिवार के मुताबिक इस संबंध में पहले भी पुलिस को अवगत करवाया गया था। वहीं हमले के बाद गांव के लोगों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर जांच कर रही है ताकि हमलावरों की पहचान की जा सके। एसएसपी सुहैल मीर का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर कार्रवाई आगे बढ़ाई जा रही है। फिलहाल अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

एन रंगासामी? जो 5वीं बार बनेंगे पुडुचेरी के मुख्यमंत्री, 13 मई को होगा शपथ ग्रहण समारोह

पुडुचेरी, 10 मई (एजेंसियां)। केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में नौ अप्रैल को हुए चुनाव में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले एनडीए की शानदार जीत के बाद एन। रंगासामी पांचवीं बार मुख्यमंत्री का पद संभालने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एन। रंगासामी को पुडुचेरी का मुख्यमंत्री नियुक्त किया। गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, 'राष्ट्रपति को एन। रंगासामी को पुडुचेरी केंद्र शासित प्रदेश का मुख्यमंत्री नियुक्त करके प्रसन्नता हुई, यह नियुक्ति उनके शपथ ग्रहण की तारीख से प्रभावी होगी।' आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, अधिसूचना के बाद उपराज्यपाल के।
कैलाशनाथन ने रंगासामी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, रंगासामी 13 मई को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। केंद्र शासित प्रदेश में नौ अप्रैल को हुए चुनाव में ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की शानदार जीत के बाद रंगासामी 5वीं बार मुख्यमंत्री का पदभार संभालने के लिए तैयार हैं।

प्राथमिक विद्यालय सासौं में आ धमके दो गुलदार, बच्चों में मची अफरा-तफरी

देहरादून, 10 मई (एजेंसियां)। विकासखंड एकेश्वर की मवालस्यूं पट्टी के राजकीय प्राथमिक विद्यालय सासौं में शनिवार सुबह अचानक दो गुलदार धमक गए। उन्हें देख प्रार्थना स्थल पर मौजूद विद्यार्थियों में अफरा-तफरी मच गई। बच्चों के समय रहते कमरों में पहुंच जाने से बड़ी घटना टल गई। बच्चों की जान को खतरा देखते हुए सोमवार व मंगलवार को स्कूल बंद रहेगा। राप्रावि सासौं में सुबह प्रार्थना स्थल पर शिक्षक एवं कई विद्यार्थी मौजूद थे। विद्यालय के निकट से टैक्सी कैब से गुजरते हुए गांव के वाहन चालक शुभम रावत ने विद्यालय की चहारदीवारी के सामने दो गुलदारों को देखा। वहां मौजूद ग्रामीणों के शोर मचाने और वाहन चालक के कार का हॉर्न बजाने से गुलदार भागे।

दुष्कर्म किया फिर वादे से मुकरा एफआईआर दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

ग्वालियर, 10 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर के इंदरगंज थाना क्षेत्र में युवक ने महिला को निकाह का झांसा देकर पहले पति से तलाक करवाया और फिर उसके साथ होटल में ले जाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब युवक से निकाह के लिए बोला तो वह इंकार करने लगा। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।
सेवानगर में रहने वाली 30 वर्षीय महिला की पांच महीने पहले एक विवाह समारोह में आरोपी अमन से मुलाकात हुई थी। वो आपागंज का रहने वाला है। पहचान होने के बाद दोनों में बातचीत होने लगी। इस बीच अमन ने महिला को निकाह करने का झांसा दिया। महिला ने अमन की बात को मान लिया और उसके कहने पर पति को तलाक भी दे दिया। 25 मार्च को अमन महिला को नई सड़क स्थित होटल में ले गया और यहां पर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि अमन ने निकाह का झांसा देकर लगातार शारीरिक शोषण किया, लेकिन निकाह नहीं किया।
जब भी महिला निकाह करने के लिए कहती तो वह हर बार मना कर देता था। परेशान होकर पीड़िता थाने पहुंची और उसने पुलिस को आपबीती सुनाई। इसके बाद पुलिस ने अमन के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

जवाद अहमद सिद्दीकी को 3 दिन की पुलिस कस्टडी में भेजा, 45 करोड़ की जमीन खरीद से जुड़ा है मामला

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में साकेत कोर्ट ने फर्जी तरीके से 45 करोड़ की जमीन खरीद मामले में फरीदाबाद के अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चांसलर जवाद अहमद सिद्दीकी को तीन दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। दिल्ली पुलिस ने जवाद अहमद सिद्दीकी की तीन दिन की रिमांड मांगी थी। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार किया है। जवाद मनी लॉन्ड्रिंग केस में न्यायिक हिरासत में था। इससे पहले मनी लॉड्रिंग मामले में गिरफ्तार जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका को साकेत कोर्ट ने दो बार खारिज कर दिया था।

पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद एक मई को उसे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान के समक्ष पेश किया गया। वहीं, जांच एजेंसी की तरफ से कहा गया कि अभी जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ जांच चल रही है और सबूत एकत्रित करने के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा जाए, जिसके बाद कोर्ट ने हिरासत में भेज दिया था। जवाद को प्रवर्तन निदेशालय ने 24 मार्च को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। यह उसके खिलाफ दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग का दूसरा मामला है। यह कार्रवाई अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट, अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उनसे संबद्ध संस्थाओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है।

'एनसी के मंत्री ने मनचाही पोस्टिंग के लिए मांगे 30 लाख'

महबूबा मुफ्ती का भ्रष्टाचार को लेकर बड़ा आरोप

श्रीनगर, 10 मई (एजेंसियां)। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने सत्ताधारी नेशनल कान्फ्रेंस के एक मंत्री पर अफसर से मनचाही नियुक्ति के लिए 30 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप लगाया। हालांकि महबूबा ने मंत्री का नाम नहीं लिया और न ही अपने दावे के समर्थन में कोई सुबूत पेश किया। उनके आरोपों पर नेकां ने महबूबा पर पलटवार करते हुए कहा कि वह भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए वह इस तरह के आरोप लगा रही हैं। नेकां प्रवक्ता इमरान नबी डार ने पीडीपी प्रमुख के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कहा कि वह राजनीतिक साख बचाने और भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए इस तरह की बातें कर रही हैं। पीडीपी प्रमुख महबूबा बडगाम में एक सभा को संबोधित कर रही थी। इसी दौरान उन्होंने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली मौजूदा प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के एक कैबिनेट मंत्री ने एक अधिकारी के तबादले और किसी जगह विशेष पर उसकी नियुक्ति के लिए 30 लाख रूपये की मांग की है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि संबंधित अधिकारी ने जब इस मामले की शिकायत नेकां अध्यक्ष से की तो उन्होंने मंत्री का बचाव किया। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि शिकायत करने वाले अधिकारी को उक्त मंत्री से ही बात करने को कहा गया, क्योंकि वह पार्टी के कोषाध्यक्ष हैं।

सुविचार: सुख और दुःख का मापक हमारी आंतरिक प्रसन्नता ही है।

प्रधानमंत्री ने तेलंगाना में 9,400 करोड़ रुपये की रेल एवं विकास परियोजनाओं का किया लोकार्पण

राज्य में लगभग 50,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज तेलंगाना राज्य को लगभग 9,400 करोड़ की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें प्रमुख रूप से रेलवे, सड़क, लॉजिस्टिक्स और अन्य आधारभूत संरचना से जुड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। इस अवसर पर हैदराबाद के गच्चीबावली स्थित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री तथा अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हैदराबाद आज राष्ट्रीय और वैश्विक विकास का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। उन्होंने बताया कि आज शुरू की गई परियोजनाएं तेलंगाना को एक बड़े औद्योगिक और विनिर्माण हब के रूप में विकसित करने में मदद करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि इन परियोजनाओं से हजारों युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को नई गति प्राप्त होगी। प्रधानमंत्री ने 2014 से पहले और वर्तमान समय के बीच रेलवे निवेश की तुलना करते हुए कहा कि जहां पहले यह बजट एक हजार करोड़ रुपये से भी कम था, वहीं अब यह बढ़कर साढ़े पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि राज्य में लगभग 50,000 करोड़ की रेलवे परियोजनाएं प्रगति पर हैं।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस अवसर को विकास उत्सव बताते हुए कहा कि तेलंगाना सरकार केंद्र सरकार के साथ मिलकर विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। वहीं केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि आज सड़क, रेलवे, वस्त्र एवं लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़ी महत्वपूर्ण परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित की गई हैं और केंद्र सरकार तेलंगाना के समग्र विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। रेलवे परियोजनाओं के अंतर्गत काजीपेट-विजयवाड़ा मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना के विभिन्न खंडों (कुल 118 किलोमीटर) को पूरा कर चालू कर दिया गया है। इस परियोजना पर लगभग 1,243 करोड़ की लागत आई है। यह खंड देश के उत्तर और दक्षिण को जोड़ने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण रेल मार्ग है।

इससे माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में वृद्धि होगी, भीड़भाड़ कम होगी और ट्रेनों की समयबद्धता में सुधार होगा। इसके अलावा काजीपेट जंक्शन पर 21 किलोमीटर लंबे रेल अंडर रेल बायपास का निर्माण भी किया गया है, जिस पर लगभग 292 करोड़ की लागत आई है। यह बायपास काजीपेट जंक्शन पर तीन दिशाओं-सिकंदराबाद, बल्लारशाह और विजयवाड़ा की ओर जाने वाली ट्रेनों के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे रेल परिचालन में सुगमता आएगी और ट्रेनों के विलंब में कमी होगी।

माला महासभा द्वारा पी.वी. राव की 75वीं जयंती पर भव्य श्रद्धांजलि सभा आयोजित

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। माला महासभा के संस्थापक अध्यक्ष पोटुला विग्नेश्वर राव (पी.वी. राव) की 75वीं जयंती रविवार को हैदराबाद के हाइदरगुड़ा स्थित एनएसएस परिसर में भव्य रूप से मनाई गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाज के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में माला महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पब्बती श्रीकृष्ण मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि पी.वी. राव वंचित वर्गों के लिए एक मार्गदर्शक प्रकाश थे, जिन्होंने अपना संपूर्ण जीवन माला समुदाय सहित अनुसूचित जातियों, जनजातियों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और गरीबों के राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि पी.वी. राव डॉ. भीमराव आंबेडकर की विचारधारा के सच्चे उत्तराधिकारी थे और उन्होंने सामाजिक एकता एवं राजनीतिक अधिकारों के लिए निरंतर संघर्ष किया। डॉ. श्रीकृष्ण ने कहा कि पी.वी. राव, जो आंध्र प्रदेश सरकार के आधिकारिक प्रकाशन के संपादक भी रह चुके थे, एक ईमानदार बौद्धिक व्यक्तित्व थे, जिन्होंने विभिन्न सामाजिक नेताओं के साथ मिलकर समाज के एकीकरण और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए कार्य किया। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया है। इस अवसर पर उन्होंने यह भी कहा कि माला समुदाय को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए और राजनीतिक रूप से संगठित होकर अपनी आवाज़ मजबूत करनी चाहिए। कार्यक्रम में माला महासभा हैदराबाद अध्यक्ष एल. गिरिजा शंकर, उपाध्यक्ष ए.एन. विनय कुमार, कैंटोनमेंट अध्यक्ष सुरेश कुमार, सेकेन्द्राबाद संसदीय अध्यक्ष संकी प्रसाद, सोशल मीडिया प्रतिनिधि अरुण कुमार, मोंडा मार्केट अध्यक्ष राम मोहन, बांसिलालपेट महासचिव शेखर, इंदिरा पार्क के नेता सम्पथ और कृष्ण सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सीएम का प्रधानमंत्री मोदी से लंबित तेलंगाना परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का आग्रह

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से तेलंगाना की सभी लंबित विकास परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया है। उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि इन परियोजनाओं की मंजूरी के लिए दो घंटे की एक विशेष समीक्षा बैठक आयोजित की जाए। रविवार को हैदराबाद में आयोजित एक विकास कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने कई बार केंद्रीय मंत्रियों और स्वयं प्रधानमंत्री से मुलाकात कर राज्य की लंबित परियोजनाओं के लिए सहयोग मांगा है। उन्होंने कहा कि मूसी पुनरुद्धार परियोजना, हैदराबाद मेट्रो रेल विस्तार, रेडियल रोड्स तथा हैदराबाद-मछलीपट्टनम 12 लेन एक्सप्रेस हाईवे जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाएं अभी भी स्वीकृति की प्रतीक्षा में हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने जिस प्रकार गुजरात मॉडल के विकास में तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को पूर्ण सहयोग दिया था, उसी प्रकार अब प्रधानमंत्री मोदी को भी तेलंगाना के विकास में अगले दस वर्षों तक समर्थन देना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्र सरकार राज्य को पूरा सहयोग देगी। उन्होंने यह भी कहा कि हाल ही में पांच राज्यों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं और प्रधानमंत्री का तेलंगाना आगमन विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के लिए हुआ है, इसलिए अब विकास कार्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्रियों श्री जी. किशन रेड्डी और श्री बंडी संजय द्वारा प्रधानमंत्री के उदार दृष्टिकोण की सराहना का भी उल्लेख किया और कहा कि तेलंगाना के लोग उम्मीद कर रहे हैं कि केंद्र सरकार राज्य की सभी विकास योजनाओं को मंजूरी देगी। प्रधानमंत्री के विकसित भारत 2047 विजन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना भी इसी लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार तेलंगाना राइजिंग के तहत 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य लेकर चल रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना भारत की जनसंख्या का तीन प्रतिशत होने के बावजूद राष्ट्रीय जीडीपी में लगभग पांच प्रतिशत का योगदान दे रहा है, और लक्ष्य है कि 2047 तक यह योगदान 10 प्रतिशत तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार देश में तेलंगाना को अग्रणी राज्य बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क और विभिन्न रेलवे परियोजनाओं का उद्घाटन करना राज्य के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है, और यह केवल केंद्र सरकार का कार्यक्रम नहीं बल्कि विकास का उत्सव है।

एनटीआर ट्रस्ट द्वारा नेकलेस रोड पर थैलेसीमिया रन का आयोजन

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एनटीआर मेमोरियल ट्रस्ट के तत्वावधान में थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज शहर के नेकलेस रोड पर भव्य एनटीआर ट्रस्ट थैलेसीमिया रन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जलविहार से प्रारंभ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं और आम नागरिकों ने 3 के, 5के और 10 के श्रेणियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर एनटीआर मेमोरियल ट्रस्ट की प्रबंध न्यासी नारा भुवनेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में थैलेसीमिया रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और कहा कि यह एक गंभीर बीमारी है, जिससे पीड़ित बच्चों को हर 15 दिन में कष्टदायक चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए बताया कि देश में हर वर्ष लगभग 12,000 बच्चे थैलेसीमिया के साथ जन्म लेते हैं, जबकि वर्तमान में देशभर में 1.5 लाख से अधिक मरीज इस बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि केवल तेलुगु राज्यों में ही लगभग 7,500 लोग इस बीमारी से प्रभावित हैं।

उन्होंने कहा कि इस रन का मुख्य उद्देश्य समाज में थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता फैलाना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा और अनंतपुर जिलों में शीघ्र ही थैलेसीमिया केंद्र और ब्लड बैंक स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि एनटीआर ट्रस्ट का लक्ष्य इस बीमारी से पीड़ित बच्चों के चेहरे पर मुस्कान लाना है। इस कार्यक्रम में पूर्व भारतीय महिला क्रिकेट कप्तान मिताली राज, विधायक मल्ला रेड्डी, हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, हैदराबाद कलेक्टर प्रियंका आला, साइबराबाद सीपी रवींद्र राणे, भारत बायोटेक की संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा एला, फिल्म अभिनेत्री और मिस वर्ल्ड मानसा वाराणसी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में फिल्मी, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े कई प्रमुख व्यक्तियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं और स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के समर्थन में अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

यूपी में कैबिनेट विस्तार, छह नए चेहरे शामिल

> भूपेंद्र चौधरी और मनोज पांडेय को मिली जगह

लखनऊ, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने मंत्रिमंडल का बहुप्रतीक्षित विस्तार कर राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को साधने का बड़ा संदेश दिया। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने जन भवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई, जबकि दो राज्यमंत्रियों को प्रमोट किया गया।

सबसे पहले पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने मंत्री पद की शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी (सपा) छोड़कर भाजपा के साथ आए मनोज पांडेय को मंत्री बनाया गया। इनके अलावा, सुरेंद्र दिलेर, कृष्णा पासवान, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत ने भी मंत्री पद की शपथ ली। वहीं, राज्यमंत्री अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर को प्रमोशन देकर सरकार ने संगठन और क्षेत्रीय संतुलन को साधने की कोशिश की है। मंत्री पद की शपथ लेने के बाद कृष्णा पासवान ने कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में हम लोग और तेजी से कार्य करेंगे।

मंत्रिमंडल विस्तार को भाजपा की सामाजिक इंजीनियरिंग की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। नए मंत्रियों में एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित चेहरे शामिल किए गए हैं। सपा के प्रभावशाली ब्राह्मण नेता रहे मनोज पांडेय को मंत्रिमंडल में शामिल कर भाजपा ने ब्राह्मण वर्ग को बड़ा संदेश देने की कोशिश की है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और जाट राजनीति के लिहाज से भूपेंद्र चौधरी की ताजपोशी को भी अहम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा ने इस विस्तार के जरिए आगामी विधानसभा चुनाव से पहले सामाजिक संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व और सहयोगी दलों के समीकरणों को मजबूत करने का प्रयास किया है।

इससे पहले योगी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला कैबिनेट विस्तार 5 मार्च 2024 को लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हुआ था। उस समय ओम प्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, अनिल कुमार और सुनील शर्मा को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया था। संवैधानिक प्रावधानों के तहत उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम 60 मंत्री बनाए जा सकते हैं। विस्तार से पहले योगी मंत्रिमंडल में कुल 54 मंत्री थे, ऐसे में छह पद रिक्त थे, जिन्हें अब भर दिया गया है।

'बुर्का पहनो, यह मांस खाओ, मजहब स्वीकार करो'

इस जुल्म पर फरियाद लेकर पुलिस के पास पहुंची शिक्षिका

मुजफ्फरपुर, 10 मई (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र में दूसरे धर्म के युवक से शादी करने पर एक महिला शिक्षिका को गंभीर प्रताड़ना झेलनी पड़ रही है। पीड़िता ने अपने ससुराल पक्ष के लोगों पर धर्म परिवर्तन करने, इस्लामिक परिधान बुर्का पहनने और प्रतिबंधित मांस खाने का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। इसे लेकर पीड़िता ने थाने में मामला दर्ज कराया है और पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

पीड़िता ने बताया कि वह पेशे से शिक्षिका है और वर्तमान में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा ली जाने वाली प्रशासनिक सेवा परीक्षा तैयारी कर रही है। ससुराल पक्ष द्वारा लगातार की जा रही प्रताड़ना से तंग आकर उसने थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता ने अपने ससुर, सास, देवर और देवरानी को नामजद आरोपित बनाया है। महिला का आरोप है कि उनकी बात नहीं मानने पर उसे हत्या की धमकी दी जा रही है।

पीड़िता के अनुसार, ससुराल पक्ष के लोग पंचायत के माध्यम से उस पर दबाव बना रहे हैं। साथ ही वे इस शादी को स्वीकार नहीं कर रहे हैं और दूसरे धर्म की परंपराएं अपनाने के लिए मजबूर कर रहे हैं। महिला का आरोप है कि इस्लामिक परंपराओं को मानने का दबाव बनाया जा रहा है। विरोध करने पर उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है और सभी मिलकर बेरहमी से मारपीट करते हैं।

इस मामले में काजी मोहम्मदपुर थाना के थानेदार चंद्रभूषण कुमार सिंह ने बताया कि महिला की शिकायत पर कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। प्रथम दृष्टया मामला पारिवारिक विवाद का प्रतीत होता है। हालांकि, पुलिस सभी बिंदुओं पर गंभीरता से जांच कर रही है।

मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नीतीश कुमार का एक्शन प्लान

स्वास्थ्य विभाग और संगठन को लेकर की अहम बैठक

पटना, 10 मई (एजेंसियां)। बिहार में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आवास पर जदयू कोटे के नवनियुक्त मंत्रियों और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में जदयू के कद्दावर नेताओं और मंत्रियों की मौजूदगी रही। मंत्री अशोक चौधरी और लेशी सिंह ने मुख्यमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात की। इसके अलावा, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह भी मुख्यमंत्री आवास पहुंचे, जहाँ शासन और रणनीति को लेकर देर तक मंथन चला।

मिली जानकारी के मुताबिक, बैठक का मुख्य उद्देश्य नए मंत्रियों को उनकी जिम्मेदारियों का बोध कराना और सरकार की प्राथमिकताओं से अवगत कराना था। नीतीश कुमार ने मंत्रियों को निर्देश दिया कि वह अपने-अपने विभागों के कामकाज में तेजी लाएं और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारें। बैठक में विशेष रूप से स्वास्थ्य विभाग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के विभागीय कामकाज और भविष्य की स्वास्थ्य रणनीतियों को लेकर नीतीश कुमार ने वरिष्ठ नेताओं के साथ फीडबैक साझा किया। उन्होंने सरकार और संगठन के बीच एक मजबूत सेतु बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि काम ऐसा कीजिए जिससे जनता के बीच सरकार की छवि को और अधिक बेहतर हो सके।

जूता छिपाई रस्म में पैसा मांगने पर आपा खो बैठा दूल्हा!

सालियों को अनाप-शनाप बकने लगा, लौट गई बारात

गाजीपुर, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में आजकल शादियों की बहार है। इस बीच, गाजीपुर का एक विवाह चर्चा का विषय बन गया है। यहां जूता छिपाई की रस्म के दौरान दूल्हा अपनी सालियों से नाराज हो गया।

देखते ही देखते हंसी-मजाक का माहौल गंभीर हो गया। आरोप है कि दूल्हे ने सालियों के साथ अभद्र व्यवहार करने लगा। मामला इस कदर बिगड़ा कि घरवालों ने दुल्हन की विदाई से इनकार कर दिया। कई घंटे की पंचायत के बाद दूल्हा बगैर दुल्हन बारात लेकर लौट गया। यह पूरा मामला कासिमाबाद क्षेत्र के ग्राम पंचायत मुहम्मदपुर कुसुम का है। यहां राजभर बस्ती में बारात आई थी। द्वार पूजा से लेकर विवाह तक के सभी रस्में सामान्य रूप से हुईं। इसी बीच दूल्हे के सालियों ने रस्म के अनुसार दूल्हे का जूता छुपा लिया। जूता वापस करने के बदले में शगुन के तौर पर पैसों की मांग करने लगीं। इसके साथ ही दुल्हन के बहनें दूल्हे से हंसी मजाक भी कर रही थी।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, इसी दौरान मजाक में कही गई किसी बात से दूल्हा नाराज हो गया। वह अपना आपा खो बैठा। नाराजगी में अभद्र व्यवहार भी करना शुरू किया। दूल्हे का व्यवहार दुल्हन पक्ष को नागवार लगा। उन लोगों ने दूल्हे की मानसिक स्थिति पर संदेह जाहिर कर दिया। ऐसा करते ही वर और वधु पक्ष में कहासुनी शुरू हो गई।

दुल्हन की विदाई के लिए थाने के चक्कर लगा रहा वर पक्ष

इस बात की जानकारी पुलिस को हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों को काफी देर तक विवाद खत्म करने को लेकर राजी करने की कोशिश की। पुलिस की मौजूदगी में ही माहौल तो शांत हो गया, लेकिन दुल्हन की विदाई को लेकर कोई फैसला नहीं हो पाया। अंत में यह तय हुआ कि बारात बिना दुल्हन के ही वापस जाएगी। दूसरी ओर, वर पक्ष के लोग दुल्हन की विदाई को लेकर पुलिस और कोतवाली के चक्कर लगा रहे हैं। दूल्हे के परिजन का कहना है कि लड़के की अगर मानसिक स्थिति सामान्य नहीं होती तो वह किसी प्राइवेट कंपनी में नौकरी भला कैसे करता।

शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा : सांसद बृजभूषण

गोंडा, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बहुप्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार बस थोड़ी ही देर में होने जा रहा है। शपथ लेने वाले मंत्रियों के नाम भी सामने आ गए हैं। इस बीच, रविवार दोपहर कैसरगंज से पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट किया जिससे राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। अपने एक्स अकाउंट पर बृजभूषण शरण सिंह ने लिखा है- 'शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस शाख (डाल) पर बैठे हो वो टूट भी सकती है।' यूपी के राजनीतिक गलियारे में इस पोस्ट के अलग अलग मायने निकाले जा रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि अपने विधायक बेटे प्रतीक भूषण शरण सिंह का नाम संभावित मंत्रिमंडल में शामिल ना होने से बृजभूषण शरण सिंह नाराज चल रहे हैं। पहले चर्चा चल रही थी कि मंत्रिमंडल में ठाकुर चेहरे के रूप में प्रतीक भूषण सिंह का नाम शामिल हो सकता है। बताया जा रहा है कि योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कुल आठ मंत्री शपथ ले सकते हैं। इनमें छह नए चेहरे शामिल होंगे, जबकि दो राज्य मंत्रियों को प्रमोट कर कैबिनेट या स्वतंत्र प्रभार दिया जा सकता है। इस मंत्रिमंडल विस्तार के जरिये भाजपा जातीय और क्षेत्रीय संतुलन साधने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी का फोकस ब्राह्मण, जाट, दलित, पासी, वाल्मीकि, लोधी और अति पिछड़े वर्ग के नेताओं को प्रतिनिधित्व देने पर बताया जा रहा है।

दो बीवियों के साथ करता था गांजा तस्करी पुलिस ने युवक को दबोचा, तीन बेटे भी गिरफ्तार

अलीगढ़, 10 मई (एजेंसियां)। अलीगढ़ जिले में एक नाश तस्कर अपनी 2 पत्नियों के साथ गांजा बेचने का काम करता था। आरोपी उड़ीसा से गांजा मंगाकर उसकी 10-10 ग्राम की पुड़िया तैयार करता और फिर नशे करने वाले लोगों को सप्लाई करता था।

पुलिस के मुताबिक,आरोपी लंबे समय से गांजे की तस्करी कर रहा था। पुलिस टीम आरोपी को पकड़ने उसके घर पहुंची तो आरोपी ने पुलिस को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर आरोपी और उसकी दोनों पत्नियां समेत 3 बेटों को पकड़ लिया। पुलिस को घर की तलाशी में करीब 39 किलो गांजा बरामद किया है।

जानकारी के अनुसार, थाना क्वार्सी इलाके के शहंशाहबाद की गली नंबर 10 का रहने वाला आरोपी आफताब उर्फ कप्तान अपनी दो पत्नियां शहरीन और गुड़िया के 3 बेटों बिलाल,नबील,अब्दुल्ला के साथ मिलकर गांजे का बड़ा कारोबार करता था। पुलिस के मुताबिक, नाश तस्कर आफताब एक लंबे समय से नशे की तस्करी के कारोबार से जुड़ा हुआ था। उसके खिलाफ धमकी, अपरहण, नशा तस्करी से जुड़े करीब 4 मुकदमे दर्ज हैं। इस नशे के कारोबार में आरोपी की पत्नी और बेटे शामिल हैं। आरोपी के एक बेटे नबील के खिलाफ करीब 7 मुकदमे दर्ज है और पत्नी गुड़िया नशे की तस्करी के आरोप में जेल जा चुकी है।

एसपी ने दी जानकारी

एसपी सिटी आदित्य बंसल ने शनिवार शाम को पुलिस लाइन में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि शुक्रवार की देर रात पुलिस टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान अचानक फायरिंग की आवाज सुनाई दी। फायरिंग की आवाज की दिशा में पुलिस चली तो आरोपी के घर पहुंच गई। जहां आरोपी ने पुलिस टीम पर सीधी फायरिंग कर दी। पुलिस आरोपी के घर की घेराबंदी कर घर में दाखिल हो गई। इसके बाद पुलिस ने आफताब और उसकी दोनों पत्नियों समेत 3 बेटों को पकड़ किया।

घर की तलाशी के दौरान पुलिस को करीब 39 किलो गांजा, जिसकी कीमत करीब 8 लाख रुपये से अधिक है,नशा तस्करों के पास से 1 लाख 5 हजार नगद,1 तमंचा 2 कारतूस,10-10 ग्राम की पुड़िया पैकिंग के लिए रखी गई। 300 ग्राम पॉलीथिन भी बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई के साथ उनकी अवैध संपत्तियों कुर्क करने की प्रकिया की जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा

डिवाइडर से टकराया कैंटर, दो महिलाओं और आठ माह के मासूम की मौत

हापुड़, 10 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा हो गया। हादसे में आठ माह के मासूम और दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ थाना इलाके में रविवार तड़के गंगा एक्सप्रेसवे पर हुए भीषण सड़क हादसे में दो महिलाओं और आठ माह के मासूम बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस के अनुसार, हादसा तड़के करीब तीन बजे गांव जखेड़ा रहमत के पास हुआ, जहां बरेली से लुधियाना जा रहा एक कैंटर अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया।

'क्यों इतना परेशान हैं, क्या कोई इम्तिहान हैं?'

स्मृति ईरानी ने अखिलेश यादव को दिया जवाब

लखनऊ, 10 मई (एजेंसियां)। यूपी के अमेठी से पूर्व भाजपा सांसद स्मृति ईरानी पिछले कुछ समय से सपा मुखिया अखिलेश यादव पर हमलावर हैं। एक दिन पहले अखिलेश यादव ने पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के शपथ ग्रहण समारोह को लेकर तंज कसा था। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की केमेस्ट्री को लेकर लिखा था- 'अच्छी तो ये बात नहीं। नमस्ते का जवाब नहीं।' अब स्मृति ईरानी ने अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर करारा पलटवार किया है।

अपने एक्स हैंडल पर पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने लिखा है- 'क्यों इतना परेशान हैं, क्या कोई इम्तिहान हैं?' गौरतलब है कि इससे पहले भी स्मृति ईरानी और अखिलेश यादव के बीच जुबानी हमला हो चुका है। पिछली बार स्मृति ईरानी ने अखिलेश यादव को गोरखपुर से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी। इसके जवाब में अखिलेश यादव ने कहा था कि हम कन्नौज का नाम ही गोरखपुर रख देंगे।

दूसरी ओर, अखिलेश यादव ने रविवार को हो रहे यूपी मंत्रिमंडल विस्तार पर भी तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जब सरकार नौ साल में कुछ नहीं कर सकी, तो नए मंत्री नौ महीनों में क्या कर लेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल किया, 'मंत्रिमंडल में केवल छह रिक्तियां हैं, इससे ज्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाज़ा जाएगा?'

'मंत्री तो बिना लड़े ही क्या अपना चुनाव हार नहीं जाएंगे?'

अखिलेश यादव ने कहा, 'एक समाज के कई विधायकों में से किसी एक को चुना जाएगा तो चुनने का आधार क्या होगा?, अगर ऐसा हुआ तो बाकी दल-बदलुओं का क्या होगा?, उनकी उपेक्षा व अपमान को क्या कुछ ले-देकर शांत करा जाएगा? या उन्हें भी ये अहसास करा दिया जाएगा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है?'

'तेजस्वी खुद तो पढ़े नहीं, दूसरों से दिक्कत, निशांत तो इंजीनियर हैं'

बीजेपी ने लालू के बेटे को लपेटा

पटना, 10 मई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव द्वारा बिहार में एनडीए पर परिवारवाद का आरोप लगाने पर सियासत तेज हो गई है। एनडीए के नेताओ ने कहा कि जो लोग खुद इस तरह का काम करते है, उनको सब लोग उसी तरह दिखाई देते हैं।

तेजस्वी यादव खुद तो पढ़े नहीं, दूसरों से दिक्कत

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि, 'तेजस्वी यादव बिना सोचे-समझे बोलते हैं। जब उनके पिता लालू यादव जेल गए, तो राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बना दिया गया, जो अपना नाम तक लिखना नहीं जानती थीं। जब उपमुख्यमंत्री बनाने की बात आई, तो तेजस्वी को चुना गया, जो नौवीं कक्षा में फेल हैं और एक असफल क्रिकेटर हैं। बाद में, तेज प्रताप को स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया और मीसा भारती को संसदीय चुनाव का टिकट दिया गया। वहीं, नीतीश कुमार के बेटे निशांत एक पढ़े-लिखे इंजीनियर हैं, जो अपने लिए खुद आगे का रास्ता बना रहे हैं।'

अभी तो निशांत ने काम शुरू ही किया है- संजय सरावगी

बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा, 'अभी तो निशांत कुमार ने पदभार ही ग्रहण किया है और बिना उनके काम शुरू किए ही तेजस्वी यादव अनर्गल टिप्पणी कर रहे हैं। लालू यादव जब मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने पशुपालन घोटाला किया, फिर वह जेल गए। तो क्या जिस दिन उन्होंने शपथ ली तब ही पता चल गया कि लालू यादव जेल जाने वाले हैं और घोटाला करने वाले हैं। निशांत योग्य हैं, यशस्वी हैं और वह दिखाएंगे कि स्वास्थ्य विभाग कितने अच्छे से चलाया जा सकता है।'

बीजेपी ने अभी से शुरू कर दी है 2030 की तैयारी संजय सरावगी ने कहा, 'भारतीय जनता पार्टी पांचों साल चुनाव की तैयारी करती है। भाजपा जिस दिन सरकार में आती है, उसी दिन से चुनाव की तैयारी शुरू हो जाती है। जिन राज्यों में सरकार में नहीं आती, वहां भी तैयारी शुरु कर देती है। यूपी में अगले साल चुनाव होगा। वहां की जनता ने मन बना लिया है कि अखिलेश यादव का सूपड़ा साफ होगा। यूपी में आज मंत्रिमंडल का विस्तार है। नए मंत्री बनने वालों को बहुत शुभकामनाएं।'

एनडीए में राजद जैसा परिवारवाद नहीं- दिलीप जायसवाल

वहीं, भाजपा सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी को परिवारवाद की परिभाषा पता नहीं है। राजा का बेटा राजा बनता है लेकिन एनडीए में ये नहीं हो रहा है, जैसे अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव कर रहे हैं, उस तरह आज तक नहीं हुआ है। बिहार में जिस तरह से निशांत कुमार की एंट्री हुई है, उससे कोई नहीं बोल सकता है कि यहां परिवारवाद चल रहा है।

संदेह के आधार पर तलाक नहीं, निभाना ही होगा 'सात जन्मों' वाला बंधन

पटना, 10 मई (एजेंसियां)। वैवाहिक विवादों और तलाक के मामलों पर सुनवाई करते हुए पटना हाईकोर्ट ने एक दूरगामी फैसला सुनाया है।

न्यायमूर्ति नानी तगिया और न्यायमूर्ति आलोक कुमार पांडेय की खंडपीठ ने साफ किया कि किसी भी जीवनसाथी पर अवैध संबंधों का आरोप लगाकर विवाह विच्छेद (तलाक) की डिक्री तब तक प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक कि आरोप सिद्ध करने के लिए पर्याप्त और ठोस साक्ष्य मौजूद न हों। कोर्ट ने कहा कि व्यभिचार जैसे गंभीर आरोपों के लिए घटना का समय, स्थान और संबंधित व्यक्ति के विवरण जैसे स्पष्ट तथ्यों का उल्लेख याचिका में होना अनिवार्य है। ये फैसला उन मामलों में नजीर बनेगा जहां केवल संदेह के आधार पर रिश्तों को खत्म करने की कोशिश की जाती है। हाईकोर्ट ने श्याम बिहारी मिश्रा द्वारा दायर उस अपील को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने सिवान परिवार न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी।

पिता नीतीश कुमार की तरह एमएलसी बनेंगे निशांत

मंत्री बने दीपक प्रकाश भी जाएंगे विधान परिषद; खाली हो रहीं 10 सीटें, चुनाव जल्द

पटना, 10 मई (एजेंसियां)। बिहार विधान परिषद चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार अपने पिता नीतीश कुमार की तरह विधान परिषद जा सकते हैं। निशांत ने 8 मार्च को जदयू जॉइन की थी। 7 मई को उन्हें सम्राट सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बनाया गया है। इसके अलावा आरएलएम नेता और उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश का भी विधान परिषद जाना तय माना जा रहा है। उन्हें एनडीए की ओर से उम्मीदवार बनाया जा सकता है। वे बिहार सरकार में दूसरी बार मंत्री बने हैं। फिलहाल वे किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं।

चुनाव आयोग जल्द ही 10 सीटों पर चुनाव की घोषणा कर सकता है। इसे लेकर सत्ता और विपक्ष दोनों खेमों में रणनीति बनाने का दौर शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, एनडीए इस बार संगठन से जुड़े कई नेताओं को विधान परिषद भेजने की तैयारी में है। इनमें निशांत कुमार और दीपक प्रकाश का नाम सबसे आगे है।

निशांत कुमार
- उम्र - 45 साल
- सदन के सदस्य नहीं
- जाति - कुर्मी
- शिक्षा - इंजीनियरिंग

पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे हैं। किसी सदन के सदस्य नहीं हैं।

अभी तक विवाह नहीं किया है। 8 मार्च 2026 को जदयू में शामिल हुए थे।

वहीं पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 11 मई को गुवाहाटी जाएंगे और 12 मई को असम सरकार की शपथ ग्रहण में शामिल होंगे। नीतीश कुमार से जदयू के सीनियर नेताओं ने मुलाकात की और नए मंत्रिमंडल के कामकाज को लेकर चर्चा की।

निशांत कुमार 2 महीने पहले राजनीति में आए

निशांत कुमार ने 8 मार्च 2026 को जेडीयू जॉइन की थी। 2 महीने के अंदर ही वे मंत्री बन गए हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार लंबे समय तक सक्रिय राजनीति से दूर रहे, लेकिन हाल के दिनों में जदयू की सदस्यता लेने के बाद वे राजनीतिक तौर पर सक्रिय हुए हैं। इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर चुके निशांत अब धीरे-धीरे सार्वजनिक कार्यक्रमों में नजर आने लगे हैं। निशांत कुमार वर्तमान में बिहार में सद्भावना यात्रा निकाल रहे हैं और राज्य के सभी जिलों का दौरा कर रहे हैं। निशांत बिहार में अपनी राजनीतिक और सामाजिक पकड़ मजबूत करने को प्राथमिकता दे रहे हैं। इस बीच उनके मंत्री बनने से जेडीयू कार्यकर्ता उत्साहित हैं। फिलहाल, निशांत कुमार बिहार के किसी भी सदन के सदस्य नहीं हैं, लेकिन जदयू के भीतर उन्हें नई पीढ़ी के संभावित चेहरे के रूप में देखा जा रहा है।

न विधायक, न विधान पार्षद; फिर भी मंत्री

दीपक प्रकाश फिलहाल न तो विधायक हैं और न ही बिहार विधान परिषद के सदस्य। इसके बावजूद राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने उन्हें राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) की ओर से एकमात्र मंत्री के रूप में शपथ दिलाई। वे हाल ही में विदेश से पढ़ाई कर लौटे हैं।

वैशाली जिले के महनार प्रखंड क्षेत्र में वर्ष 1989 में जन्मे दीपक प्रकाश ने साल 2011 में सिक्किम मनिपाल यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई की है। इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद दीपक प्रकाश ने करीब दो सालों तक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम किया। इसके बाद उन्होंने स्वरोजगार का रास्ता चुना। वे साल 2019-20 से सक्रिय राजनीति में हैं।

जंगल में मिले दो नर कंकाल, छह साल से लापता किशोरी

अंबिकापुर, 10 मई (एजेंसियां)। सरगुजा जिले के धौरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत चमारीलुंगरा जंगल में शनिवार को दो नर कंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस को आशंका है कि ये नरकंकाल छह वर्ष पहले ग्राम जमोनी से रहस्यमयी ढंग से लापता हुए एक किशोरी और युवक के हो सकते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दोनों कंकालों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वर्ष 2020 में ग्राम जमोनी निवासी एक किशोरी और 19 वर्षीय विनोद कोरवा अचानक लापता हो गए थे।

परिजनों ने उनकी काफी तलाश की थी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिल पाया था। अब जंगल में मिले नर कंकालों के पास से एक फ्रॉक और हाफ पैंट बरामद हुआ है। कपड़ों के आधार पर परिजन और पुलिस दोनों यह संभावना जता रहे हैं कि कंकाल उन्हीं दोनों के हो सकते हैं। घटना की सूचना मिलते ही धौरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

इस बार हेलीकॉप्टर से आएं बाबा बर्फानी के द्वार

जून में पता चलेगा कितने की है टिकट, 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा

जम्मू, 10 मई (एजेंसियां)। अमरनाथ यात्रा में श्रद्धालुओं को इस बार हेलीकॉप्टर की सुविधा भी मिलेगी। तीन जुलाई से शुरू हो रही यात्रा के लिए जून के मध्य में टिकटों की कीमतों की घोषणा की जाएगी। बीते साल पहलगाम आतंकी हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के बाद हेली सेवा बंद कर दी गई थी। अमरनाथ यात्रा के लिए हर साल लाखों श्रद्धालु जम्मू-कश्मीर पहुंचते हैं। ऐसे में जो श्रद्धालु पैदल चलने में असमर्थ होते हैं या फिर समय बचाना चाहते हैं, वे हेलीकॉप्टर से यात्रा को प्राथमिकता देते हैं।

बालटाल और पहलगाम रूट से यात्रा संपन्न होती है। हेलीकॉप्टर से इन रूटों के बेस कैंप से कुछ ही मिनटों में गुफा के पास तक पहुंचा जा सकता है। हेली सेवा का जिम्मा श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के पास है। वही यात्रा के लिए टिकटों की दर तय करता है। बीते साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई थी। इसके बाद भारत की ओर से जवाबी कार्रवाई के रूप में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया। इस बीच जुलाई से अमरनाथ यात्रा की शुरुआत तो हुई, लेकिन हेली सेवा के संचालन को अनुमति नहीं दी गई। इस बार अमरनाथ यात्रा तीन जुलाई से शुरू होकर 28 अगस्त तक चलेगी।

इस दौरान हेली सेवाओं के संचालन को अनुमति दे दी गई है। इससे श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। अमरनाथ जाने वाले श्रद्धालु इस बार हवाई सेवा का लाभ ले सकेंगे। टिकटों की दर अभी तय नहीं की गई है। इन्हें अगले माह के मध्य तक जारी कर दिया जाएगा।

शुभेन्दु सरकार में मंत्री बनते ही दिलीप घोष बोले

'पश्चिम बंगाल में लोग डर में जी रहे, अब जल्दी सब ठीक हो जाएगा'

कोलकाता, 10 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में नए सीएम के तौर पर शुभेन्दु अधिकारी ने शपथ ले ली। आज मुख्यमंत्री का कार्यभार भी अधिकारी संभाल लेंगे। शुभेन्दु अधिकारी के साथ 5 अन्य नेताओं ने भी मंत्री पद की शपथ ली है। इसमें पूर्व बीजेपी बंगाल अध्यक्ष दिलीप घोष का नाम भी शामिल है। शपथ ग्रहण के बाद अब दिलीप घोष ने बीजेपी सरकार को लेकर बड़ा दावा किया है। घोष ने कहा कि बंगाल की जनता त्रस्त है, भाजपा सरकार इससे बंगाल के लोगों को निजात दिलवाएगी। मीडिया से बात करते हुए दिलीप घोष ने कहा, हमें बंगाल को फिर से बनाना है। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर कटाक्ष करते हुए दिलीप घोष ने कहा कि यहां कोई कानून-व्यवस्था नहीं है। घोष ने दावा किया कि बंगाल में लोग डर के साए में जी रहे थे।

भाजपा सरकार को लेकर उन्होंने कहा कि हम अब सरकार में आए हैं। हमें हर चीज पर काम करना होगा। इसे सही करने में समय तो लगेगा लेकिन हम तुरंत इसपर काम शुरू कर देंगे। साथ ही घोष ने जल्द बंगाल में बदलाव दिखने का दावा किया। इस विधानसभा चुनाव में भाप ने बंपर जीत हासिल करते हुए 207 सीटें अपने नाम कर ली।

वहीं ममता बनर्जी की टीएमसी को महज 80 सीटों से संतोष करना पड़ा। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी की पार्टी को 200 से ज्यादा सीटें आई थी और वो मुख्यमंत्री बनी थीं। लेकिन उन्हें चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा। ऐसा पहली बार हुआ है जब राज्य में भाजपा की सरकार बनी है। शुभेन्दु अधिकारी राज्य में पहली भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने हैं।

अगले हफ्ते बीआरआईसी की बैठक के लिए भारत आ सकते हैं ईरानी विदेश मंत्री अराघची

तेहरान, 10 मई (एजेंसियां)। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची 14-15 मई को होने वाली ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए भारत आने की संभावना हैं। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पश्चिम एशिया क्षेत्र के मौजूदा हालात और संकट के समाधान पर चर्चा करना है। हालांकि, उनके शामिल होने को लेकर कुछ अनिश्चितता थी, लेकिन माना जा रहा है कि ईरान ने भारत को सूचित कर दिया है कि यह दौरा फिलहाल उनके विदेश मंत्री के एजेंडे में शामिल है। इस बैठक के लिए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। वहीं, चीन के विदेश मंत्री वांग यी के इस कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना कम है। इसका कारण यह है कि ब्रिक्स बैठक की तारीखें डोनल्ड ट्रंप और शी चिनफिंग के बीच होने वाले महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन से टकरा रही हैं, जहां वांग यी की उपस्थिति अनिवार्य है।

अराघची का भारत आना इस बात पर भी निर्भर करेगा कि अमेरिका और ईरान के बीच हालिया नाजुक युद्धविराम कायम रहता है या नहीं। यदि फिर से कोई सैन्य तनाव पैदा होता है, तो परिस्थितियां बदल सकती हैं। तेहरान वर्तमान में एक 14-सूत्रीय अमेरिकी शांति प्रस्ताव का मूल्यांकन कर रहा है। इस प्रस्ताव में अमेरिका द्वारा प्रतिबंधों को धीरे-धीरे हटाने की पेशकश की गई है, जिसके बदले में ईरान को कम से कम 12 वर्षों के लिए अपना यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम रोकना होगा।

खूंटी में भूसे के नीचे , 50 बोरा डोडा छिपाकर ले जा रहा ट्रक जब्त, तस्कर फरार

तोरपा/रनिया, 10 मई (एजेंसियां)। खूंटी-गुमला जिले के सीमावर्ती क्षेत्र अंतर्गत रनिया थाना क्षेत्र के भालूटोली के पास रनिया पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से 50 बोरा डोडा जब्त किया है। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए ट्रक में नीचे डोडा के बोरे रखे थे और उसके ऊपर भूसा लाद दिया था, ताकि किसी को शक न हो। जानकारी के अनुसार रविवार सुबह करीब 4 बजे खूंटी पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग को गुप्त सूचना मिली थी कि भालूटोली क्षेत्र में अवैध डोडा की खेप पहुंचाई गई है।

सूचना मिलते ही तोरपा एसडीपीओ क्रिस्टोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में रनिया थाना प्रभारी श्यामल कुंभकार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने भालूटोली के पास झाड़ियों के समीप खड़े संदिग्ध ट्रक की तलाशी ली। जांच के दौरान ट्रक में ऊपर भूसा और उसके नीचे छिपाकर रखे गए 50 बोरा डोडा बरामद किए गए।

ट्रंप की प्रेस सचिव ने शेयर की अपनी बेटी के साथ तस्वीर

ईरान ने कहा-जरा उन 168 स्कूली बच्चों के बारे में भी सोचना

वॉशिंगटन, 10 मई (एजेंसियां)। ईरान ने व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट को उनकी बेटी के जन्म पर बधाई दी है। लेविट ने बताया था कि वह मां बन गई हैं और बेटी को जन्म को दिया है। लेविट को बधाई देते हुए आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक बेहद कड़ा संदेश पोस्ट किया। ईरान ने लिखा, आपको बहुत-बहुत बधाई। बच्चे मासूम और प्यारे होते हैं। लेकिन वे 168 बच्चे भी बच्चे ही थे जिन्हें आपके बॉस (अमेरिकी राष्ट्रपति) ने मीनाब के स्कूल में मार डाला और आपने उस हमले को जायज ठहराया था। जब आप अपने बच्चे को चूमती हैं, तो उन बच्चों की माताओं के बारे में भी जरूर सोचिएगा।

ईरान का यह बयान उस गहरे जख्म की ओर इशारा करता है जो इसी साल फरवरी में लगा था। ईरानी स्टेट मीडिया आईआरआईबी के अनुसार, 28 फरवरी को ईरान के मीनाब में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए हमले में 73 लड़के और 47 लड़कियों

की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद मार्च की शुरुआत में कैरोलिन लेविट ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अमेरिका का बचाव किया था। उन्होंने साफ कहा था, अमेरिका नागरिकों को निशाना नहीं बनाता। कैरोलिन लेविट ने तब यह भी कहा था कि युद्ध विभाग मामले की जांच कर रहा है, लेकिन नागरिकों और बच्चों को निशाना बनाना ईरान का काम है, अमेरिका का नहीं है।

कैरोलिन लेविट ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि वह 1 मई को मां बनीं हैं। उन्होंने अपनी नवजात बेटी के साथ फोटो शेयर करते हुए लिखा, 1 मई को, विवियाना उर्फ 'विवि' हमारे परिवार में शामिल हुई। वह एकदम हेल्दी है और उसका बड़ा भाई अपनी नई छोटी बहन के साथ खुशी-खुशी जिंदगी में ढल रहा है। हम अपने खुशमिजाज न्यूबॉर्न बबल में हर पल का मजा ले रहे हैं। मेरी प्रेग्नेंसी के दौरान दुआओं के लिए संपर्क करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया।

फिर सक्रिय हुई रुपिंदर रूबी, 2027 के लिए कांग्रेस की मजबूत दावेदारी की अटकलें तेज

बठिंडा, 10 मई (एजेंसियां)। बठिंडा देहाती विधानसभा क्षेत्र की पूर्व विधायक प्रो। रुपिंदर कौर रूबी ने एक बार फिर इलाके में अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि प्रो। रूबी अब मलोट की बजाय बठिंडा देहाती सीट से कांग्रेस पार्टी की टिकट पर वर्ष 2027 का पंजाब विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही हैं। पिछले कुछ समय से वह लगातार गांवों का दौरा कर रही हैं और लोगों के बीच अपनी मौजूदगी मजबूत बना रही हैं।

उनकी बढ़ती सक्रियता ने स्थानीय राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। प्रो। रूबी का बठिंडा देहाती विधानसभा क्षेत्र से पुराना और मजबूत राजनीतिक संबंध रहा है। वर्ष 2017 के पंजाब विधानसभा चुनाव में उन्होंने आम आदमी पार्टी की टिकट पर इस सीट से चुनाव लड़ा था और शानदार जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में उन्होंने 51 हजार 572 वोट हासिल

किए थे। वहीं शिरोमणि अकाली दल के उम्मीदवार अमित रतन को 40 हजार 794 और कांग्रेस उम्मीदवार हरविंदर सिंह लाडी को 28 हजार 939 वोट मिले थे। उस समय उनकी जीत को बठिंडा देहाती की राजनीति में बड़े बदलाव के रूप में देखा गया था। विधायक बनने के बाद प्रो। रूबी आम आदमी पार्टी में सक्रिय रहीं, लेकिन बाद में पार्टी के साथ मतभेद बढ़ने के कारण उन्होंने अलग राह चुन ली। इसके बाद 8 नवंबर 2021 को वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गई थीं।

पाकिस्तान में बड़ा आतंकी हमला

कार बम से उड़ाई पुलिस चौकी, 15 के मौत की आशंका

इस्लामादाब, 10 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी इलाके बन्नू में एक बेहद खतरनाक हमला हुआ। इसने पाकिस्तान की सुरक्षा व्यवस्था को एक बार फिर हिला कर रख दिया। इस हमले में पहले एक कार बम धमाका किया गया और उसके तुरंत बाद पुलिसकर्मियों पर घात लगाकर हमला किया गया। 15 पुलिसकर्मियों के मारे जाने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह हमला खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में हुआ, जो अफगानिस्तान सीमा के पास स्थित है।

यहां एक पुलिस चौकी को निशाना बनाया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, हमलावरों ने विस्फोटकों से भरी एक गाड़ी को चौकी के पास उड़ा दिया। धमाका इतना शक्तिशाली था कि पूरी पुलिस पोस्ट ढह गई। इस हमले में कम से कम तीन पुलिस अधिकारियों की मौत की पुष्टि हुई है। लेकिन नुकसान इससे कहीं ज्यादा बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारी सज्जाद खान के मुताबिक, चौकी पर उस समय करीब 15 पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात थे, जिनमें से ज्यादातर के मारे जाने की आशंका जताई जा रही है।

हालांकि अंतिम आंकड़े ऑपरेशन खत्म होने के बाद ही सामने आएंगे। हमले का तरीका बेहद खतरनाक था। पहले कार को मेन गेट से टक्कर मार करे धमाका किया गया। ब्लास्ट के बाद आसपास से पुलिसकर्मी मदद के लिए मौके पर पहुंचे और हमलावरों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस दौरान दोनों तरफ से गोलीबारी हुई, जिससे हालात और गंभीर हो गए। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक एक अन्य पुलिस अधिकारी जाहिद खान ने बताया कि इस हमले में एक आत्मघाती हमलावर भी शामिल था, जिसने विस्फोटकों से भरी गाड़ी को चौकी के पास उड़ा दिया।

माली में जिहादी हमलों में 70 से ज्यादा लोगों की मौत

अल-कायदा से जुड़े जेएनआईएम संगठन ने ली जिम्मेदारी

माली, 10 मई (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों में मध्य माली में जिहादी हमलों की एक नई लहर में कम से कम 70 लोग मारे गए हैं। इन हमलों की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़े संगठन जमात नुसरत अल-इस्लाम वल मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने ली है। इन हमलों में हुए सुनियोजित हमले भी शामिल हैं। इससे पहले गांवों पर भी हमले किए गए थे। हमलों में कम से कम 30 लोग मारे गए थे।

हालांकि, एक अन्य स्थानीय अधिकारी ने मरने वालों की संख्या इससे ज्यादा बताई है और अनुमान लगाया है कि लगभग 80 लोग मारे गए हैं। न्यूज एजेंसी एएफपी के अनुसार, एक स्थानीय युवा नेता ने कहा, हमारा दिल खून के आंसू रो रहा है। उन्होंने पास में तैनात सेना की टुकड़ियों पर आरोप लगाया कि मदद के लिए बार-बार गुहार लगाने के बावजूद उन्होंने कोई दखल नहीं दिया। यह ताजा हिंसा इस सप्ताह की शुरुआत में हुए एक अन्य हमले के बाद हुई है, जिसमें हथियारबंद लड़ाकों ने केनीरोबा सेंट्रल जेल पर धावा बोल दिया था।

यह जेल राजधानी बमाको से लगभग 60 किलोमीटर (37 मील) दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इस जेल में लगभग 2,500 कैदी बंद हैं। 25-26 अप्रैल से माली में लगातार हमलों का सिलसिला जारी है। बताया जा रहा है कि इसी दौरान अल-कायदा से जुड़े संगठन 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' (जेएनआईएम) ने तुआरेग-बहुल 'अजावाद लिबरेशन फ्रंट' (फ्लोरिडा) ने हाथ मिला लिया था। बामाको में हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में माली की सेना के कमांडर जिब्रिला माइगा ने बताया कि अप्रैल में हुए हमलों के बाद लड़ाके फिर से एकजुट होने की कोशिश कर रहे हैं।

अप्रैल के इन हमलों में रक्षा मंत्री सादियो कामारा की मौत हो गई थी और माली के नेतृत्व का साथ दे रही रूसी सेना को उत्तरी क्षेत्र के अहम शहर किदाल से पीछे हटना पड़ा था।

ईडी कार्रवाई पर भड़की आप

अमृतसर में भाजपा महासचिव घर के बाहर प्रदर्शन; कैबिनेट मिनिस्टर समेत विधायक पहुंचे

अमृतसर, 10 मई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में केंद्र सरकार और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग के निवास स्थान के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान पार्टी नेताओं ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में पंजाब सरकार के मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ, विधायक जसबीर सिंह, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रभबीर सिंह बराड़, विधायक डॉ। इंदर बीर सिंह निज्जर, विधायक डॉ। अजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्षी दलों की आवाज दबाने के लिए जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है। आप नेताओं ने आरोप लगाया कि बीते दिनों पंजाब मंत्रिमंडल के मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी पूरी तरह राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित है। उनका कहना था कि आम आदमी पार्टी लगातार जनहित के मुद्दे उठा रही है

और इसी कारण पार्टी नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है। मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि आम आदमी पार्टी डरने वाली नहीं है और पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता जनता की आवाज उठाता रहेगा। उन्होंने कहा कि यदि केंद्र सरकार यह सोचती है कि गिरफ्तारियों और दबाव की राजनीति से विपक्ष को चुप कराया जा सकता है तो यह उसकी गलतफहमी है। विधायक डॉ। इंदर बीर सिंह निज्जर ने कहा कि पंजाब की जनता सब कुछ देख रही है और आने वाले समय में इसका जवाब लोकतांत्रिक तरीके से दिया जाएगा।

कलयुगी बहू का खौफनाक चेहरा, बीमार ससुर को तकिए से घोंटा

रांची, 10 मई (एजेंसियां)। रांची के पंडरा ओपी क्षेत्र स्थित विद्यानगर में बहू ने अपने ही ससुर डा केपी गुप्ता की तकिए से मुंह दबाकर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी बहू निकिता को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार डॉ केपी गुप्ता चर्चित होम्योपैथिक चिकित्सक थे और पैरालाइसिस के कारण पिछले कुछ महीनों से बेड पर थे। दोपहर घर में सास और बेटा खाना पहुंचाने दुकान गए हुए थे।

इसी दौरान बहू ने इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। बाद में उसने सीसीटीवी कैमरा तोड़कर सबूत मिटाने की कोशिश की, लेकिन घटना का फुटेज पति के मोबाइल में रिकॉर्ड हो गया। परिजनों के अनुसार बहू और ससुर के बीच अक्सर विवाद होता था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और पूछताछ के आधार पर महिला को हिरासत में लिया है।

एसएससी जीडी परीक्षा में हाईटेक नकल का खेल

स्क्रीन पर खुद हल हो रहे थे सवाल, रांची से 6 गिरफ्तार

रांची, 10 मई (एजेंसियां)। राजधानी रांची के पंडरा थाना क्षेत्र स्थित फ्यूचरिस्टिक ऑनलाइन परीक्षा केंद्र में आयोजित एसएससी जीडी कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा के दौरान बड़े फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। पुलिस ने रिमोट एक्सेस तकनीक के जरिए प्रश्न पत्र हल कराने वाले सॉल्वर गैंग का पर्दाफाश करते हुए छह अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में ऋषिकेश और राहुल समेत पांच अभ्यर्थी बिहार के रहने वाले हैं, जबकि एक आरोपी कोडरमा का बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, परीक्षा की पहली शिफ्ट के दौरान ड्यूटी पर तैनात इन्वीजिलेटर को कुछ अभ्यर्थियों की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। उन्होंने देखा कि छह अभ्यर्थी लगातार कंप्यूटर स्क्रीन की ओर देख रहे थे, जबकि प्रश्न स्वतः हल होते जा रहे थे। इस पर संदेह होने पर तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम परीक्षा केंद्र पहुंची और तकनीकी जांच शुरू की। जांच में सामने आया कि संबंधित कंप्यूटरों को रिमोट एक्सेस के जरिए कहीं और से ऑपरेट किया जा रहा था। वहीं बैठा सॉल्वर गैंग परीक्षा के प्रश्नों का उत्तर हल कर अभ्यर्थियों की स्क्रीन पर भेज रहा था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी संदिग्ध कंप्यूटरों को जब्त कर लिया और छह अभ्यर्थियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। मामले में शामिल अन्य लोगों की तलाश में छापेमारी जारी है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस फर्जीवाड़े में परीक्षा केंद्र के किसी कर्मचारी या तकनीकी स्टाफ की संलिप्तता तो नहीं है। इस घटना के सामने आने के बाद भर्ती परीक्षाओं की पारदर्शिता और सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

कुत्तों का आतंक, दो मासूमों का बुरी तरह नोचा चेहरा

बिलासपुर, 10 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर जिले के बिल्हा क्षेत्र स्थित ग्राम बरतोरी में आवारा कुत्तों ने दो मासूम बच्चों पर हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में एक बच्चे की आंख के नीचे गहरा घाव हो गया, जबकि दूसरे बच्चे का चेहरा और मुंह बुरी तरह नोच दिया गया। दोनों बच्चों को गंभीर हालत में तत्काल सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी स्थिति को देखते हुए इमरजेंसी सर्जरी करनी पड़ी। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। लगातार बढ़ते डॉग बाइट मामलों को लेकर लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।

15% ब्याज पर मददगार बनकर देता था कर्ज, फिर छीन लेता जमीन एसआईटी रेड में मिले 153 ब्लैंक चेक

बालाघाट, 10 मई (एजेंसियां)। एमपी के बालाघाट जिले के वारासिवनी में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों को ऊंचे ब्याज के जाल में फंसाकर आर्थिक और मानसिक शोषण करने वाले कथित सूदखोर के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। एसआईटी की जांच में आरोपी सुनील अरोरा का कथित काला साम्राज्य उजागर हुआ है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके ठिकानों से 153 ब्लैंक चेक, जमीनों के दस्तावेज, कोरे स्टांप पेपर और कई अन्य महत्वपूर्ण कागजात जब्त किए हैं। पुलिस के अनुसार वारासिवनी निवासी 45 वर्षीय सुनील अरोरा लोगों को 5 से 15 प्रतिशत तक भारी ब्याज दर पर पैसा उधार देता था। शुरुआत में मददगार बनकर लोगों को कर्ज देता था और फिर उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर उन्हें ऐसे कर्ज के जाल में फंसा देता था, जांच में सामने आया कि आरोपी ऋण लेने वालों से एटीएम कार्ड, पासवर्ड, हस्ताक्षरित कोरे चेक, स्टांप पेपर, जमीनों के मूल दस्तावेज और अन्य जरूरी कागजात अपने कब्जे में रख लेता था। इसके बाद धमकी और दबाव बनाकर अवैध वसूली करता था।

एनआईए का माओवादी गंझू को 30 दिनों का अल्टीमेटम, कोर्ट में हाजिर होने का नोटिस

रांची, 10 मई (एजेंसियां)। माओवादियों का रीजनल कमांडर रवींद्र गंझू अगर 30 दिनों के भीतर रांची स्थित एनआइए की विशेष अदालत में उपस्थित नहीं होगा तो उसकी अनुपस्थिति में ही ट्रायल चलेगा। कोर्ट ने इससे संबंधित नोटिस जारी किया है, जिसे उसके गांव लातेहार जिले के हेसला बांझीटोला सहित कई स्थानों पर चिपकाया गया है। रीजनल कमांडर रवींद्र गंझू के विरुद्ध झारखंड सरकार ने 15 लाख व एनआइए ने पांच लाख का इनाम घोषित कर रखा है। वह फरार माओवादी है।

एके-47, पिस्तौल और ग्रेनेड सप्लाई का आरोप

हिजबुल कमांडर से मिले थे 20 लाख, आतंकी फंडिंग केस में जमानत नामंजूर

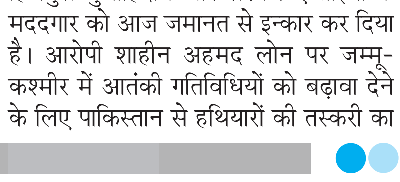

जम्मू, 10 मई (एजेंसियां)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने प्रतिबंधित संगठनों हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-ताइबा के मददगार को आज जमानत से इन्कार कर दिया है। आरोपी शाहीन अहमद लोन पर जम्मू-कश्मीर में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए पाकिस्तान से हथियारों की तस्करी का भी आरोप है। एनआईए कोर्ट जम्मू के स्पेशल जज प्रेम सागर ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े इन मामलों में जमानत नियम है और जेल अपवाद का सामान्य सिद्धांत लागू नहीं होता। जिला बारामुला के कनिस्पोरा गांव निवासी शाहीद ने अपनी पत्नी नसरीना अख्तर के यह अर्जी दायर की थी। केस रिकॉर्ड के अनुसार मामला 11 जनवरी, 2020 का है।

श्रीनगर-जम्मू हाईवे पर लगाए नाके पर एक कार को रोका गया। आरोप है कि इसमें हिजबुल आतंकी सैयद नवीद मुश्ताक और रफी अहमद राथर के साथ आरोपी देवेंद्र सिंह और इरफान शफी मीर सवार थे। कार से हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद हुए।

इनमें एक एके-47 राइफल, तीन पिस्तौल और एक हैंड ग्रेनेड शामिल था। पहले केस काजीगुंड थाने में दर्ज किया गया, जिसे बाद में एनआईए ने अपने हाथ में ले लिया। एनआईए का आरोप है कि आरोपी को हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक खरीदने के लिए शोपियां में हिजबुल के तत्कालीन जिला कमांडर सद्दाम पाडर से 20 लाख रुपये मिले थे। उसने सोपोर और बारामुला के ओवरग्राउंड वर्करों के जरिये सोपोर में सक्रिय लश्कर आतंकियों को पांच एके-47 राइफलें, 10 पिस्तौल और 10 हैंड ग्रेनेड दिए थे।

उस पर बारामुला में सक्रिय आतंकी को नौ लाख रुपये देने का भी आरोप है। आवेदक ने तर्क दिया कि वह सितंबर, 2020 से हिरासत में है और मुकदमे में देरी हुई है। दलील है कि 164 गवाहों में से केवल कुछ ही गवाहों की जांच की गई है। उसके कब्जे से कुछ भी बरामद नहीं हुआ है।

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 11 मई - 2026

लोकप्रियता बनाम प्रशासन

तमिलनाडु की राजनीति में अभिनेता से नेता बने विजय का उभार केवल एक चुनावी घटना नहीं, बल्कि राज्य की बदलती राजनीतिक मानसिकता का संकेत है। बंगाल में भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के बाद अब देश की नजर तमिलनाडु पर टिक गई है, जहां अप्रत्याशित चुनाव परिणामों ने नई राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। टीवीके प्रमुख विजय ने डीएमके से दूरी बनाने वाली कांग्रेस, वाम दलों, वीसीके और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग जैसे दलों का समर्थन जुटाकर सत्ता के समीकरण बदल दिए हैं। यह उनके राजनीतिक कौशल और लोकप्रियता का प्रमाण है कि मात्र दो वर्षों में गठित दल सत्ता के द्वार तक पहुंच गया। विजय का अभिनेता से मुख्यमंत्री पद तक पहुंचना किसी चमत्कार से कम नहीं माना जा सकता। तमिलनाडु की राजनीति में फिल्मों और राजनीति का संबंध पुराना रहा है। करुणानिधि, एमजीआर और जयललिता जैसे दिग्गजों ने सिनेमा की लोकप्रियता को राजनीतिक ताकत में बदलकर लंबे समय तक राज्य की राजनीति को प्रभावित किया। विजय की सफलता भी इसी परंपरा का विस्तार प्रतीत होती है। जनता ने एक बार फिर यह साबित किया है कि तमिलनाडु में फिल्मी सितारों के प्रति विशेष आकर्षण और विश्वास बना हुआ है। हालांकि, लोकप्रियता और प्रशासनिक क्षमता दो अलग-अलग विषय हैं। विजय के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही होगी कि वे एक सफल अभिनेता की छवि से आगे बढ़कर प्रभावी प्रशासक साबित हों। उन्हें शासन चलाने का कोई प्रत्यक्ष अनुभव नहीं है और उनकी सरकार कई सहयोगी दलों के समर्थन पर निर्भर होगी। ऐसी स्थिति में हर निर्णय राजनीतिक संतुलन साधते हुए लेना पड़ेगा। गठबंधन की मजबूरियां अक्सर सरकारों को कमजोर करती हैं और लोक-लुभावन राजनीति को बढ़ावा देती हैं। विजय ने चुनाव प्रचार में जनता से कई बड़े वादे किए हैं, लेकिन आर्थिक और प्रशासनिक वास्तविकताओं के बीच उन्हें पूरा करना आसान नहीं होगा। तमिलनाडु देश के अपेक्षाकृत समृद्ध राज्यों में गिना जाता है, फिर भी वहां मुफ्त योजनाओं और लोक-लुभावन घोषणाओं की राजनीति लगातार बढ़ती रही है। यह स्थिति इस बात की ओर संकेत करती है कि समाज का एक बड़ा वर्ग अभी भी आर्थिक असमानता और निर्भरता से जूझ रहा है। केवल मुफ्त सुविधाएं बांटकर गरीबी और बेरोजगारी जैसी समस्याओं का स्थायी समाधान संभव नहीं है। विजय के लिए असली परीक्षा यह होगी कि वे विकास आधारित राजनीति को प्राथमिकता देते हैं या फिर पारंपरिक द्रविड़ राजनीति की राह पर चलते हैं। द्रविड़ राजनीति लंबे समय से हिंदी विरोध, केंद्र से टकराव और क्षेत्रीय अस्मिता के मुद्दों पर आधारित रही है। तमिल पहचान को मजबूत करने के नाम पर कई बार ऐसी राजनीति भी हुई, जिसमें अलगाववादी सोच की झलक दिखाई देती रही। अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि विजय इस पुरानी राजनीतिक शैली को आगे बढ़ाते हैं या नई सकारात्मक दिशा देते हैं। यदि वे केवल भावनात्मक मुद्दों और क्षेत्रीय राजनीति पर निर्भर रहते हैं, तो राज्य की प्रगति सीमित हो सकती है। लेकिन यदि वे रोजगार, शिक्षा, उद्योग और निवेश को केंद्र में रखकर राजनीति करते हैं, तो तमिलनाडु देश के लिए एक आदर्श मॉडल बन सकता है। विजय की वैचारिक स्पष्टता को लेकर भी कई प्रश्न उठ रहे हैं। भाजपा को धार्मिक राजनीति करने वाला दल बताने वाले विजय और उनके समर्थक मुस्लिम लीग जैसे दलों के साथ सहज दिखाई देते हैं। इससे राजनीतिक अवसरवाद का आरोप लगना स्वाभाविक है। इसके साथ ही ईसाई मिशनरियों की बढ़ती गतिविधियों और मतांतरण जैसे मुद्दों को लेकर भी बहस तेज हो सकती है। इसलिए विजय को ऐसी संतुलित राजनीति करनी होगी, जो सामाजिक सौहार्द बनाए रखे और किसी प्रकार के विभाजन को बढ़ावा न दे। स्पष्ट है कि विजय की जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि तमिलनाडु की राजनीति में एक नए प्रयोग की शुरुआत है। जनता ने उन्हें अवसर दिया है, लेकिन अब उनकी वास्तविक परीक्षा शुरू होगी। यदि वे लोकप्रियता को सुशासन में बदलने में सफल रहते हैं, तो वे राज्य की राजनीति में नया इतिहास रच सकते हैं। लेकिन यदि वे भी पारंपरिक लोक-लुभावन और पहचान आधारित राजनीति में उलझ गए, तो जनता का विश्वास जल्दी टूट सकता है। तमिलनाडु को इस समय भावनात्मक नारों से अधिक दूरदर्शी नेतृत्व और स्थायी विकास की आवश्यकता है।

क्षेत्रीय दलों पर भी भारी पड़ रही भाजपा

राज कुमार सिंह

भाजपा उस राजनीतिक विमर्श को भी ध्वस्त कर रही है कि उसे चुनौती देने का जो काम देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस नहीं कर पा रही, वह क्षेत्रीय दल बखूबी कर रहे हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेलेदम बहुमत और कांग्रेस के 44 सीटों पर सिमट जाने से वह विमर्श शुरू हुआ। 2019 के लोकसभा चुनाव परिणामों ने भी उसे बल प्रदान किया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से वह कमजोर पड़ने लगा है। 2024 में भाजपा को मात्र 240 सीटों पर रोक देने में क्षेत्रीय दलों की बड़ी भूमिका भी रही। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना और शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तमिलनाडु में द्रमुक और पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने उसमें अहम्‌ भूमिका निभायी। कांग्रेस की सीटें भी 52 से बढ़ कर 99 हो गयीं, लेकिन खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह क्षेत्रीय दलों के सहारे 'परजीवी' है। बात गलत भी नहीं थी, इन राज्यों में कांग्रेस, क्षेत्रीय दलों से गठबंधन के सहारे ही चुनाव लड़ने को मजबूर है। बेशक हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकारें हैं, पर पहले दोनों राज्य लोकसभा सीटों की संख्या के लिहाज से ज्यादा प्रभावी नहीं हैं। शायद इसीलिए 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद से भाजपा के निशाने पर क्षेत्रीय दल और उनकी सरकारें ज्यादा नजर आती हैं। कांग्रेस के अघोषित नेतृत्ववाला विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन स्वाभाविक ही भाजपा के 240 सीटों पर सिमट जाने को अपनी सफलता मान रहा था, लेकिन उसके बाद से उसके हिस्से हार के झटके ही ज्यादा आये हैं। झारखंड और जम्मू-कश्मीर ही अपवाद रहे, जहां कांग्रेस की उपस्थिति का सत्ता राजनीति में ज्यादा अर्थ नहीं है। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस का ही दबदबा है तो झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा का-और विधानसभा चुनाव के बाद दोनों की ही कांग्रेस से दूरियां बढ़ती दिख रही हैं। 48 लोकसभा सीटोंवाले महाराष्ट्र में 'इंडिया' गठबंधन 30 सीटें जीत गया। कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 13 सीटें जीतीं तो उद्धव की शिवसेना ने नौ, जबकि शरद पवार की राकांपा ने आठ। तमिलनाडु में भी 'इंडिया' गठबंधन 39 में 35 सीटें जीतने में सफल रहा। पश्चिम बंगाल में भी तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को 12 सीटों पर समेटते हुए 42 में से 29 लोकसभा सीटें जीत लीं। अलग लड़ी कांग्रेस भी एक सीट जीत गयी। 20 सीटोंवाले केरलम्‌ में भी कांग्रेसनीत यूडीएफ 18 सीटें जीत गया, जबकि तत्कालीन सत्तारूढ़ एलडीएफ के हिस्से एक ही सीट आयी। भाजपा भी पहली बार अपना खाता खोलने में सफल रही। बेशक यूडीएफ की 18 में से 14 सीटें कांग्रेस की रहीं, लेकिन केरलम्‌ में गठबंधन राजनीति एक अनिवार्यता रही है। इसलिए कांग्रेस की सीटें बढ़ कर 99 हो जाने के बावजूद भाजपा के तेज रफ्तार विस्तार पर नियंत्रण में क्षेत्रीय दलों की अहम्‌ भूमिका रही है। बेशक चंद्रबाबू नायडू की तेलुगू देशम्‌ पार्टी, नीतीश कुमार का जनता दल यूनाइटेड, जयंत चौधरी का राष्ट्रीय लोकदल, एकनाथ शिंदे की शिवसेना, स्वर्गीय अजित पवार की राकांपा के अलावा तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक, भाजपानीत राजग में शामिल हैं, लेकिन नवीन पटनायक का बीजू जनता दल, हेमंत सोरेन का झामुमो, लालू-तेजस्वी का राजद, अखिलेश यादव की सपा, एम के स्टालिन का द्रमुक, उमर अब्दुल्ला की नेशनल कान्फ्रेंस, अरविंद केजरीवाल की आप और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस समेत तमाम बड़े क्षेत्रीय दल उससे दूरी बनाये हुए हैं। संयोग कहें या प्रयोग, 2024 से ही इन दलों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पटनायक के बीजद की दशकों पुरानी सत्ता ओडिशा में तो भाजपा ने लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा चुनाव में ही उखाड़ फेंकी थी, महाराष्ट्र में पासा चंद महीने बाद हुए विधानसभा चुनाव में पलट दिया, जब विपक्ष हाशिये पर चला गया। भारतीय राजनीति में धूमकेतु की तरह चमके केजरीवाल की आप से भी भाजपा ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में सत्ता छीन ली। पिछले साल के अंत में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में भी ऐसे ही एकतरफा परिणाम आये, जिनके लिए विपक्ष सीधे-सीधे चुनाव आयोग की भूमिका पर सवालिया निशान लगा रहा है। अरसे से ईवीएम पर संदेह जताता रहा विपक्ष अब एसआईआर प्रक्रिया में बड़ी संख्या में नाम काटे जाने को भाजपा की अप्रत्यक्ष चुनावी मदद करार दे रहा है।

बेशक चुनाव आयोग की भूमिका से जुड़े विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक गये हैं, लेकिन चुनाव परिणाम नहीं बदल रहे। पश्चिम बंगाल को ममता बनर्जी की सत्ता दुर्ग अभेद्य माना जा रहा था। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 200 पार का नारा दे कर 77 सीटों पर थम गयी थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा को और बड़ा झटका दिया था। उसके चलते माना जा रहा था कि इस बार भाजपा 100 पार भले चली जाये, पर ममता की सत्ता नहीं डिगेगी, लेकिन 2021 के चुनाव परिणाम 2026 में लगभग पलट गये। यह सही है कि 'इंडिया' गठबंधन में होते हुए भी ममता ने बंगाल में कांग्रेस या वाम दलों को भाव नहीं दिया, लेकिन 42 लोकसभा सीटोंवाले एक बड़े राज्य की सत्ता से वह भाजपा को वंचित रखे हुए थीं। अब न सिर्फ एक और क्षेत्रीय दल का सत्ता दुर्ग ढ़ह गया है, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव में अपनी सीटें बढ़ने के प्रति भी भाजपा आश्वस्त हो सकती है। बेशक तमिलनाडु की परंपरागत द्रविड़ राजनीति के विरुद्ध जनादेश से त्रिशंकु विधानसभा में चमत्कारिक रूप से सबसे बड़े दल के रूप में उभर कर सत्तारूढ़ हुई, अभिनेता जोसेफ विजय चंद्रशेखर की टीवीके भी एक क्षेत्रीय दल है, लेकिन दशकों पुराने स्थापित क्षेत्रीय दलः द्रमुक और अन्नाद्रमुक सत्ता के खेल से बाहर हो गये हैं। अब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और पंजाब में आप ही दो ऐसे क्षेत्रीय दल हैं, जिन्हें चुनावी पटखनी देना भाजपा के लिए शेष है। इन दोनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। बेशक 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के साथ मिल कर लड़ी सपा ने भाजपा को बहुमत की दौड़ में टंगड़ी मारने में बड़ी भूमिका निभायी थी, लेकिन विधानसभा चुनाव हाल की अप्रत्याशित भाजपाई जीत के माहौल में नये समीकरणों के साथ होंगे। पंजाब में एकजुट रहने के लिए संघर्षरत आप की हार का स्वाभाविक लाभ कांग्रेस को मिल सकता है, लेकिन हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की लगातार सक्रियता तथा आप के सात राज्यसभा सांसदों के शामिल होने से भाजपाई हौसले भी बुलंद हैं। अगर शिरोमणि अकाली और भाजपा फिर से दोस्त बन गये तो पंजाब की चुनावी तस्वीर बदल भी सकती है। हां, यह बात अलग है कि एक और क्षेत्रीय दल के रूप में शिरोमणि अकाली दल की सत्ता राजनीति में वापसी हो जायेगी, लेकिन वह भाजपा का दोस्त ही होगा—जैसे कि आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू और पुदुचेरी में एन रंगासामी आदि हैं।

झंझावाती युवाओं की आक्रामकता

अनिकेत सिंह

इतनी छोटी उम्र के खिलाड़ी में बाएं हाथ से इतनी जोशीली और दमदार बल्लेबाजी करने की ताकत आखिर आती कहां से है? बिहार के समस्तीपुर में जन्मे और वर्तमान में राजस्थान रॉयल्स की ओर से आईपीएल खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी की शक्ति और उम्र को लेकर पाकिस्तान के क्रिकेटर जुनैद खान को सहज विश्वास नहीं हुआ और उनके मन में सवाल उठा कि तेरह साल का लड़का इतनी दूर तक जोरदार छक्का कैसे मार सकता है? उसकी कलाई में इतना बल कहां से आया? या तो उसकी उम्र गलत होगी अथवा उसके बल्ले में कोई चिप लगी होगी।

लेकिन वास्तविकता यह है कि 2025 में राष्ट्रीय बाल पुरस्कार पाने वाले और 2026 में आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप में 'प्लेयर आफ द टूर्नामेंट' बने वैभव सूर्यवंशी की ताकत ने सबको आश्चर्यचकित कर दिया है। सच तो यह है कि समस्तीपुर जिले के ताजपुर गांव में जन्मे वैभव ने मात्र चार वर्ष की उम्र से ही अपने पिता की प्रेरणा से क्रिकेट का प्रशिक्षण लेना शुरू कर दिया था।

आठ वर्ष की आयु में वह क्रिकेट अकादमी में दाखिल हो गया और एक दिन छोड़कर दूसरे दिन मनीष ओझा की पटना स्थित ज़ेननेक्स्ट क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षण लेने के लिए समस्तीपुर से सौ किलोमीटर दूर पटना जाया करता था। वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज ब्रायन लारा को अपना आदर्श मानने वाले वैभव ने केवल बारह वर्ष और 284 दिन की उम्र में बिहार की ओर से मुंबई के खिलाफ प्रथम श्रेणी मैच खेला। तेरह वर्ष और 241 दिन की उम्र में उसने सैयद मुश्ताक अली ट्राफी खेली। फिर विजय हजारे ट्राफी में 36 गेंदों पर शतक बनाकर नया रिकार्ड कायम किया और चौदह वर्ष और तेईस दिन की उम्र में आईपीएल मैच खेलने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बन गया। पिछले वर्ष आईपीएल में चौदह वर्ष और बत्तीस दिन की उम्र वाले वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के विरुद्ध 38 गेंदों में 101 रन बनाए थे। उसकी उम्र को लेकर विवाद खड़ा होने पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उसका 'बोन डेंसिटी टेस्ट' करवाया, जिसमें उसकी उम्र प्रमाणित हुई।

आज सबकी नज़र यशस्वी जायसवाल पर है और उससे भी अधिक मैं आपको भारतीय क्रिकेट में आए कुछ ऐसे परिवर्तनों की बात बताना चाहता हूं, जो दिखाई तो नहीं देते, परंतु अत्यंत महत्त्वपूर्ण हैं। वह दिन याद कीजिए जब 15 नवंबर, 1989 को सचिन तेंडुलकर ने सोलह वर्ष और 205 दिन की आयु में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। उससे पहले भी तेंडुलकर का नाम प्रसिद्ध हो चुका था और सत्रहवें वर्ष में ही उसने टेस्ट शतक बना लिया था। बीस वर्ष का होने से पहले ही वह प्रभावशाली बल्लेबाज बन चुका था।

भारत की इस लोकप्रिय खेल ने देश के जनमानस पर ऐसा प्रभाव डाला कि किशोर खिलाड़ी तेजी से क्रिकेट में आगे आने लगे और अपनी झंझावाती बल्लेबाजी से मैदान पर ज्वालामुखी के विस्फोट जैसी ऊर्जा पैदा करने लगे। दर्शक भी उन्हें और अधिक उत्साह देने लगे। दूसरी ओर 2 दिसंबर, 2005 को झारखंड से आने वाले महेंद्र सिंह धोनी ने श्रीलंका के विरुद्ध चेन्नई में अपना पहला टेस्ट खेला और उसी समय से भारतीय क्रिकेट में ऐसा परिवर्तन आया कि छोटे-छोटे शहरों, गांवों और कस्बों से खिलाड़ी निकलकर राष्ट्रीय क्रिकेट पर छाने लगे।

एक समय था, जब पहले मुंबई और फिर चेन्नई का भारतीय क्रिकेट में दबदबा था, किंतु अब स्थिति बदल चुकी है। बीस वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों पर नज़र डालें तो असम के गुवाहाटी से रियान पराग, पंजाब के फाज़िल्का से शुभमन गिल, महाराष्ट्र के विरार से पृथ्वी शॉ और उत्तर प्रदेश के छोटे से गांव से यशस्वी गिल सामने आते हैं।

इस प्रकार भारतीय क्रिकेट में कम उम्र के खिलाड़ियों के साथ-साथ दूरदराज के गांवों से आने वाले खिलाड़ी भी राष्ट्रीय स्तर पर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। इनमें तेरह गेंदों पर अर्धशतक बनाने वाले यशस्वी जायसवाल विशेष रूप से दिखाई देते हैं। जब वह रन का तूफान खड़ा करते हैं, तब विरोधी टीम के गेंदबाजों को असमंजस में डाल देते हैं। टेस्ट, वनडे और टी-20, तीनों प्रारूपों में खेलने वाले इस खिलाड़ी ने अपने पहले टेस्ट मैच में ही वेस्टइंडीज के विरुद्ध शतक बनाया था। यह बाएं हाथ का ओपनर 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैचों में दोहरे शतक लगा चुका है। हार्डवेयर की दुकान चलाने वाले भूपेंद्र जायसवाल का यह पुत्र क्रिकेट प्रशिक्षण लेने के लिए दस वर्ष की आयु में मुंबई आया और आज़ाद मैदान में अभ्यास करने लगा। एक डेयरी की दुकान पर काम करने के बदले उसे रहने की जगह मिली, लेकिन बाद में अभ्यास जारी रखने के लिए वह मैदान के ग्राउंड्समैन के तंबू में रहने लगा और पानीपुरी बेचकर गुजारा करता था। तीन वर्षों तक इस संघर्षपूर्ण जीवन के बाद शांताक्रूज की क्रिकेट अकादमी चलाने वाले ज्वाला सिंह की नजर उस पर पड़ी। ज्वाला सिंह उसके कानूनी संरक्षक बने और यशस्वी उनके साथ रहने लगा।

इसके बाद यशस्वी लगातार उपलब्धियां प्राप्त करता गया। एक श्रृंखला में बीस छक्के लगाने वाला वह पहला खिलाड़ी बना। बाईस वर्ष की उम्र में पांच सौ रन बनाने वाला दूसरा खिलाड़ी बना और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने वाला भारतीय खिलाड़ी भी बना। 30 अप्रैल, 2023 को उसने 62 गेंदों में 124 रन बनाए थे। उसी वर्ष उसने 13 गेंदों में अर्धशतक बनाकर आईपीएल इतिहास का सबसे तेज़ अर्धशतक बनाया।

भारत के प्रतिभाशाली युवा बल्लेबाज़ शुभमन गिल ने 18 वर्ष और 217 दिन की आयु में 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से आईपीएल में पदार्पण किया था। उसकी बेहतरीन टाइमिंग और शॉट खेलते समय का संतुलन उसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उसका फ्रंट-फुट कवर ड्राइव देखना किसी आनंद से कम नहीं और जब वह शॉर्ट पिच गेंद को देर से खेलते हुए कट या पुल शॉट लगाता है तो दर्शक प्रसन्न हो उठते हैं। आज गुजरात टाइटन्स के कप्तान के रूप में खेल रहे पंजाबी गिल चक जयमल सिंह वाला नामक छोटे से गांव से आते हैं।

उनके किसान पिता लखविंदर सिंह स्वयं क्रिकेटर बनना चाहते थे, लेकिन उन्होंने अपने पुत्र को प्रशिक्षण देकर अपनी इच्छा पूरी की। वे प्रतिदिन पांच सौ से सात सौ गेंदें शुभमन गिल को फेंकते थे और गिल उनका सामना करता था। गिल को सौराष्ट्र के करसन घावरी का मार्गदर्शन मिला। उनकी प्रतिभा देखकर ही पंजाब की अंडर-14 टीम में उसका चयन हुआ।

गिल को याद करते समय उनके बचपन के मित्र और आज के विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा भी याद आते हैं, जिनकी ओपनिंग जोड़ी मजबूत गेंदबाजों को परेशान कर देती थी। शुभमन गिल लगातार नए रिकार्ड बनाते गए और आज वे भारतीय टीम के प्रमुख खिलाड़ी होने के साथ नेतृत्व की जिम्मेदारियां भी निभा रहे हैं। इन किशोर खिलाड़ियों में रियान पराग भाग्यशाली भी हैं और दुर्भाग्यशाली भी।

अनाज के ढेर पर बैठी भूखी दुनिया
विकास मॉडल की सबसे भयावह सच्चाई

आरके जैन

सभ्यता की चकाचौंध के बीच दुनिया एक खामोश त्रासदी जी रही है। खेतों में रिकॉर्ड अनाज उग रहा है, खाद्य कंपनियां लगातार विस्तार कर रही हैं और बाजार रंग-बिरंगे पैकेटों से भरे पड़े हैं, फिर भी करोड़ों लोग भूख की यातना सहने को मजबूर हैं। यह केवल आर्थिक विषमता नहीं, बल्कि विकास के खोखले मॉडल की सबसे बड़ी हार है। अधिक उत्पादन की लालसा ने जंगल उजाड़े, जलस्रोत खत्म किए और मिट्टी की जीवनशक्ति घटा दी। अब प्रकृति भी उसी विनाश का जवाब दे रही है। कहीं लू फसलें झुलसा रही है तो कहीं बाढ़ महीनों की मेहनत बहा ले जाती है। भूख और पर्यावरण विनाश का यह दुष्चक्र अब इतना भयावह हो चुका है कि यदि इसे समय रहते नहीं तोड़ा गया, तो आने वाला दौर मानव इतिहास का सबसे अंधकारमय अध्याय बन सकता है। मानव सभ्यता की सबसे भयावह तस्वीर आज आंकड़ों में कैद दिखाई देती है। वर्ष 2025 में लगभग 266 मिलियन लोग तीव्र खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे थे, जबकि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 673 मिलियन लोग लगातार भूख का सामना कर रहे हैं। अफ्रीका में हर पांचवां व्यक्ति भोजन संकट में जी रहा है। 35.5 मिलियन बच्चे कुपोषण के शिकार हैं और करीब 10 मिलियन गंभीर स्थिति में हैं। सबसे दर्दनाक तथ्य यह है कि दुनिया की अधिकांश भूख केवल 10 देशों में सिमट चुकी है। यह केवल भोजन की कमी नहीं, बल्कि वैश्विक व्यवस्था की विफलता का प्रमाण है। युद्ध, आर्थिक संकट, बेरोजगारी और जलवायु आपदाएं मिलकर भूख को ऐसा हथियार बना चुकी हैं, जो इंसानी अस्तित्व को भीतर से तोड़ रहा है। अब भूख किसी गरीब राष्ट्र की समस्या नहीं, बल्कि असंतुलित वैश्विक विकास का सबसे भयावह चेहरा बन चुकी है। मानवता को भोजन देने वाली व्यवस्था अब पृथ्वी के विनाश का बड़ा कारण बन चुकी है। वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा खाद्य प्रणाली से आता है। कृषि अकेले पृथ्वी की आधी रहने योग्य भूमि और 70 प्रतिशत मीठे पानी का उपयोग करती है। वर्ष 2022 में एग्रीफूड सिस्टम ने करीब 16.2 बिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड समकक्ष उत्सर्जन किया था। पशुपालन से निकलने वाली मीथेन, रासायनिक उर्वरकों से पैदा नाइट्रस ऑक्साइड और जंगलों की कटाई से बढ़ती कार्बन डाइऑक्साइड धरती को लगातार गर्म कर रही हैं। तापमान में हर अतिरिक्त डिग्री वृद्धि प्रति व्यक्ति लगभग 120 कैलोरी प्रतिदिन घटा देती है। यानी अधिक उत्पादन की दौड़ ही भविष्य का भोजन निगल रही है।

बदलता जलवायु चक्र अब भूख को और भयावह बना रहा है। मौसम अब अनुमान नहीं, भय का विषय बन चुका है। कहीं महीनों तक बारिश नहीं होती तो कहीं कुछ घंटों की वर्षा पूरी खेती बहा ले जाती है। लू, सूखा, चक्रवात और बाढ़ लगातार फसलों को नष्ट कर रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अमीर देशों में 41 प्रतिशत और गरीब देशों में 28 प्रतिशत तक उपज क्षमता घट सकती है। सबसे बड़ा संकट छोटे किसानों पर है, जिनके पास न आधुनिक तकनीक, न बीमा और न पर्याप्त संसाधन हैं। कई संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में भूख को हथियार बनाया जा रहा है। यदि यही स्थिति रही, तो वर्ष 2030 तक लगभग 512 मिलियन लोग भूख की चपेट में आ सकते हैं। पर्यावरण विनाश और भूख अब एक ही संकट के दो चेहरे हैं।

सबसे बड़ी विडंबना यह है कि एक ओर करोड़ों लोग भूखे सोते हैं, वहीं दूसरी ओर भोजन कूड़े में फेंक दिया जाता है। दुनिया में उत्पादित भोजन का लगभग एक-तिहाई हिस्सा बर्बाद हो जाता है। यह अपव्यय 8-10 प्रतिशत उत्सर्जन के बराबर है। अमीर देशों की थालियों से फेंका गया भोजन गरीब देशों के बच्चों की भूख बनता है। उधर मिट्टी की उर्वरता घट रही है, भूजल स्तर गिर रहा है और जैव विविधता खत्म हो रही है। रासायनिक खेती ने उत्पादन बढ़ाया लेकिन मिट्टी कमजोर की। अब टिकाऊ विकल्प जरूरी हैं। यदि दुनिया को इस संकट से निकलना है, तो भोजन को व्यापार नहीं, मानव अस्तित्व की जिम्मेदारी मानना होगा। अन्यथा भूख का यह संकट वैश्विक स्थिरता तोड़ देगा।

विनाश के बढ़ते साये में रिजनरेटिव कृषि सबसे बड़ी आशा बन चुकी है। यह केवल खेती की तकनीक नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलन की नई राह है। कवर क्रॉपिंग, फसल चक्रण, नो-टिल फार्मिंग, एग्रोफॉरेस्ट्री और प्रिसीजन फार्मिंग मिट्टी को फिर जीवंत बना रही हैं। स्वस्थ मिट्टी अधिक कार्बन सोखती है, कम पानी में बेहतर उत्पादन देती है और जलवायु संकट झेलने की क्षमता बढ़ाती है। माइक्रोबियल इनोकुलेशन और विविध फसल प्रणाली जैव विविधता मजबूत कर रही हैं। क्लाइमेट-स्मार्ट कृषि छोटे किसानों को मौसम पूर्वानुमान, सटीक सिंचाई और बेहतर बाजार से जोड़ रही है। शोध बताते हैं कि सूखे में भी रिजनरेटिव खेत पारंपरिक खेतों से अधिक उत्पादक रहे। यह संकेत है कि प्रकृति के साथ चलने वाली खेती केवल भोजन नहीं, भविष्य भी बचा सकती है।

समाधान केवल नई तकनीकों से नहीं निकलेगा, जब तक नीतियों और सामाजिक सोच में बदलाव नहीं आता। सरकारों को पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली सब्सिडी खत्म करनी होंगी और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय सहयोग, हरित कृषि कोष और तकनीकी ज्ञान का साझा उपयोग गरीब देशों को नई दिशा दे सकता है। उपभोक्ताओं की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है।

छोटे-छोटे निरंतर प्रयासों से खुलते बड़े सफलता के द्वार

संजीव ठाकुर

मानव जीवन संघर्ष, परिश्रम, धैर्य और निरंतर प्रयासों की एक लंबी कहानी है। संसार में जितने भी महान व्यक्ति हुए उनकी सफलता किसी एक दिन की चमत्कारी घटना नहीं थी, बल्कि वर्षों तक किए गए छोटे-छोटे सतत प्रयासों का बड़ा परिणाम थी। सफलता का कोई सुगम और सरल नहीं होता। वह धीरे-धीरे तपकर, गिरकर, संभलकर और निरंतर आगे बढ़ने से प्राप्त होती है। जिस प्रकार छोटी-छोटी बूंदें मिलकर विशाल सागर का निर्माण करती हैं, उसी प्रकार मनुष्य के छोटे-छोटे प्रयास जीवन में बड़ी उपलब्धियों का आधार बनते हैं। किसी शायर ने कहा है पानी की छोटी बूंदों ने बढ़कर समंदर बना दिया, छोटे-छोटे प्रयासों ने आदमी का मुकद्दर बना दिया।

आज का समय त्वरित परिणामों का समय माना जाता है। लोग चाहते हैं कि उन्हें बिना संघर्ष के तुरंत सफलता मिल जाए। किंतु प्रकृति का नियम है कि हर बड़ी उपलब्धि के पीछे लंबे समय तक किया गया श्रम और अनुशासन छिपा होता है। किसान बीज बोने के बाद प्रतिदिन उसकी देखभाल करता है। वह जानता है कि फसल एक दिन में नहीं उगेगी, परंतु यदि उसका प्रयास निरंतर रहेगा तो एक दिन खेत अवश्य लहलहाएगा। यही नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होता है।

महान वैज्ञानिक थॉमस अल्वा एडिसन ने बिजली के बल्ब का आविष्कार करने से पहले हजारों बार असफलताएँ झेली थीं। जब उनसे पूछा गया कि वे हजार बार असफल कैसे हुए, तब उन्होंने कहा कि मैं असफल नहीं हुआ, मैंने केवल हजार ऐसे तरीके खोजे जो काम नहीं करते। यह कथन हमें सिखाता है कि असफलता अंत नहीं होती, बल्कि सफलता की ओर बढ़ने का एक चरण होती है। यदि मनुष्य हर असफलता के बाद पुनः प्रयास करता रहे, तो अंततः सफलता उसके कदम चूमती है। इसी प्रकार महात्मा गांधी ने भी सत्य और अहिंसा के मार्ग पर निरंतर संघर्ष करते हुए भारत को स्वतंत्रता दिलाई। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ संकल्प और सतत प्रयास किसी भी बड़ी शक्ति को झुका सकते हैं। गांधीजी का प्रसिद्ध कथन है

यह कथन केवल राजनीतिक संघर्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में लागू होता है। जब कोई व्यक्ति किसी लक्ष्य के लिए लगातार मेहनत करता है, तो प्रारंभ में लोग उसका उपहास उड़ाते हैं, किंतु अंततः वही व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बन जाता है।भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक ए. पी. जे. अब्दुल कलाम का जीवन भी छोटे-छोटे प्रयासों की महान कहानी है। साधारण परिवार में जन्म लेने वाले कलाम साहब ने कठिन परिस्थितियों में समाचार पत्र बाँटे, पढ़ाई की और अपने सपनों को कभी मरने नहीं दिया। निरंतर परिश्रम और अनुशासन के बल पर वे "मिसाइल मैन" कहलाए और देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचे। उन्होंने कहा थासपना वह नहीं जो आप सोते समय देखते हैं, सपना वह है जो आपको सोने न दे। उनका यह विचार युवाओं को निरंतर प्रयास और लक्ष्य के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। केवल सपना देखने से सफलता नहीं मिलती, बल्कि उसके लिए प्रतिदिन कर्म करना पड़ता है।

मुखौटों का बाज़ार

डॉ. सुरेश कुमार

लाइब्रेरी की पुरानी लकड़ी की महक के बीच सुधीर चश्मा ठीक करते हुए एक पुरानी फाइल पलट रहे थे। सामने मिसेज खन्ना बैठी थीं, जो अपनी मखमली शॉल को बार-बार सहेज रही थीं। यहाँ न कोई फ्लैट था, न कोई युवा जोड़ा। यहाँ अनुभव की वे रेखाएँ थीं जो उम्र के साथ गहरी हो गई थीं।

सुधीर जी, क्या आपको नहीं लगता कि हम दोनों इस उम्र में एक 'एक्सपेरिमेंट' कर रहे हैं? मिसेज खन्ना ने अपनी चाय की चुस्की लेते हुए पूछा।

सुधीर ने सिर उठाया। उनकी मुस्कुराहट में व्यंग्य की एक महीन धार थी। एक्सपेरिमेंट? खन्ना जी, इस उम्र में तो लोग दवाइयों के कॉम्बिनेशन के साथ एक्सपेरिमेंट करते हैं। हम तो बस इस अकेलेपन के डर को 'लिव-इन' का आधुनिक लेबल लगाकर ढकने की कोशिश कर रहे हैं। मिसेज खन्ना थोड़ा झेंप गईं। दुनिया इसे प्रगतिशीलता कहेगी। हमने समाज के डर से शादी नहीं की, बस साथ रहने का फैसला किया। क्या यह हिम्मत की बात नहीं है?

हिम्मत और जरूरत के बीच एक बहुत बारीक धागा होता है, सुधीर ने फाइल बंद करते हुए कहा। हम प्रगतिशील नहीं, दरअसल हम स्वार्थी हो गए हैं। हम चाहते हैं कि सुबह की चाय के वक्त कोई सामने बैठा हो, पर हम यह नहीं चाहते कि उसकी वसीयत या उसकी बीमारियों की जिम्मेदारी हमारे कंधों पर आए। हमारा यह साथ उस नो-पार्किंग ज़ोन की तरह है, जहाँ गाड़ी खड़ी तो है, पर ड्राइवर इंजन बंद नहीं करता कि कभी भी भागना पड़ सकता है।

मिसेज खन्ना ने खिड़की के बाहर गिरती बर्फ को देखा। पर क्या यादें काफी नहीं हैं? हम एक-दूसरे के अतीत में दखल नहीं देते, यही तो इस रिश्ते की खूबसूरती है।

यही तो इसकी सबसे बड़ी विडंबना है, सुधीर का स्वर अब और भी गहरा हो गया था। बिना अधिकार के अनुराग कैसा? हम दोनों एक ही छत के नीचे रहते हैं, पर हमारे बीच का फासला उस सरकारी फाइल जैसा है जो एक टेबल से दूसरी टेबल तक पहुँचते-पूँछते दम तोड़ देती है। हम साथ तो हैं, पर वैसे ही जैसे किसी म्यूजियम में रखी दो मूर्तियाँ-पास-पास, पर संवाद शून्य। हमने समाज को तो जीत लिया, पर अपनी ही जड़ों से कट गए।

मिसेज खन्ना उठीं और अपना पर्स सँभाला। चलिए, घर चलते हैं। काफी ठंड हो गई है। सुधीर भी खड़े हो गए। उन्होंने कोट के बटन बंद किए और धीमी आवाज़ में बोले, घर? वह घर नहीं है खन्ना जी, वह बस एक 'को-वर्किंग स्पेस' है जहाँ हम साथ मिलकर बुढ़ापा काटने की कोशिश कर रहे हैं।

हम मरेंगे नहीं, हम तो बस धीरे-धीरे अपनी ही आदतों में सिमटते चले जाएँगे।

वे दोनों लाइब्रेरी से बाहर निकले और अलग-अलग दिशाओं से आती अपनी-अपनी टैक्सियों की ओर बढ़ गए।

उस शाम शिमला की बर्फ ने उनके पदचिह्नों को उतनी ही जल्दी ढक दिया, जितनी जल्दी वे एक-दूसरे की स्मृतियों से ओझल होने वाले थे। न कोई शोर हुआ, न कोई पछतावा-बस दो चलते-फिरते साये थे, जो भीड़ में खोने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र थे।

बौद्ध धर्म के बढ़ते प्रभाव के बीच बुद्ध कैसे बने विष्णु के अवतार?

हिंदू धर्म ग्रंथों, विशेषकर श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, भगवान विष्णु ने धर्म की रक्षा के लिए दस अवतार लिए हैं, जिनको दशावतार कहा जाता है। भगवान विष्णु के दशावतार में हर अवतार का एक उद्देश्य होता है, धर्म की रक्षा, संतुलन की बहाली, सृष्टि का पुनर्निर्माण। लेकिन एक अवतार बाकी से अलग है और वह भगवान बुद्ध। बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था और वह शाक्य वंश के राजकुमार थे। लेकिन उस राजकुमार ने सांसारिक चीजों का त्याग कर दिया, कर्मकांडों को नकारा और शक्ति के बजाय शांति को चुना। एक ऐसा शिक्षक, जिसने वेदों पर सवाल उठाए और देवताओं की सत्ता को ठुकराया और दुनिया को बताया कि वह कोई भगवान नहीं है। लेकिन फिर भी वह कैसे भगवान विष्णु के अवतार बन गए? क्या यह कोई दिव्य योजना थी या ऐतिहासिक बदलाव? इस अवतार से भारत की आध्यात्मिक भूमि में हिंदू धर्म और बौद्ध धर्म एक-दूसरे में घुल-मिल गए।

विचार पुराणों में शुरू हुआ, बुद्ध के जीवनकाल में नहीं

बुद्ध ने कभी खुद को ईश्वर नहीं बताया, ना ही उनके शुरुआती अनुयायियों ने उन्हें भगवान माना। कई शताब्दियों बाद, जैसे भागवत पुराण, अग्नि पुराण और गरुड़ पुराण में बुद्ध को भगवान विष्णु का नौवां अवतार बताया गया। इन ग्रंथों में भगवान विष्णु को बुद्ध का रूप धारण करते हुए दिखाया गया है ताकि जो वेद मार्ग से भटक गए हैं, उन्हें भ्रमित किया जाए। यह दर्शाता है कि कैसे ईश्वर भी लोगों को सत्य की ओर ले जाने के लिए भ्रम का सहारा ले सकता है।

बौद्ध धर्म के उदय ने हिंदू धर्म को खुद पर विचार करने को मजबूर किया

तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक के शासन में बौद्ध धर्म पूरे भारत और बाहर फैल गया, जिससे पारंपरिक ब्राह्मणवादी व्यवस्था के सामने चुनौती खड़ी हो गई थी। इसने कर्मकांड, जाति व्यवस्था और पुरोहितों की सत्ता पर सवाल उठाए, जो वेदों की मूल बातें थीं।

हिंदू दार्शनिकों ने बौद्ध धर्म का विरोध करने के बजाय उसे भगवान विष्णु की लीला का हिस्सा मान लिया। इससे हिंदू धर्म ने बौद्ध नैतिकता को अपनाया और अपनी धार्मिक निरंतरता को बनाए रखा। यह धर्म परिवर्तन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुकूलन था। भारतीय आध्यात्मिकता को बिना विभाजन के आगे बढ़ाने का तरीका।

विष्णु का काम है संरक्षण, हमेशा विजय नहीं

भगवान विष्णु के अवतार हमेशा जीतने के लिए नहीं बल्कि व्यवस्था बहाल करने के लिए आते हैं। बुद्ध का उद्देश्य, दुख का अंत और करुणा का प्रचार करना है। इसी पैटर्न में भगवान बुद्ध फिट बैठते हैं। जब दुनिया कर्मकांड और संघर्ष से थक चुकी थी, तब भगवान विष्णु का संरक्षण नया रूप लेता हैः ज्ञान की शांति। इतिहासकारों का तर्क है कि बुद्ध को विष्णु का अवतार घोषित करके हिंदू धर्म ने बौद्ध धर्म की विशिष्ट पहचान को कम कर दिया। इससे बौद्ध अनुयायियों के लिए वापस हिंदू धर्म की ओर मुड़ना आसान हो गया, क्योंकि उनके गुरु अब हिंदू देवता बन चुके थे।

बुद्ध ने कर्मकांड की अति पर नैतिक सुधार किया

भगवान बुद्ध के समय तक कई धार्मिक प्रथाएं यांत्रिक और हिंसक हो गई थीं, खासकर पशु बलि। उनके उपदेशों ने इन कर्मकांडों को चुनौती दी और इरादा, ध्यान और आंतरिक शुद्धता पर जोर दिया। हिंदू दृष्टिकोण से यह विष्णु का छुपा हुआ हस्तक्षेप था। धर्म को नष्ट करने के लिए नहीं, बल्कि मानवता को उसकी आत्मा की याद दिलाने के लिए। कुछ लोगों का मानना था कि बुद्ध का बलि का विरोध भगवान विष्णु का तरीका था रक्तपात खत्म करने और धर्म की नैतिकता बहाल करने का।

दर्शन के अनुसार, विष्णु की करुणा का प्रतीक हैं बुद्ध

भगवान विष्णु के हर अवतार में एक विशेष गुण होता हैः

रामजी कर्तव्य का प्रतीक हैं

कृष्णजी ज्ञान का प्रतीक हैं

भगवान बुद्ध करुणा और शांति का प्रतीक हैं

जहां पहले अवतारों ने युद्ध के जरिए संतुलन बहाल किया, बुद्ध ने भीतर की लड़ाई लड़ी, अज्ञान, लालच और मोह के खिलाफ। इससे उनका अवतार सभी का आध्यात्मिक शिखर बन जाता है, जहां दिव्यता समझती है कि मौन, शक्ति से ज्यादा उपचार कर सकता है।

धर्म से परे एक मिलन

समय के साथ बौद्ध धर्म भारत से लगभग गायब हो गया, लेकिन उसकी मूल्य-व्यवस्था बची रही। बाद के हिंदू विचारों में नैतिकता, दर्शन और करुणा के रूप में। अहिंसा, कर्म और ध्यान जैसे विचार दोनों धर्मों की साझा विरासत बन गए। बुद्ध को अवतार मानकर हिंदू धर्म ने सुनिश्चित किया कि उनकी विरासत इतिहास में कभी खो ना जाए। यह स्वामित्व नहीं, बल्कि यह मान्यता थी कि सत्य की कोई सीमा नहीं होती।

सुबह कन्या, दोपहर युवती, शाम वृद्धा

धारी देवी का अद्भुत रहस्य

धारी देवी मंदिर, मुख्य रूप से देवी काली को समर्पित मंदिर है, जो इस क्षेत्र में पूजनीय होने के साथ-साथ भारत के अन्य हिस्सों में भी ख्याति प्राप्त कर रहा है। धारी देवी मंदिर को 4 धाम का रक्षक भी कहा जाता है। चलिए जानते हैं इस मंदिर से जुड़ी और भी कई खास बातें, जो आपको देवी के दर्शन के लिए मजबूर कर देंगी।

कहां स्थित है मंदिर

उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में श्रीनगर और रुद्रप्रयाग के बीच कलियासौड़ में अलकनंदा नदी के किनारे धारी देवी मंदिर स्थित है। यह एक प्राचीन और रहस्यमयी मंदिर माना जाता है। धारी माता को देवी कालीसौर के रूप में भी जाना जाता है, जिनका आशीर्वाद पाने के लिए दूर-दूर के लोग इस पवित्र मंदिर के दर्शन करने आते रहे हैं। मंदिर के पास एक प्राचीन गुफा भी मौजूद है।

तीन बार रूप बदलती है मूर्ति

लोगों का मानना है कि मंदिर में स्थित धारी माता की मूर्ति एक दिन में तीन बार अपना रूप बदलती हैं। सुबह के समय वह एक छोटी बालिका के रूप में नजर आती हैं, दिन में उनका स्वरूप एक महिला की तरह नजर आता है और अंत में यानी शाम के समय वह एक बूढ़ी महिला के रूप में दिखाई देती हैं।

क्यों प्रसिद्ध है मंदिर

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कि एक बार भीषण बाढ़ से एक मंदिर बह गया और धारी देवी की मूर्ति धारो गांव के पास एक चट्टान के रुक गई थी। गांव वालों ने मूर्ति से विलाप की आवाज सुनाई सुनी और इस आवाज ने उन्हें मूर्ति स्थापित करने का निर्देश दिया। तब गांवों वालो ने मिलकर पुनः उसी स्थान पर माता की मूर्ति को स्थापित कर दिया। अन्य प्रचलित मान्यता के अनुसार, 2013 की केदारनाथ बाढ़ से ठीक पहले किसी काम के चलते मंदिर को स्थानांतरित किया गया था। स्थानीय लोगों का मानना है कि देवी के प्रकोप के कारण ही बाढ़ आई थी। बाद में उसी जगह पर फिर से मंदिर का निर्माण कराया गया और देवी की मूर्ति को स्थापित किया गया। इसलिए इस मंदिर की मान्यता इतनी अधिक है।

मंदिर की खासियत

धारी देवी मंदिर में देवी को 'उत्तराखंड की रक्षक देवी' और चारधामों की संरक्षक के रूप में पूजा जाता है।

इस मंदिर को 108 शक्ति स्थलों में से एक माना जाता है।

देवी धारी की मूर्ति का केवल ऊपरी आधा भाग (सिर) यहां पूजनीय है, जबकि निचला हिस्सा रुद्रप्रयाग के कालीमठ में पूजा जाता है। बिना धारी माता के दर्शन किए चार धाम की यात्रा अधूरी मानी जाती है। हर साल नवरात्रों के अवसर पर देवी कालीसौर को विशेष पूजा की जाती है।

क्या सच में द्रौपदी ने कहा था अंधे का बेटा अंधा?

सदियों पुरानी महाभारत के आज भी कई ऐसे हिस्से हैं, जो दुनिया के सामने नहीं आए हैं। आज भी लोगों में महाभारत को लेकर क्रेज बना हुआ है और उसके के हर एक किरदार के बारे में और जानना चाहता है। लेकिन क्या हो अगर द्रौपदी से जुड़ी सबसे मशहूर कहानी सच ही ना हो? सालों से लोग मानते आए हैं कि द्रौपदी के शब्दों ने महाभारत का युद्ध छेड़ा था। लेकिन अगर यही विश्वास असली अन्याय हो? अगर समय के साथ सच को बदल दिया गया हो ताकि सारा दोष द्रौपदी पर आ जाए? कई बार इतिहास सिर्फ लिखा नहीं जाता बल्कि उसे समाज की सुविधा के अनुसार ढाला भी जाता है। और जब ऐसा होता है तो असली कहानी धारणाओं के नीचे दब जाती है। इस सच्चाई को समझना द्रौपदी, उसकी ताकत और उसके बाद घटी घटनाओं को देखने का नजरिया पूरी तरह बदल सकता है।

वो झूठ, जिस पर आज भी समाज करता है यकीन

अक्सर लोग मानते हैं कि द्रौपदी ने दुर्योधन का अपमान करते हुए उसे अंधे का अंधा बेटा कहा था, लेकिन ये पंक्ति महर्षि वेदव्यास द्वारा लिखित मूल महाभारत में कहीं नहीं मिलती। ये बाद में जोड़ी गई बात है, जो धीरे-धीरे लोकप्रिय हो गई। इस कहानी में बदलाव से ध्यान द्रौपदी के साथ हुए अन्याय से हटकर उस पर ही दोष डालने की ओर चला जाता है। इससे ऐसा लगता है कि उसकी बेइज्जती उसके शब्दों की वजह से हुई, ना कि ये एक बड़ा अपराध था। असली समस्या बीते समय में नहीं, बल्कि इस बात में है कि समाज कहानियों को अपने हिसाब से बदलता है और बिना गहराई से सच जाने उन्हें मान लेता है।

जब चुप्पी बन गई असली अपराध

सबसे दर्दनाक सच यह है कि द्रौपदी के साथ जो हुआ, उसमें दोष सिर्फ करने वालों का नहीं, बल्कि उन सबका भी है जो चुप रहे। पांडव, जिन्हें उनकी ताकत और धर्म के लिए जाना जाता है, उस अहम पल में कुछ नहीं कर पाए। भीष्म और द्रोण जैसे महान योद्धा भी अपनी मान्यताओं और सीमाओं में बंधे खड़े रहे। ये कड़वी हकीकत दिखाती है कि अन्याय सिर्फ करने वालों से नहीं, बल्कि देखने वालों की चुप्पी से भी चलता है। चुप रहना भी गलत का साथ देना है। आज भी कई अन्याय इसलिए जारी हैं क्योंकि लोग हिम्मत दिखाने की बजाय चुप रहना पसंद करते हैं।

वो सवाल जिसने सबको हिला दिया

जब द्रौपदी को सभा में घसीटा गया, तो उसने ना तो हार मानी और ना ही चुप रही। टूटने की बजाय उसने एक ऐसा सवाल उठाया, जिसने वहां मौजूद सभी को झकझोर दिया। उसने युधिष्ठिर से पूछा कि जब वे खुद को हार चुके थे, तो उसे दांव पर कैसे लगा सकते थे। ये सवाल सिर्फ उसकी इज्जत का नहीं, बल्कि न्याय और तर्क का था। उसने उस धर्म की परिभाषा को चुनौती दी, जिसे सभा बचाने का दावा कर रही थी। उस पल में द्रौपदी पीड़िता से एक निडर आवाज बन गई। उसकी हिम्मत ने आसपास के ढोंग को उजागर कर दिया। आज भी उसका सवाल लोगों को अन्याय के खिलाफ बोलने और डर के बिना खड़े होने की प्रेरणा देता है।

एक कहानी जो आज भी दोहराई जाती है

आज भी जब किसी महिला के साथ गलत होता है, तो समाज सबसे पहले यही पूछता है कि उसने ऐसा क्या किया था। दोष जल्दी से पीड़िता पर डाल दिया जाता है। द्रौपदी की तरह, आज भी कई महिलाओं को मुश्किल वक्त में सहारा देने की बजाय जज किया जाता है। सवालों की जगह सहानुभूति ले लेती है और चुप्पी न्याय की जगह ले लेती है। ये पैटर्न दिखाता है कि सोच उतनी नहीं बदली, जितना हम मानते हैं। द्रौपदी की कहानी सिर्फ बीते समय की बात नहीं बल्कि आज की हकीकत भी है। आज भी हर एक सेकेंड में किसी द्रौपदी का चीर हरण किया जाता है और आज के दौर में किसी को कोई फर्क भी नहीं पड़ता।

आपको क्या सिखाती है यह कहानी

द्रौपदी की कहानी सिर्फ पीड़ा की नहीं बल्कि अंदर की ताकत जगाने की भी है। यह दिखाती है कि अन्याय के वक्त चुप रहना उसे और मजबूत बनाता है। उसकी हिम्मत हमें गलत के खिलाफ सवाल उठाने की याद दिलाती है, चाहे वो अपने ही क्यों ना हों। उसने चुपचाप बेइज्जती नहीं सही बल्कि साफ और सम्मान के साथ अपनी आवाज उठाई। ये सिखाता है कि आत्मसम्मान कोई और नहीं देता, उसे खुद बचाना पड़ता है।

क्या सेकंड हैंड सामान से खराब हो सकता है घर का वास्तु?

वास्तु शास्त्र के मुताबिक, हर वस्तु में ऊर्जा का संचार होता है। जब कोई व्यक्ति लंबे समय तक किसी चीज का इस्तेमाल करता है, तो उसकी भावनाएं, सोच और परिस्थितियां उस वस्तु से जुड़ जाती हैं। ऐसे में अगर वह वस्तु नकारात्मक परिस्थितियों में इस्तेमाल हुई हो, तो उसकी नकारात्मक ऊर्जा नए घर में भी प्रवेश कर सकती है।

दूसरों का इस्तेमाल किया हुआ बिस्तर

वास्तु के अनुसार, पलंग या बिस्तर सबसे निजी वस्तुओं में से एक है। इसमें सोने वाले व्यक्ति की ऊर्जा सबसे अधिक समाहित होती है। यदि पिछले मालिक का स्वास्थ्य खराब रहा हो या उसके वैवाहिक जीवन में तनाव रहा हो, तो वही ऊर्जा आपके जीवन में भी अशांति पैदा कर सकती है। पुराना बेड इस्तेमाल करने से अक्सर नींद में खलल, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और पति-पत्नी के बीच झगड़े होने की संभावना रहती है।

पुरानी घड़ियां

घड़ी को समय और भाग्य का प्रतीक माना जाता है। वास्तु के अनुसार, किसी दूसरे की घड़ी पहनना या घर में पुरानी घड़ी लगाना आपके विकास को रोक सकता है। यदि पिछले मालिक का समय खराब चल रहा था, तो उसका प्रभाव आपके जीवन की प्रगति पर भी पड़ सकता है। हमेशा कोशिश करें कि घर में नई और चालू घड़ी ही लगाएं।

पुराने कपड़े और जूते

अक्सर लोग दूसरों के पुराने कपड़े या जूते ले लेते हैं, लेकिन वास्तु और ज्योतिष के अनुसार यह सही नहीं है। फटे या पुराने जूते-चप्पल पहनने से कुंडली में शनि दोष बढ़ सकता है। कपड़ों के जरिए दूसरे व्यक्ति की बीमारियां या नकारात्मक ऊर्जा आपके शरीर और मन को प्रभावित कर सकती हैं।

सोफा और फर्नीचर

सोफा या कुर्सियां ऐसी चीजें हैं जिनका इस्तेमाल परिवार और बाहर के लोग लंबे समय तक करते हैं। वास्तु के अनुसार, उसे अपने घर में स्थान देने से आपके घर की बरकत रुक सकती है। लकड़ी ऊर्जा को जल्दी सोखती है, इसलिए पुराना फर्नीचर सोच-समझकर ही लें।

झाड़ू और सफाई का सामान

झाड़ू को मां लक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है। कभी भी किसी दूसरे की पुरानी झाड़ू न लें और न ही अपनी इस्तेमाल की हुई झाड़ू किसी को दें। पुरानी झाड़ू घर में लाने से दरिद्रता का वास होता है और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

अगर सेकंड हैंड सामान लेना जरूरी हो तो क्या करें?

शुद्धिकरण करें- घर लाने के बाद वस्तु को गंगाजल या नमक वाले पानी से साफ करें। इससे नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।

धूप-दीप दिखाएं- कपूर या अगरबत्ती जलाकर उस वस्तु को शुद्ध करें। धूप में रखें- कुछ समय तक वस्तु को धूप में रखने से उसकी ऊर्जा सकारात्मक होती है।

क्या सच में होता है असर?

वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखें सेकंड हैंड सामान लेना गलत नहीं है, लेकिन वास्तु के अनुसार कुछ वस्तुओं को लेकर सावधानी बरतना जरूरी है। खासकर वे चीजें जो सीधे आपके शरीर, मन और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी हैं, उन्हें नया ही लेना बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर सही नियमों का पालन किया जाए, तो आप अपने घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखते हुए समझदारी से पुरानी चीजों का भी उपयोग कर सकते हैं।

भविष्य की चिंता क्यों छीन लेती है वर्तमान की खुशी, जानें रबींद्रनाथ टैगोर की सीख

गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर का एक शिष्य उनके पास आया। वह परेशान दिख रहा था। गुरुदेव ने शिष्य से आने का कारण पूछते हुए कहा, 'बहुत परेशान लग रहे हो। उसने कहा, हां गुरुदेव मैं बहुत दुखी हूं। रात भर मुझे नींद नहीं आई। मन में चिंतन चलता रहा। गुरुदेव ने कहा कि अपनी चिंता का कारण बताओ।

शिष्य ने कहा, 'गुरुदेव, मेरे अंदर यह चिंतन चलता रहा कि जब एक दिन संसार की सभी आत्माओं को जन्म-मरण से छुटकारा मिल जाएगा तो फिर क्या होगा? प्रश्न सुनकर गुरुदेव बोले, 'पुत्र, तुम्हारा प्रश्न भविष्य से संबंध रखता है। भविष्य बड़ा रहस्यपूर्ण है। यह संसार बड़ा विशाल है। परिवर्तन ही संसार का नियम है। एक दिन ऐसा आएगा-इस संभावना में भ्रम है, अज्ञान है, जबकि संतोष ही हमारे मन का बल है। हम वर्तमान में संतोष प्राप्त करें। बाकी सब कुछ तो रहस्य है। इसलिए भविष्य की चिंता छोड़ दो। मनुष्य की असली चुनौती भविष्य को भेदकर उसके गर्भ में पलते रहस्य तक पहुंचना नहीं, बल्कि वर्तमान में जीने की कला सीखना है।

जीवन का उद्देश्य समझने और उसे साधने की कुंजी इसी वर्तमान में छिपी है, भविष्य में नहीं। शिष्य को उसके संदेह का समाधान मिल गया था। अब वह समझ गया था कि भविष्य की चिंता करते हुए वर्तमान को बिगाड़ लेना बुद्धिमानी नहीं है। वह संतुष्ट होकर गुरुदेव के पास से लौटा।

परिस्थितियों का सही आकलन करने से हमारा भ्रम दूर होता है और हम सही निर्णय ले पाते हैं

वर्तमान में जो कुछ भी हमारे आसपास घटित हो रहा है, उसके लिए सजग रहना चाहिए। वास्तविकता को समझने और स्वीकार करने से जीवन में संतुलन बना रहता है। हर परिस्थिति में केवल अच्छा देखने की अपेक्षा, सत्य को उसी रूप में समझना अधिक महत्वपूर्ण है। यथार्थवादी व्यक्ति परिस्थितियों का सही आकलन करता है, सही निर्णय लेता है और भ्रम में नहीं जीता। सकारात्मकता प्रेरणा दे सकती है, लेकिन यथार्थवाद जीवन को स्थिरता और स्पष्ट दृष्टि प्रदान करता है। इसलिए जीवन में सकारात्मक होने के साथ-साथ यथार्थवादी होना भी जरूरी है।

कृति सेनन बोलीं- बॉलीवुड में अब भी पुरुषों का दबदबा

महिला कलाकार बराबर मेहनत करती हैं , फिर भी फीस में बड़ा अंतर

बॉलीवुड में एक्टर्स की फीस और बढ़ते प्रोडक्शन कॉस्ट को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। अब एक्ट्रेस और प्रोड्यूसर कृति सेनन ने भी इंडस्ट्री में मौजूद जेंडर पे गैप और पैट्रिआर्की पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि आज भी फिल्मों में बजट कम पड़ने पर सबसे पहले एक्ट्रेस की फीस कम की जाती है, जबकि मेल स्टार्स की फीस पर ज्यादा असर नहीं पड़ता।

बॉलीवुड में पैट्रिआर्की अब भी गहराई से मौजूद है। उनके मुताबिक, फीमेल-लीड फिल्मों को लेकर मेकर्स आज भी रिस्क लेने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसी फिल्में मेल-लीड फिल्मों जितना बिजनेस नहीं कर पाएंगी।

कृति ने सवाल उठाया कि जब मेहनत दोनों कलाकार बराबर करते हैं तो फीस में इतना बड़ा फर्क क्यों होता है। एक्ट्रेस ने यह भी बताया कि कई बार फिल्म का बजट कंट्रोल करने के नाम पर एक्ट्रेसेस से फीस कम करने को कहा जाता है। वहीं बड़े मेल स्टार्स की फीस और उनकी डिमांड्स पर कम सवाल उठते हैं। इंडस्ट्री में बढ़ती स्टार फीस और एंटूराज कॉस्ट को लेकर पहले भी कई फिल्ममेकर चिंता जता चुके हैं।

कृति ने पहले भी कहा था कि सितारों के साथ चलने वाले लोगों और दूसरी गैरजरूरी चीजों पर बहुत खर्च होता है, जबकि ध्यान फिल्म की कहानी पर होना चाहिए। उन्होंने कहा था कि किसी किरदार की जरूरत के हिसाब से खर्च समझ आता है, लेकिन कई बार लग्जरी और गैरजरूरी खर्च भी प्रोड्यूसर्स पर डाल दिए जाते हैं। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा था कि एक स्टार के लिए दो कुक और एक शेफ रखना जरूरत से ज्यादा है।

अब प्रोड्यूसर बनने के बाद कृति इंडस्ट्री के आर्थिक दबाव को और करीब से समझ रही हैं। उनका कहना है कि वे ऐसी फिल्में बनाना चाहती हैं जहां कंटेंट और टैलेंट को प्राथमिकता मिले, न कि सिर्फ स्टार सिस्टम को।

सोशल मीडिया पर भी कृति के बयान को लेकर बहस छिड़ गई है। कई यूजर्स ने उनके बयान का समर्थन किया, जबकि कुछ लोगों ने सवाल उठाए कि इंडस्ट्री में बदलाव की शुरुआत बड़े कलाकारों को खुद करनी चाहिए।

हॉलीवुड में छाने को तैयार दिशा पाटनी, 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' से करेंगी अंतरराष्ट्रीय सफर की शुरुआत

बॉलीवुड कलाकारों ने अंतरराष्ट्रीय फिल्मों और वेब सीरीज की दुनिया में अपनी खास जगह बनानी शुरू कर दी है। प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और आलिया भट्ट के बाद अब अभिनेत्री दिशा पाटनी भी ग्लोबल मंच पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। उनकी पहली इंटरनेशनल मूवी 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। ट्रेलर में वह एक्शन करती नजर आ रही हैं। फिल्म 'द पोर्टल ऑफ फोर्स' एक बड़ी काल्पनिक और रहस्यमयी दुनिया में ले जाती है। यह 'स्टेटिगाड्र्स वर्सेज होलीगाड्र्स' नाम की नई फिल्म सीरीज की पहली मूवी है। इस कहानी को ला डो ओखोटनिकोव ने तैयार किया है।

फिल्म में दो प्राचीन शक्तियों के बीच संघर्ष दिखाया गया है। एक पक्ष दुनिया में नियम और संतुलन बनाए रखने की बात करता है, जबकि दूसरा पक्ष अलग सोच और अलग रास्ते पर चलता है। इसी संघर्ष के बीच दिशा पाटनी का किरदार जेसिका सामने आता है, जो पूरी कहानी का सबसे अहम हिस्सा है। फिल्म में जेसिका को एक ऐसी लड़की के रूप में दिखाया गया है, जिसका संबंध दोनों विरोधी पक्षों से है।

वह दोनों गुटों के लीडर की बेटी है। यही वजह है कि उसे दो अलग-अलग दुनियाओं के बीच एक पुल माना जा रहा है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि दुनिया का भविष्य उसी के फैसले पर निर्भर होता है।

ट्रेलर में कई ऐसे सीन्स हैं, जहां जेसिका अपनी शक्तियों को समझने और उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश करती है। उसके सामने सिर्फ दुश्मनों से लड़ने की चुनौती नहीं होती, बल्कि खुद को पहचानने और सही रास्ता चुनने की भी बड़ी जिम्मेदारी होती है।

ट्रेलर में दिशा पाटनी का एक्शन अवतार सबसे ज्यादा ध्यान खींचता है। वह कई खतरनाक लड़ाई वाले सीन्स में नजर आती हैं। कभी तलवारों के साथ, तो कभी र ह स्य म यी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए दिशा दिखाई देती हैं।

इस फिल्म की एक और खास बात इसकी स्टार कास्ट है। दिशा पाटनी के साथ फिल्म में हॉलीवुड के कई बड़े कलाकार भी नजर आएंगे। इनमें केविन स्पेसी, डॉल्फ लुंडग्रेन और टायरेस गिब्सन जैसे नाम शामिल हैं।

दिशा पाटनी ने इस फिल्म को लेकर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ₹मैं लंबे समय से इस ट्रेलर के रिलीज होने का इंतजार कर रही थी। पहली इंटरनेशनल मूवी में काम करना मेरे लिए एक साथ रोमांचक और डराने वाला अनुभव रहा। अलग-अलग देशों के कलाकारों के साथ काम करते हुए मुझे काफी कुछ सीखने को मिला।

दिशा ने कहा, मुझे हमेशा से एक्शन फिल्मों में काम करना पसंद रहा है। बॉलीवुड में मैंने जो अनुभव हासिल किया, अब उसे ग्लोबली दिखाने का मौका मिला है। यह मेरे करियर का बेहद खास पल है।

अमीषा पटेल ने बॉलीवुड के 'फेक पीआर' पर तंज कसा कहा- 2 फिल्में करने से कोई स्टार नहीं बनता

एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने बॉलीवुड में बढ़ते पीआर कल्चर और नई पीढ़ी के स्टार्स पर निशाना साधते हुए सोशल मीडिया पर कई पोस्ट शेयर किए। शनिवार को एक्स पर अमीषा ने सबसे पहले नेगेटिव कंटेंट बनाने वाले यूट्यूबर्स को लेकर लिखा, 'कभी भी उन कुछ नेगेटिव यूट्यूबर्स की बातों से दुखी या परेशान मत होइए, जो हर सुबह स्टार्स की आलोचना और नेगेटिव बातें करने के लिए उठते हैं। हम स्टार्स को उनसे परेशान होने के बजाय उनके लिए खुश होना चाहिए। आखिर हमारी बुराई करके ही उनका घर चल रहा है। हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं।'

इसके बाद अमीषा ने दूसरे ट्वीट में लिखा, 'खुद को सुपरस्टार तभी कहिए, जब आपने ऐसा काम किया हो, जिसने इतिहास बनाया हो और बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचाया हो। उससे पहले खुद को सुपरस्टार कहलवाने के लिए PR गेम खेलना बंद कीजिए। सॉरी, लेकिन यही कड़वी सच्चाई है।'

अगले ट्वीट में अमीषा ने लिखा, 'कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं, जिन्होंने आज तक अपने करियर में एक भी सोलो ब्लॉकबस्टर नहीं दी, फिर भी खुद को स्टार कहती हैं। साल में 2 एवरेज फिल्में करने और कुछ शूटिंग सेट्स पर मौजूद रहने से कोई स्टार नहीं बन जाता। उससे आप सिर्फ एक एक्टर बनते हैं, जो किसी प्रोजेक्ट का हिस्सा होता है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'ज्यादातर ऐसी एक्ट्रेसेस, जिनकी आज तक एक भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ तक नहीं पहुंची, वो अपनी पीआर टीम से खुद को नंबर 1 और नंबर 2 कहलवा रही हैं। सच में? ये 2026 है, 2000 नहीं। आज के समय में 100 करोड़ कोई बड़ी बात नहीं है।'

पीआर मशीनरी को लेकर एक्ट्रेस ने लिखा, 'कोई स्टार तभी ग्लोबल सुपरस्टार बनता है, जब वह दुनिया भर में बड़ी हिट फिल्में दे। किसी भी प्रोजेक्ट का हिस्सा बनना हर एक्टर के लिए अच्छी बात होती है, चाहे वह दुनिया में कहीं भी हो, लेकिन सुपरस्टार वही बनता है, जिसने बड़े हिट दिए हों। इसलिए PR मशीनरी बंद कीजिए।'

अपनी फिल्मों का जिक्र करते हुए अमीषा ने लिखा, 'कहो ना... प्यार है, गदरः एक प्रेम कथा और गदर 2... एक नहीं, बल्कि बतौर हीरोइन मैंने 3 सबसे बड़ी सोलो ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन तीनों फिल्मों की फुटफॉल भी सबसे ज्यादा रही। आज तक ये मेरे को-स्टार्स के करियर की भी सबसे बड़ी हिट फिल्मों में गिनी जाती हैं, लेकिन बाकी एक्ट्रेसेस की तरह मेरी फेक पीआर मशीनरी इतनी मजबूत नहीं है।'

अमीषा ने पोस्ट में गदर 3 को लेकर भी संकेत दिए। उन्होंने लिखा, 'गदर 3 जरूर आएगी और जब आएगी, तो थिएटर्स में जबरदस्त हंगामा मच जाएगा। ऑडियंस के प्यार और भगवान के आशीर्वाद से गदर 3 जैसी फ्रेंचाइजी के लिए 500 करोड़ तो सिर्फ शुरुआत है। इस बार फिल्म का स्केल और कहानी पहले से भी ज्यादा बड़ी और धमाकेदार होगी। तैयार रहिए।' वर्कफ्रंट की बात करें तो 'भैयाजी सुपरहिट' के बाद फिल्मों में 5 साल बाद वापसी करते हुए अमीषा गदर 2 में नजर आई थीं। 'गदर 2' ने बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई की थी।

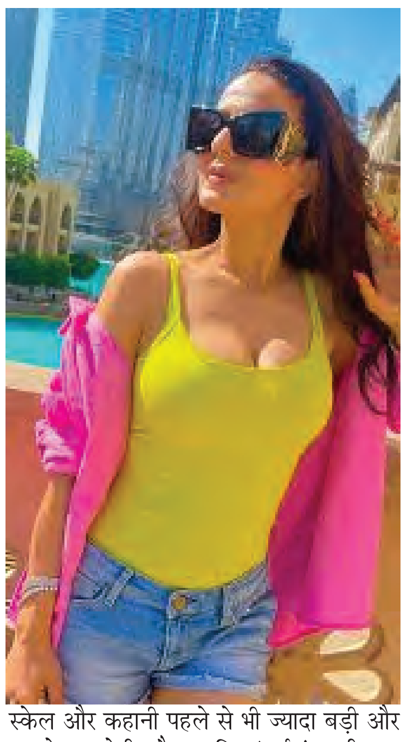

धुरंधर की मेकअप आर्टिस्ट ने बदला सलमान का लुक

ईद 2027 की फिल्म में दिखेंगे एक्टर के कई दमदार और अनदेखे अवतार

सलमान खान एक बार फिर बड़े पर्दे पर दमदार वापसी की तैयारी में हैं। इस बार चर्चा सिर्फ उनकी नई फिल्म की नहीं, बल्कि उनके जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन की भी हो रही है। खबर है कि सलमान के नए लुक के पीछे वही नाम है, जिसने हाल ही में धुरंधर में अपने मेकअप और प्रोस्थेटिक्स से लोगों को चौंका दिया था।

निर्माता दिल राजू और निर्देशक वामशी पेडिपल्ली की अपकमिंग एक्शन एंटरटेनर के लिए मेकर्स ने मशहूर मेकअप आर्टिस्ट प्रीतिशील सिंह को टीम में शामिल किया है। प्रीतिशील सिंह वही आर्टिस्ट हैं, जिनके काम की 'धुरंधर' में काफी तारीफ हुई थी। अब उन्होंने सलमान खान के लिए भी ऐसा लुक तैयार किया है, जिसे पहले कभी स्क्रीन पर नहीं देखा गया।

सूत्रों की मानें तो फिल्म में सलमान खान कई अलग-अलग अवतारों में नजर आएंगे। इन लुक्स को बेहद डिटेलिंग के साथ डिजाइन किया गया है, ताकि हर किरदार और एक्शन सीक्वेंस में उनका स्क्रीन प्रेजेंस अलग दिखाई दे। सलमान खुद भी अपने इस मेकओवर से काफी खुश बताए जा रहे हैं और फिल्म को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं।

फिल्म में सलमान के साथ साउथ स्टार नयनतारा नजर आएंगी। दोनों पहली बार स्क्रीन शेयर करेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शूटिंग के दौरान दोनों की केमिस्ट्री काफी अच्छी देखने को मिल रही है और मेकर्स को उम्मीद है कि यह फ्रेश जोड़ी दर्शकों को पसंद आएगी।

फिल्म की शूटिंग फिलहाल मुंबई में चल रही है। हालांकि अभी तक फिल्म के टाइटल का ऑफिशियल ऐलान नहीं हुआ है। इस फिल्म को अस्थायी नाम SVC63 दिया गया है, लेकिन कहा जा रहा है कि अगले दो हफ्तों में इसका टाइटल लॉन्च वीडियो रिलीज किया जाएगा। मेकर्स को भरोसा है कि फिल्म का टाइटल और सलमान का नया लुक सोशल मीडिया पर बड़ा चर्चा का विषय बनेगा। दिल राजू के प्रोडक्शन में बन रही यह फिल्म ईद 2027 के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा, कनाडा में करेंगी धमाकेदार परफॉर्मेंस

बॉलीवुड की डांसिंग सेंसेशन और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' के ओपनिंग सेरेमनी में अपनी परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरती नजर आएंगी। यह सेरेमनी कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित होगी। नोरा का इस बड़े मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए गर्व की बात है। 'फीफा वर्ल्ड कप 2026' की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के मशहूर बीएमओ फील्ड स्टेडियम में होगी।

इस खास मौके पर नोरा फतेही के साथ कई बड़े इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार्स भी परफॉर्म करेंगे। इस लिस्ट में माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अमेरिका में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे बड़े इंटरनेशनल स्टार्स मंच संभालेंगे।

इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का एक बड़ा उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी देश की संस्कृति और विविधता को दुनिया के सामने पेश करेगी। समारोह की शुरुआत कनाडा की अलग-अलग खूबसूरत जगहों और वहां की परंपराओं को दिखाने वाले खास प्रस्तुतीकरण से होगी। इसके जरिए दुनिया भर से आए लोगों का स्वागत किया जाएगा। आयोजकों का कहना है कि यह समारोह एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने इस समारोह को लेकर कहा, ''टोरंटो में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फीफा वर्ल्ड कप को लेकर लोगों के उत्साह को पेश करेगी।

संगीत, संस्कृति और शानदार परफॉर्मेंस के जरिए पूरी दुनिया का स्वागत किया जाएगा। यह पल कनाडा के लिए गर्व, एकता और उत्साह का प्रतीक होगा, क्योंकि देश पहली बार फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर इतनी बड़ी भूमिका निभा रहा है।''

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे। ये मैच 16 अलग-अलग होस्ट शहरों में आयोजित होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मेक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा। दुनियाभर के फुटबॉल फैंस इस मेगा इवेंट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

इम्तियाज अली के निर्देशन में निखरीं शरवरी वाघ 'मस्कारा' को लेकर साझा किए बीटीएस पल

अभिनेत्री शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'क्या कमाल है' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री 'जिया' नाम का एक बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण किरदार निभा रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया गाना 'मस्कारा' रिलीज हुआ है, जिसमें शरवरी का अंदाज पुराने दौर की बॉलीवुड हीरोइनों के रोमांस की याद दिला रहा है। शरवरी ने इंस्टाग्राम पर गाने की शूटिंग के बीटीएस पल शेयर किए। इस पोस्ट में शरवरी ने इम्तियाज अली के साथ अपने काम करने के अनुभव को बयां करते हुए लिखा, इम्तियाज अली सर और मैं इस एहसास को 'किस-मिस यारा' कहते थे। यह एक मजेदार बनाया गया शब्द है, जो पहली बार प्यार में पड़ने वाली उस मीठी और हल्की सी गुदगुदाहट को महसूस कराता है।

अभिनेत्री ने आगे लिखा, मेरा किरदार 'जिया' अपनी जिंदगी में कई बार इसी 'किस-मिस' वाले एहसास से गुजरती है। गाने में मेरा नटखट और शरारती अंदाज दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है।

शरवरी ने अपनी पोस्ट में इम्तियाज अली की जमकर तारीफ की। उन्होंने बताया कि किस तरह निर्देशक ने उन्हें अपनी परफॉर्मेंस की उन बारीकियों को समझने में मदद की, जिनसे वह खुद भी अनजान थीं। उन्होंने लिखा, मैंने सिर्फ आपको देखकर ही भावनाओं और कहानी कहने के तरीके के बारे में बहुत कुछ सीखा है। मुझ पर भरोसा करने और हर पल मेरा मार्गदर्शन करने के लिए मैं आपकी हमेशा आभारी रहूंगी।

'मस्कारा' गाने में शरवरी का लुक काफी क्लासी रखा गया है। गाने में उनका नटखट और शरारती अंदाज भी देखने को मिलता है।

'मस्कारा' गाना अपनी रोमांटिक धुन और शानदार केमिस्ट्री के लिए सोशल मीडिया पर छा गया है। इस गाने को वेदांग रैना और नीलांजना घोष दस्तीदार ने अपनी आवाज दी है। इसका संगीत दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने दिया है, जबकि बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

गाने के वीडियो में वेदांग रैना और शरवरी वाघ की जोड़ी नजर आ रही है, जिनकी मासूम प्रेम कहानी और केमिस्ट्री को काफी पसंद किया जा रहा है। 'मस्कारा' एक सॉफ्ट रोमांटिक गाना है, जो जवानी के दिनों के प्यार, मासूम शरारत और जज्बातों को खूबसूरती से दिखाता है। फिल्म में शरवरी का किरदार 'जिया' और वेदांग रैना का किरदार 'कीनू' समय और दूरी से आकार लिए हुए प्यार को दर्शाते हैं।

विकल्पहीनता से बचें, हरदम तैयार रखें 'प्लान बी' तनाव से बचने का यही है सबसे आसान तरीका

चाहे आप छात्र हों, व्यवसायी हों या नौकरी पेशेवर, जीवन में कई बार आपको ऐसे संवादों में शामिल होना पड़ता है, जो आपके लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यह नौकरी का इंटरव्यू हो सकता है, किसी व्यक्ति से सौदे की बातचीत हो सकती है या आपके बॉस के साथ कोई संवाद।

ऐसे कूटनीतिक किस्म के संवादों में समस्या तब आती है, जब आपके पास 'प्लान बी' न हो, यानी यदि यह अवसर हाथ से निकल जाए, तो तुरंत कोई और विकल्प न दिखे। ऐसी स्थिति में व्यक्ति पर मानसिक दबाव बढ़ जाता है और उसे डर महसूस होने लगता है।

छोटे विकल्प तैयार रखें

आपके पास हमेशा कोई बड़ा या उपयुक्त विकल्प होना जरूरी नहीं होता, बल्कि कई बार छोटे-छोटे विकल्प भी आपकी स्थिति को मजबूत बना देते हैं। अगर आप पूरी तरह किसी एक व्यक्ति या संस्था पर निर्भर हैं, तो एक छोटी-सी वैकल्पिक व्यवस्था भी आपको सहारा दे सकती है। इससे सामने वाले को संकेत मिलता है कि आप पूरी तरह उस पर निर्भर नहीं हैं, और यही बात उसे अपनी शर्तों में लचीलापन दिखाने के लिए प्रेरित कर सकती है।

डर को हावी न होने दें

जब हमें लगता है कि हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है, तो हम डर की वजह से जल्दबाजी में गलत निर्णय ले लेते हैं। ऐसे समय में जरूरी है कि आप शांत रहें; हो सकता है कि सामने वाला भी किसी न किसी रूप में आप पर निर्भर हो। यदि आप केवल अपनी कमजोरियों पर ध्यान देंगे, तो सही निर्णय नहीं ले पाएंगे। इसलिए एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना बेहद जरूरी है।

तुरंत 'हां' या 'ना' न कहें

इस दौरान तुरंत 'हां' या 'ना' कहना जरूरी नहीं होता। कई बार समय लेना ही सबसे प्रभावी रणनीति होती है। आप सामने वाले से सोचने के लिए समय मांग सकते हैं और इस स्थिति का शांतिपूर्वक विश्लेषण कर सकते हैं। साथ ही, आप ऐसे छोटे-छोटे कदम भी उठा सकते हैं, जो बिना पूर्ण सहमति के ही आपकी स्थिति को मजबूत बनाएं। यह प्रक्रिया आपको धीरे-धीरे एक बेहतर और मजबूत स्थिति में पहुंचाने में मदद कर सकती है।

कई बार छोटे-छोटे विकल्प भी आपकी स्थिति को मजबूत बना सकते हैं।

ऐसी स्थिति में आप शांत रहें और यह समझें कि सामने वाला भी आप पर किसी न किसी रूप में निर्भर हो सकता है।

तुरंत 'हां' या 'ना' कहने के बजाय स्थिति का विश्लेषण करें।

अपनी बात को सहज भाव से रखें, ताकि टकराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

बात को सहज भाव से रखें

इसमें संवाद का तरीका बेहद महत्वपूर्ण होता है। सामने वाले से धमकी भरे अंदाज में बात करने के बजाय अपनी बात को शांत और सहज तरीके से रखना बेहतर होता है, ताकि टकराव की स्थिति न बने और बातचीत नियंत्रण में रहे। आप यह कह सकते हैं कि इस परिस्थिति में आपको अन्य विकल्पों पर भी विचार करना पड़ सकता है। साथ ही, अपनी बात को तर्कसंगत ढंग से भी रखा जा सकता है।

हर 10 में से 1 छात्र क्यों छोड़ रहा स्कूल?

नीति आयोग की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

नीति आयोग की 2026 रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है. भारत में सेकेंडरी स्तर पर हर 10 में से 1 छात्र स्कूल छोड़ रहा है. जानिए किन राज्यों में ड्रॉपआउट सबसे ज्यादा है और किन राज्यों ने सुधार की मिसाल पेश की है.

स्कूल की ड्रेस, कंधे पर बैग और बड़े सपने... हर बच्चे की शुरुआत कुछ ऐसी ही होती है. लेकिन देश में लाखों बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल की इस यात्रा को बीच में ही छोड़ दे रहे हैं.

नीति आयोग की मई 2026 में जारी स्कूल एजुकेशन सिस्टम इन इंडिया रिपोर्ट ने शिक्षा व्यवस्था की एक बड़ी चिंता सामने रखी है. रिपोर्ट के मुताबिक सेकेंडरी यानी 9वीं-10वीं स्तर पर ड्रॉपआउट रेट सबसे ज्यादा दर्ज किया गया है. अच्छी बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में इसमें सुधार हुआ है, लेकिन 2024-25 में भी राष्ट्रीय औसत 11.5 प्रतिशत दर्ज किया गया. यानी हर 10 में से करीब 1 छात्र स्कूल छोड़ रहा है.

किन राज्यों में हालात ज्यादा खराब?

राज्यवार आंकड़े देखें तो कई राज्यों की तस्वीर चिंता बढ़ाने वाली है. सबसे ज्यादा सेकेंडरी ड्रॉपआउट वेस्ट बंगाल में 20 प्रतिशत दर्ज किया गया. इसके बाद अरुणाचल प्रदेश और कनार्टक में 18.3 प्रतिशत, असम में 17.5 प्रतिशत और मिजोरम व मेघालय में 17.4 प्रतिशत ड्रॉपआउट दर्ज किया गया. इसके अलावा गुजरात में 16.9 प्रतिशत, एमपी में 16.8 प्रतिशत और लद्दाख में 16.2 प्रतिशत छात्रों ने सेकेंडरी स्तर पर पढ़ाई छोड़ी. यह आंकड़े बताते हैं कि उच्च कक्षाओं में बच्चों को बनाए रखना अभी भी बड़ी चुनौती है.

कौन से राज्य बने मिसाल?

कुछ राज्यों ने इस मामले में शानदार काम भी किया है. चंडीगढ़ में ड्रॉपआउट रेट सिर्फ 2 प्रतिशत रहा. झारखंड में यह 3.5 प्रतिशत, लक्ष्यदिप में 4.1 प्रतिशत, उत्तराखंड में 4.6 प्रतिशत और केरलम में 4.8 प्रतिशत दर्ज किया गया. ये दिखाता है कि सही नीतियों और मजबूत स्कूल सपोर्ट सिस्टम से बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखा जा सकता है. विशेषज्ञों का मानना है कि स्थानीय स्तर पर शिक्षा योजनाओं की मजबूती और परिवारों की भागीदारी से ऐसे नतीजे संभव हुए हैं.

बच्चे स्कूल क्यों छोड़ रहे हैं?

रिपोर्ट बताती है कि सेकेंडरी स्तर पर आर्थिक दबाव, जल्दी नौकरी करने की मजबूरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और संस्थागत सहयोग की कमी बड़ी वजह बन रही है. हालांकि कई राज्यों ने शानदार सुधार भी दिखाया है. उडिसा में ड्रॉपआउट 49.5 प्रतिशत से घटकर 15 प्रतिशत हो गया.

झारखंड में 23.2 प्रतिशत से 3.5 प्रतिशत, नागालैंड में 35.1 प्रतिशत से 12.1 प्रतिशत, बिहार में 25.3 प्रतिशत से 6.9 प्रतिशत और राजस्थान में 18.8 प्रतिशत से 7.7 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई. इससे साफ है कि सुधार हो रहा है, लेकिन अभी लंबा रास्ता बाकी है.

यूपीएससी ने निकाली ग्रुप ए और बी के पदों पर भर्ती, 29 मई तक करें आवेदन

संघ लोक सेवा आयोग ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में ग्रुप ए और ग्रुप बी राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। इस भर्ती अभियान के तहत कुल 45 रिक्त पदों पर योग्य उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन मांगे गए हैं। आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और उम्मीदवार 29 मई 2026 शाम 6 बजे तक आवेदन कर सकते हैं।

किन पदों पर निकली भर्ती?

यूपीएससी की इस भर्ती में कई महत्वपूर्ण पद शामिल हैं। इनमें केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय में सहायक पुस्तकालय एवं सूचना अधिकारी (कन्नड़ भाषा), कॉलेज ऑफ मिलिट्री इंजीनियरिंग पुणे में एसोसिएट प्रोफेसर और असिस्टेंट प्रोफेसर, रक्षा मंत्रालय में अनुवादक (चीनी और तिब्बती), डीआरडीओ में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-II, भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खनन अभियंता और सहायक अनुसंधान अधिकारी, तथा लद्दाख प्रशासन में लेखा अधिकारी जैसे पद शामिल हैं। सबसे अधिक 29 पद डीआरडीओ में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ग्रेड-II के लिए निर्धारित किए गए हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इन पदों के लिए उम्मीदवारों के पास किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय या संस्थान से संबंधित विषय में ग्रेजुएशन या निर्धारित शैक्षणिक योग्यता होना जरूरी है। कुछ पदों के लिए संबंधित क्षेत्र में अनुभव और विशेष कौशल भी मांगे गए हैं।

आयु सीमा

उम्मीदवारों की अधिकतम आयु पद अनुसार 30 वर्ष से 45 वर्ष तक निर्धारित की गई है। आयु की गणना आवेदन की अंतिम तिथि के आधार पर होगी। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को सरकारी नियमों के अनुसार आयु सीमा में छूट दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

भर्ती प्रक्रिया में उम्मीदवारों की शॉर्टलिस्टिंग, भर्ती परीक्षा (यदि आयोजित की जाए), पर्सनल इंटरव्यू और अंतिम मेरिट सूची शामिल होगी। चयनित उम्मीदवारों को वेतनमान स्तर 7 से 10 और अकादमिक स्तर 10 से 13A1 के तहत सैलरी दी जाएगी।

आवेदन कैसे करें?

यूपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

संबंधित भर्ती लिंक पर क्लिक करें।

रजिस्ट्रेशन करके लॉगिन करें।

आवेदन फॉर्म में मांगी गई जानकारी भरें।

जरूरी दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करें।

फॉर्म सबमिट करके उसका प्रिंटआउट सुरक्षित रख लें।

उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि आवेदन करने से पहले संबंधित पद की विस्तृत अधिसूचना जरूर पढ़ लें ताकि पात्रता और अन्य शर्तों की सही जानकारी मिल सके।

यूपी में बीएड छात्रों के लिए 20 हफ्ते की इंटर्नशिप अनिवार्य पहले और दूसरे साल के लिए जारी हुआ नया शेड्यूल

बैचलर ऑफ एजुकेशन यानी बीएड कोर्स को लेकर उत्तर प्रदेश में बड़ा बदलाव किया गया है. अब दो साल के बीएड पाठ्यक्रम में पढ़ने वाले छात्रों के लिए 20 हफ्ते की इंटर्नशिप जरूरी होगी. नए नियम के अनुसार पहले वर्ष में 4 सप्ताह और दूसरे वर्ष में 16 सप्ताह की इंटर्नशिप करनी होगी. इस दौरान बीएड छात्र स्कूलों में जाकर बच्चों को पढ़ाएंगे और शिक्षण का अनुभव हासिल करेंगे. उच्च शिक्षा विभाग ने इस संबंध में सभी जिलों को निर्देश भेज दिए हैं. साथ ही राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद यानी एनसीटीई के नियमों को सख्ती से लागू करने को कहा गया है.

सरकार ने साफ किया है कि बीएड छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर सरकारी माध्यमिक स्कूलों में इंटर्नशिप दी जाएगी. अगर किसी बीएड कॉलेज के आसपास सरकारी स्कूल उपलब्ध नहीं होगा, तभी छात्रों को निजी स्कूलों में भेजा जाएगा. इससे प्रशिक्षुओं को बेहतर माहौल में पढ़ाने का मौका मिलेगा. साथ ही सरकारी स्कूलों में शिक्षण व्यवस्था को भी मदद मिलेगी. अब इंटर्नशिप के लिए छात्रों को स्कूल ढूंढने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी. पहले कई छात्रों को स्कूलों के चक्कर लगाने पड़ते थे और समय पर इंटर्नशिप पूरी नहीं हो पाती थी.

इंटर्नशिप की प्रक्रिया ज्यादा व्यवस्थित और पारदर्शी

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से जिलों को इस प्रक्रिया के लिए जिम्मेदारी भी दी गई है. हर जिले के बीएड कॉलेज अपने छात्रों की सूची जिला विद्यालय निरीक्षक को भेजेंगे. इसके बाद जिला विद्यालय निरीक्षक छात्रों को अलग-अलग स्कूल आवंटित करेंगे. बीएड के छात्रों को माध्यमिक स्कूलों में ही भेजा जाएगा. विभाग का मानना है कि इससे इंटर्नशिप की प्रक्रिया ज्यादा व्यवस्थित और पारदर्शी बनेगी. छात्रों को सही समय पर स्कूल मिल जाएंगे और उन्हें अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी.

नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश

सरकार का कहना है कि जिन सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी है, वहां बीएड छात्र पढ़ाई कराने में मदद करेंगे. इससे स्कूलों को भी राहत मिलेगी और छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी. बीएड के छात्र अपने विषय के अनुसार बच्चों को पढ़ाएंगे. इससे उन्हें पढ़ाने का व्यावहारिक अनुभव मिलेगा. वहीं स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी फायदा होगा. उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव शकील अहमद सिद्दीकी ने सभी अधिकारियों को इन नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए हैं.

राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने शिक्षक शिक्षा संस्थानों को लेकर भी बड़े बदलाव की तैयारी की है. अब सिर्फ बीएड कोर्स चलाने वाले कॉलेजों को बहुविषयक संस्थानों में बदला जाएगा. यानी इन कॉलेजों में केवल बीएड ही नहीं, बल्कि दूसरे विषयों की पढ़ाई भी शुरू होगी.

संघर्ष में भी लक्ष्य कायम रहे यही आपको महान बनाता है

किताबों से जानिए, कैसे साधारण परिणाम हासिल किए जा सकते हैं? परिस्थितियों पर उद्देश्य क्यों भारी पड़ता है?

परिस्थितियां कमजोर करें, उद्देश्य मजबूती देगा

जीवन कठिन हो जाए, तब भी अर्थ समाप्त नहीं होता। पीड़ा में धैर्य, हानि में गरिमा और संघर्ष में उद्देश्य- यही मनुष्य को महान बनाते हैं। जो जानता है कि वह क्यों जी रहा है, वह हर कैसे को सह सकता है। परिस्थितियां कमजोर कर सकती हैं, लेकिन उद्देश्य फिर से खड़ा कर देता है।

छोटे प्रयास ही स्थाई बदलाव ला सकते हैं

जीवन में बड़े बदलाव अचानक नहीं आते, रोज के छोटे-छोटे सही फैसलों से आते हैं। जो काम आज आसान लगता है, वही समय के साथ आपकी दिशा तय करता है। अच्छी आदतें जब लगातार दोहराई जाती हैं, तो असाधारण परिणाम पैदा करती हैं। फर्क बड़े कदम नहीं, छोटे कदम लाते हैं।

परिणाम की चिंता छोड़ वर्तमान पर ध्यान दें

जब व्यक्ति केवल अपने वर्तमान कार्य पर ध्यान केंद्रित करना सीख लेता है, तो वह काम बेहद आसान और शांतिपूर्ण भी हो जाता है। धैर्य और निरंतर अभ्यास ही किसी भी कौशल को स्वाभाविक बना देते हैं। असली विकास जल्दी पहुंचने में नहीं, बल्कि सही तरीके से सीखने में है।

छोटी आदतें ही बड़ी सफलता लाती हैं

छोटे-छोटे निर्णय, जो रोज लिए जाते हैं, धीरे-धीरे बड़े परिणाम देते हैं। सही दिशा में उठाया गया छोटा कदम समय के साथ आपको सफलता की ओर ले जाता है। गलत आदतें धीरे-धीरे पीछे धकेलती हैं। सफलता किसी बड़े प्रयास का परिणाम नहीं होती, यह लगातार किए गए छोटे प्रयासों का जोड़ होती है।

दिनभर रील्स देखने से ब्रेन हो रहा बीमार 'डोपामाइन डिटॉक्स' सुधार सकता है मेंटल हेल्थ

आज के समय में अधिकतर लोग अपना ज्यादा से ज्यादा समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं. खाली समय मिलते ही तुरंत मोबाइल फोन उठा लेते हैं. लोग घंटों रील स्क्रॉल करने में निकाल देते हैं.

कई बार रील्स देखते-देखते समय का पता ही नहीं चलता है. घंटों रील देखने या फिर ऑनलाइन गेम खेलने से दिमाग स्टिमुलेशन का आदि हो जाता है. ऐसे में लोगों का काम और पढ़ाई पर फोकस नहीं हो पाता है. स्क्रीन टाइम की लत बचने के लिए डोपामाइन डिटॉक्स करना बेहद जरूरी है.

क्या होता है डोपामाइन

डोपामाइन डिटॉक्स में इंसान को कुछ समय के लिए उन चीजों से दूरी बनानी होती है जो उसे तुरंत खुशी देती है. इसका मतलब दिमाग को रीसेट करना होता है. ताकि दिमाग फिर से सामान्य और नॉर्मल काम कर सकें. डोपामाइन डिटॉक्स का मतलब बहुत ज्यादा और गैरजरूरी उत्तेजना को कम करना है. डोपामाइन को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है और ना ही खत्म करना चाहिए यह शरीर के लिए बेहद जरूरी है.

डोपामाइन ट्रिगर्स को कैसे पहचाने

डोपामाइन ट्रिगर्स वो चीजे होती है जिसे हमें तुरंत खुशी मिलती है. लेकिन लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकती हैं. इंसान अपनी आदतों को देखकर डोपामाइन ट्रिगर्स को पहचान सकते हैं. अगर आपकी कोई आदत आपको कंट्रोल कर रही है तो वह डोपामाइन ट्रिगर हो सकता है. जैसे बिना सोचे समझे बार-बार कोई काम करना उसके बाद पछताना समय बर्बाद करना और खुद पर कंट्रोल ना रहना.

डोपामाइन डिटॉक्स कैसे करें

डोपामाइन डिटॉक्स करना मुश्किल नहीं है. इसकी शुरुआत धीरे-धीरे करें. 2 से 4 घंटे तक मोबाइल और सोशल मीडिया से दूर रहें, फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाएं. आप चाहरें तो हफ्ते में एक दिन नो स्क्रीन डे रख सकते हैं. बार-बार नोटिफेकेशन चेक करने से बचें. जरूरत ना होतो फोन साइलेंट मोड पर रख दें. कुछ समय के लिए इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब से दूरी बनाएं.

'पब्लिक रिलेशन ऑफिसर' बन सवारें करियर

आज के अत्यधिक प्रतिस्पर्धात्मक युग में अपने उत्पादों, सेवाओं या स्वयं को प्रोमोट करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जाने लगी है। इसी कार्य को पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अंजाम देते हैं। वे अपने क्लाइंट्स की इच्छा और आवश्यकताओं को समझ कर उन्हें प्रोमोट करने का जरूरी काम करते हैं।

पब्लिक रिलेशन को संवाद कला के रूप में भी जाना जाता है। व्यक्तिगत तौर पर एक व्यक्ति के लिए इसका अर्थ उसके गुणों और उपलब्धियों को हाईलाइट करने और सही संबंध स्थापित करने से होता है, जिससे उसका करियर फल-फूल सके। वहीं एक कम्पनी के लिए इसका अर्थ मार्कीट में खुद को अच्छी तरह स्थापित करने, मीडिया के साथ संबंध तथा साख कायम रखने और कार्यक्रमों एवं गतिविधियों के माध्यम से खबरों में बने रहना होता है।

इन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए एक पब्लिक रिलेशन प्रोफैशनल को बेहद प्रभावी और संक्षिप्त उपायों से वाकिफ होना चाहिए।

आज अत्यधिक प्रतियोगिता का युग है। जिसमें हर किसी के सामने अपने संदेश को अन्यों से अलग दिखाने की चुनौती है। और इसी कार्य में पब्लिक रिलेशन ऑफिसर विशेषज्ञता रखते हैं।

चुनौतियों की कोई कमी नहीं

जैसे-जैसे बिजनैस में प्रतियोगिता बढ़ रही है, पब्लिक रिलेशन अफसरों को और अधिक रचनात्मक होना पड़ रहा है। अब उनके सामने केवल लोगों के विचारों को अपने क्लाइंट्स के पक्ष में करने का ही काम नहीं है, बल्कि उन्हें ऐसे प्रयत्न करने पड़ते हैं, कि उनका क्लाइंट भीड़ में भी सबसे अलग दिखे। पी. आर. एग्जीक्यूटिव अनन्या चक्रवर्ती ने अपने अनुभव सांझे करते हुए कहा, इस काम के दौरान हर दिन मुझे कुछ न कुछ नया सीखने को मिलता है। जिस भी चीज या सेवा को आप प्रोमोट करते हैं, उसके बारे में आपका ज्ञान बढ़ता है। यहां हर दिन किए जा सकते हैं। कई संस्थान थ्योरी के साथ-साथ व्यावहारिक शिक्षा देने के लिए प्रैक्टिकल भी करवाते हैं।

खास कौशल

एक सफल पब्लिक रिलेशन ऑफिसर बनने के लिए लोगों से मेल-जोल बढ़ाने की स्वभाविक रुचि होनी चाहिए। ग्रूमिंग और लैंग्वेज स्किल्स में निपुणता भी आवश्यक है। पब्लिक रिलेशन ऑफिसर को नवीनतम बदलावों और करंट इवेंट्स से खुद को अवगत रखना होता है। उसमें सब्र की उच्च मात्रा होनी जरूरी है क्योंकि हो सकता है कि इस क्षेत्र में तुरंत लाभ न मिलें। कलात्मक और रचनात्मक विचार खोजने की क्षमता उन्हें विशेष रूप से लाभान्वित कर सकती है।

सम्भावनाएं

बतौर पब्लिक रिलेशन ऑफिसर अच्छी एड या पी. आर. एजेंसी के साथ शुरुआत करने वाले 8 हजार से 15 हजार रुपए प्रतिमाह तनख्वाह पा सकते हैं।

एक नई चुनौती है। पब्लिक रिलेशंस के कोर्स छात्र- छात्राओं को बेशक नौकरी दिलवा दें, परंतु उन्हें वास्तविक कौशल अपने प्रयत्नों और गलतियों से सीखने को मिलते हैं।

योग्यता

किसी होटल में बतौर पी. आर. काम करना सीखने का एक अच्छा जरिया है, जिसके दौरान अच्छी आय भी हासिल की जा सकती है।

परंतु इस क्षेत्र में वास्तविक लाभ तभी मिल सकता है, जब व्यक्ति अनुभव हासिल करे और अपने अच्छे- खासे कांटेक्ट बना कर व्यक्तिगत तौर पर कार्य शुरू करे।

विभिन्न संस्थान, विशेष रूप से पब्लिक रिलेशंस में अथवा जर्नलिज्म के कोर्स में, इसे एक विषय के रूप में पढ़ाते हैं। किसी भी विषय में ग्रैजुएशन के बाद ये कोर्स

प्रमुख संस्थान

* भारतीय विद्या भवन, दिल्ली। * इंडियन इंस्टीच्यूट ऑफ मास कम्युनिकेशन, दिल्ली।

नोटबंदी में बैंक में 11.50 लाख जमा करना पड़ा भारी

इनकम टैक्स ने लगाया जुर्माना, आईटीएटी ने पलट दिया केस

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। नोटबंदी में बैंक में कैश जमा करना एक किसान को भारी पड़ गया। मामला इनकम टैक्स विभाग तक पहुंच गया। इनकम टैक्स विभाग ने जुर्माना लगाया। इसके बाद बात आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण पहुंची।

आईटीएटी ने इनकम टैक्स विभाग की काफी हद तक गलती मानी और किसान को बड़ी राहत दी।यह मामला सूरत (गुजरात) निवासी दिनेशभाई नागजीभाई विरडिया से जुड़ा है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में नोटबंदी के दौरान दिनेशभाई ने राजकोट जिला सहकारी बैंक के अपने दो खातों में कुल 11.50 लाख रुपये की नकदी जमा की थी। आयकर विभाग ने इसे संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू की। निर्धारण अधिकारी ने माना कि दिनेशभाई केवल 4.70 लाख रुपये का ही सोर्स साबित कर पाए हैं। बाकी के 6.80 लाख रुपये को आयकर अधिनियम की धारा 69ए के तहत अघोषित आय मानते हुए टैक्स और भारी जुर्माना लगा दिया गया। इसके खिलाफ दिनेशभाई ने आईटीएटी, राजकोट में अपील की थी।आईटीएटी में दिनेशभाई के वकील ने कोर्ट को बताया कि किसान के पास 28 बीघा कृषि भूमि है, जिससे उसे अच्छी आय होती है। जमा की गई राशि में 7.50 लाख रुपये की ओपनिंग कैश (पिछली बचत), कृषि आय, वेतन और बैंक से की गई पिछली निकासी शामिल थी। उन्होंने सबूत के रूप में भूमि के दस्तावेज (फॉर्म 7/12, 8ए), कैश फ्लो स्टेटमेंट और बैंक स्टेटमेंट पेश किए।मामले की सुनवाई करते हुए आईटीएटी ने पाया कि निर्धारिती ने पर्याप्त दस्तावेज पेश किए थे, जिन्हें आयकर विभाग के अधिकारियों ने सही ढंग से नहीं परखा। ट्रिब्यूनल ने अपने आदेश में कहा कि किसान के पास 28 बीघा जमीन है जो व्यावसायिक फसलें उगाने के लिए पर्याप्त है। हालांकि कुछ दस्तावेज केवल स्व-घोषित हो सकते हैं, लेकिन पूरी राशि को अघोषित मानना सही नहीं है। ऐसे में ट्रिब्यूनल ने बीच का रास्ता अपनाते हुए 6.80 लाख रुपये की पूरी रकम पर टैक्स लगाने के बजाय, उसका 10% (यानी 68,000 रुपये) को इनकम मानकर उस पर सामान्य दर से टैक्स लगाने का निर्देश दिया। शुरुआत में इनकम टैक्स विभाग ने इस अपील का विरोध किया क्योंकि यह 47 दिन की देरी से दाखिल की गई थी। हालांकि, निर्धारिती द्वारा बीमारी का प्रमाण देने पर ट्रिब्यूनल ने मानवीय आधार पर इस देरी को माफ कर दिया और मामले की मेरिट पर सुनवाई की।

जेपी एसोसिएट्स पर 55357 करोड़ का पहाड़ जैसा कर्ज

एक चौथाई कीमत में अदाणी बनेंगे मालिक; 40822सीआर का नुकसान किसे?

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। जयप्रकाश गौड़ की जेपी एसोसिएट्स दिवालिया प्रक्रिया से गुजर रही है। इसे खरीदने की बोली गौतम अदाणी की अदाणी समूह ने जीती है। अदाणी ग्रुप ने जेपी ग्रुप की पैरेंट कंपनी को खरीदने के लिए 14535 करोड़ की बोली लगाई है। यह बोली कंपनी के ऊपर कर्ज के मुकाबले बहुत कम है। यानी कंपनी के ऊपर अदाणी द्वारा लगाई गई बोली से कई गुना ज्यादा कर्ज है। अदाणी ने इतने कम रुपये में बोली लगाई है कि उससे कर्ज के 50 फीसदी की भी भरपाई नहीं की जा सकती है। जेपी एसोसिएट्स ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी थी कि 30 अप्रैल 2026 तक उसके ऊपर कुल 55357 करोड़ रुपये का कर्ज है।

इस कर्ज के मुकाबले अदाणी समूह लगभग एक चौथाई में पूरी कंपनी के मालिक बनेंगे। एक समय जब बोली प्रक्रिया चल रही थी तो ऐसा लग रहा था कि जेपी ग्रुप के मालिक वेदांता के अनिल अग्रवाल बनेंगे। लेकिन फिर कहानी ऐसी पलटी कि बाजी गौतम अदाणी के हाथ में चली गई। अब सवाल यह उठता है कि आखिर 40822 करोड़ का नुकसान कौन सहेगा? आइए इसे आसान भाषा में समझते हैं।

जेपी एसोसिएट्स के मालिक बनेंगे अदाणी, लेकिन इन्हें होगा 40822 करोड़ का घाटा

जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के मालिक गौतम अदाणी बनेंगे। लेकिन इस खरीदारी से 40822 करोड़ का नुकसान उन बैंकों और वित्तीय संस्थानों को उठाना पड़ेगा, जिन्होंने जेएएल को कर्ज दिया था। जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को लोन देने वाले बैंकों और वित्तीय संस्थानों की लिस्ट बहुत लंबी है। कंपनी ने लगभग 19 बैंकों/वित्तीय संस्थाओं से लोन ले रखा है। अब जब जेपी एसोसिएट्स दिवालिया प्रक्रिया में अदाणी ग्रुप के हाथों बिक रही है तो 40822 करोड़ का नुकसान उठाना पड़ेगा। इस नुकसान को वित्तीय भाषा में हेयर कट कहा जाता है।

इंसॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड की प्रक्रिया के तहत जब कोई कंपनी दिवालिया होती है, तो उसके बकाया को चुकाने के लिए लेनदारों को जो समझौता करना पड़ता है, उसे वित्तीय भाषा में 'हेयरकट' कहते हैं। यानी अब 40822 करोड़ का नुकसान लेंडर्स को उठाना पड़ेगा।

यानी लेंडर्स को 40822 करोड़ का हेयरकट उठाना पड़ेगा।

अनिल अग्रवाल की वेदांता ने लगाई थी सबसे ऊंची बोली

जयप्रकाश गौड़ की जेपी एसोसिएट्स को खरीदने के लिए सबसे ऊंची बोली अनिल अग्रवाल की वेदांता ने लगाई थी। उसने लगभग 17 हजार करोड़ रुपये की बोली लगाई थी। लेकिन पेमेंट करने का उसका प्लान अदाणी के प्लान से अलग था। वेदांता 17 हजार करोड़ रुपये की पेमेंट करने में लगभग 5 साल लगाता। वहीं, अदाणी ने इसे 2 साल में पूरा करने का प्लान दिया था। यही कारण है कि लेंडर्स की कमेटी ने अदाणी ग्रुप को चुना।

'मैं 90% सोशल वर्क करता हूं, मुझे चुनाव प्रचार की जरूरत नहीं' बोले नितिन गडकरी

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वह चुनाव के दौरान प्रचार नहीं करते, क्योंकि भले ही वह एक राजनेता हैं, लेकिन उनका "90 परसेंट" काम सोशल वर्क है. वह एक समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे, जहां पुणे के जाने-माने नागरिकों को सम्मानित करने के लिए पुण्य भूषण फाउंडेशन द्वारा शुरू किया गया 'पुण्य भूषण' अवॉर्ड उद्योगपति अभय फिरोदिया को दिया गया. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा, "हालांकि मैं एक राजनेता हूं, लेकिन मैं 90 परसेंट सोशल वर्क करता हूं. इसलिए, मुझे चुनाव के दौरान प्रचार करने की जरूरत महसूस नहीं होती." गडकरी ने कहा कि फिरोदिया न केवल एक उद्योगपति हैं, बल्कि एक सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति हैं जो बिजनेस में नैतिकता का पालन करते हैं. ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के बारे में बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह युवाओं को नौकरियां देती है.

इलेक्ट्रिकल व्हीकल सेगमेंट में तेजी से इजाफा

उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रिकल व्हीकल सेगमेंट अब तेजी से बढ़ रहा है और खरीदारों को पेट्रोल और डीजल गाड़ियों की तुलना में ईवी के लिए ज्यादा इंतजार करना पड़ता है. दूसरी ओर, एक्टर आमिर खान, नाना पाटेकर और मकरंद अनासपुरे महाराष्ट्र के विदर्भ इलाके में पानी बचाने और ग्राउंडवाटर को फिर से ठीक करने पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की 'पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था' के दो दिन की कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे.'पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था' ने अपनी सिल्वर जुबली के मौके पर 17 और 18 मई को यहां 'जल संवाद' और 'जलक्रांति परिषद' आयोजित की गयी. गडकरी ने रविवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "इस इवेंट में विदर्भ को किसानों की आत्महत्या से बचाने के लिए पानी बचाने के तरीकों पर बात होगी. पूरे विदर्भ से किसानों, सरपंचों और लोगों के शामिल होने की उम्मीद है."गडकरी ने कहा कि वह और दूसरे लोग पिछले 25 सालों से 'पूर्ति सिंचन समृद्धि कल्याणकारी संस्था' के तहत विदर्भ में पानी की कमी और सिंचाई की दिक्कतों को दूर करने और किसानों को फाइनेंशियल स्टेबिलिटी देने के लिए काम कर रहे हैं.

चीन ने अप्रैल में रेयर अर्थ बेचकर कूट डाले 606 करोड़, भारत की 2030 वाली तैयारी ने उड़ाई ड्रैगन की नींद

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। दुर्लभ मृदा यानी रेयर अर्थ को लेकर चीन काफी इतराता है। इसका कारण है कि दुनिया में जबरदस्त मांग वाली इस चीज पर फिलहाल चीन का एकाधिकार है। चीन रेयर अर्थ को दुनियाभर को बेचकर जबरदस्त कमाई कर रहा है। चीन के सामान्य सीमा शुल्क प्रशासन की ओर से जारी डेटा के अनुसार अप्रैल 2026 में चीन का रेयर अर्थ निर्यात 64.2 मिलियन डॉलर (करीब 606 करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। एएनआई के मुताबिक इस दौरान चीन ने कुल 5,308.6 टन रेयर अर्थ का निर्यात किया।

कुल निर्यात में आई तेजी

अप्रैल महीने में चीन का कुल व्यापार 634.06 अरब डॉलर का रहा। देश के निर्यात में पिछले महीने की तुलना में 12 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अप्रैल में चीन का व्यापार इस प्रकार रहा:

कुल निर्यात: 359.44 अरब डॉलर

कुल आयात: 274.62 अरब डॉलर

व्यापार अधिशेष: 84.82 अरब डॉलर

कुल कितनी वृद्धि: जीएसीसी के अनुसार चीन के कुल व्यापार, निर्यात और आयात मूल्य में महीने-दर-महीने 7.2 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है।

कहां होता है रेयर अर्थ का इस्तेमाल?

रेयर अर्थ का इस्तेमाल स्मार्टफोन, इलेक्ट्रिक वाहन और सैन्य उपकरणों जैसी हाई टेक वाली चीजों में किया जाता है। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन की मजबूत पकड़ को देखते हुए निर्यात की मात्रा में यह स्थिरता वैश्विक तकनीकी बाजार के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत भी तेजी से बढ़ा रहा कदम

कुछ समय पहले टैरिफ को लेकर अमेरिका और चीन आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद चीन ने रेयर अर्थ का एक्सपोर्ट बंद कर दिया था। इससे इलेक्ट्रॉनिक और ऑटोमोबाइल समेत दुनिया में कई सेक्टर में हलचल मच गई थी। चीन ने भारत को भी रेयर अर्थ के लिए काफी इंतजार कराया था। इसके बाद भारत सरकार ने चीन पर निर्भरता कम करने के लिए हाल ही में कई बड़े फैसले लिए हैं:

बजट 2026-27 में ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में विशेष 'रेयर अर्थ कॉरिडोर्स' बनाने की घोषणा की गई है। ये कॉरिडोर खनन से लेकर प्रोसेसिंग तक का काम करेंगे। नवंबर 2025 में सरकार ने 7,280 करोड़ रुपये की एक योजना को मंजूरी दी है ताकि भारत में ही दुर्लभ मृदा स्थायी चुंबकीय का निर्माण शुरू हो सके। बजट 2026 में मोनाजाइट पर मूल सीमा शुल्क को 2.5% से घटाकर शून्य कर दिया गया है ताकि घरेलू प्रोसेसिंग को बढ़ावा मिले।

क्या है भारत का लक्ष्य?

भारत का लक्ष्य साल 2030 तक रेयर अर्थ के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनना है, विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहनों (EV), पवन ऊर्जा और रक्षा उपकरणों के लिए। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का 80 से 90% हिस्सा (विशेषकर मैग्नेट्स) चीन से आयात करता है, जिसे कम करने के लिए निजी क्षेत्र को भी अब इस क्षेत्र में खनन की अनुमति दी जा रही है।

भारत को बड़े संकट से बचाने में रोजाना 1700 करोड़ खर्च

ओएमसीएस का दावा– 10 हफ्ते में 1 लाख करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बीच भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों को स्थिर रखने की बड़ी कीमत अब सरकारी तेल कंपनियों को चुकानी पड़ रही है। सूत्रों के मुताबिक, देश की सरकारी तेल विपणन कंपनियां हर दिन करीब 1600 से 1700 करोड़ रुपये का अंडर-रिकवरी बोझ उठा रही हैं। पिछले 10 हफ्तों में यह कुल घाटा 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गया है। अब सवाल यह उठ रहा है कि ये कंपनियां कब तक इस वित्तीय दबाव को झेल पाएंगी। अंडर-रिकवरी का मतलब है वह अंतर जो तेल कंपनियों की लागत और ग्राहकों को बेचे जाने वाले भाव के बीच होता है।

इन कंपनियों पर ज्यादा दबाव

सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन , भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड लगातार पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पुराने दामों पर कर रही हैं, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो चुकी है। फिलहाल देश में पेट्रोल 94.77 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.67 रुपये प्रति लीटर के करीब बिक रहा है, जो लगभग दो साल पुराने स्तर पर बना हुआ है। मार्च में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम 60 रुपये बढ़ाए गए थे, लेकिन इसके बावजूद कीमतें वास्तविक लागत से काफी कम हैं।

सरकार के सामने कीमत बढ़ाने की चुनौती

सूत्रों का कहना है कि अब पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ाना लगभग तय माना जा रहा है, लेकिन इसका समय और मात्रा राजनीतिक फैसला होगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि लंबे समय तक कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहती हैं तो ओएमसीएस की बैलेंस शीट पर दबाव और बढ़ सकता है। इससे रिफाइनिंग विस्तार, पाइपलाइन, रणनीतिक तेल भंडार, ग्रीन फ्यूल और ऊर्जा परिवर्तन परियोजनाओं पर असर पड़ सकता है।

एक्साइज ड्यूटी घटाने से सरकार को नुकसान

ऊर्जा संकट के असर को कम करने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में भी कटौती की है। पेट्रोल पर विशेष अतिरिक्त एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दी गई, जबकि डीजल पर इसे 10 रुपये से घटाकर शून्य कर दिया गया। सूत्रों के अनुसार, इस फैसले से सरकार को हर महीने लगभग 14,000 करोड़ रुपये के राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ रहा है।

बैंकों और क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों में पैसों को लेकर छिड़ी आर-पार की लड़ाई! अमेरिका में आ रहा नया कानून

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। अमेरिका में क्रिप्टोकरेंसी के नियमन को लेकर एक बड़ा कदम उठाया जा रहा है। लंबे समय से लटके क्लैरिटी एक्ट को अगले हफ्ते सीनेटरों के सामने विचार के लिए पेश किया जाएगा। यदि यह कानून बन जाता है, तो यह तेजी से बढ़ते डिजिटल एसेट सेक्टर के लिए स्पष्ट नियामक नियम लाएगा और क्रिप्टोकरेंसी कंपनियों तथा बैंकिंग उद्योग के बीच चल रहे लंबे गतिरोध को खत्म कर सकता है। सीनेट बैंकिंग कमेटी के चेयरमैन टिम स्कॉट ने बताया कि इस महत्वपूर्ण बिल पर 14 मई को वाशिंगटन डी.सी. के डर्कसेन सीनेट कार्यालय भवन में एक अहम बैठक होगी। यह बिल डिजिटल संपत्तियों के लिए स्पष्ट नियामक दिशानिर्देश स्थापित करने का लक्ष्य रखता है। इसके तहत मुख्य रूप से स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाएगा कि कौन सी क्रिप्टो संपत्तियां 'प्रतिभूति' की श्रेणी में आती हैं और कौन सी 'वस्तु' की श्रेणी में हैं। इसके अलावा इन डिजिटल एसेट्स की निगरानी और नियमन कौन सी सरकारी एजेंसी करेगी, क्रिप्टो एक्सचेंज, ब्रोकर और डीलर के काम करने के नियम क्या होंगे और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए किन कड़े मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा शामिल हैं। क्रिप्टो उद्योग लंबे समय से इस कानून की मांग कर रहा है, क्योंकि उनका मानना है कि अमेरिका में डिजिटल एसेट्स के भविष्य और क्रिप्टो कंपनियों की बुनियादी समस्याओं को सुलझाने के लिए यह बेहद जरूरी है। यह बिल क्रिप्टो फर्मों और पारंपरिक बैंकों के बीच 'स्टेबलकॉइन्स' (अमेरिकी डॉलर से जुड़े डिजिटल टोकन) को लेकर चल रहे बढ़ते टकराव को भी सुलझाने का प्रयास करता है। रिपब्लिकन सीनेटर थॉम टिलिस और डेमोक्रेटिक सीनेटर एंजेला आल्सोब्रूक्स के बीच हुए एक समझौते के तहत, अब क्रिप्टो कंपनियों को ग्राहकों को केवल उनके अकाउंट में स्टेबलकॉइन 'होल्ड' करने (यानी सिर्फ रखने) पर ब्याज या रिवॉर्ड देने की अनुमति नहीं होगी।

भारत का निजी पूंजीगत खर्च 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपए हुआ: सीआईआई

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। भारत का निजी पूंजीगत खर्च सितंबर 2025 में सालाना आधार पर 67 प्रतिशत बढ़कर 7.7 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह देश के निवेश साइकिल में पिछले एक दशक में सबसे मजबूत रिकवरी है। यह जानकारी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने रविवार को दी।

सीआईआई के मुताबिक, इससे पहले सितंबर 2024 में पूंजीगत खर्च 4.6 लाख करोड़ रुपए था। सीआईआई द्वारा सीएमआईई प्रॉवेस डेटाबेस से लगभग 1,200 कंपनियों के विश्लेषण से पता चला कि इसमें विनिर्माण क्षेत्र का हिस्सा 3.8 लाख करोड़ रुपए था, जो कुल निजी निवेश का लगभग आधा है। इसमें धातु, ऑटोमोबाइल और रसायन जैसे क्षेत्रों का योगदान सबसे अधिक रहा। सेवा क्षेत्र का योगदान 3.1 लाख करोड़ रुपए रहा, जिसमें व्यापार, संचार और आईटी/आईटीईएस उद्योगों का योगदान सबसे अधिक रहा। कई इंडिकेटर्स भी यह इशारा कर रहे हैं कि देश में निवेश गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं।

वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही में विनिर्माण कंपनियों की क्षमता उपयोग दर पिछली तिमाही के 74.3 प्रतिशत से बढ़कर 75.6 प्रतिशत हो गई, जबकि नए ऑर्डर में वार्षिक आधार पर 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

ड्राइवर, नौकर, रिश्तेदार के नाम खरीदी है प्रॉपर्टी तो होगी जब्त

बेनामी लेनदेन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

नई दिल्ली, 10 मई (एजेंसियां)। अगर आपने ड्राइवर, नौकर, रिश्तेदार या आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के नाम पर संपत्ति खरीदी है तो उसे जब्त किया जा सकता है। दरअसल, बेनामी संपत्तियों के जरिए काला धन छिपाने वालों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने एक कड़ा संदेश जारी किया है। शुक्रवार को दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि आयकर विभाग 2016 से पहले किए गए बेनामी लेनदेन के मामलों में भी संपत्तियों को जब्त कर सकता है। इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक इस फैसले के बाद अब वे लोग भी जांच के दायरे में आ गए हैं जिन्होंने अपने ड्राइवर, कुक या किसी अन्य व्यक्ति (बेनामीदार) के नाम पर जमीन, घर या नकद संपत्ति छिपा रखी थी। सुप्रीम कोर्ट ने 2016 के बेनामी संशोधन कानून की व्याख्या करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। इनमें ये प्रमुख हैं:

पिछली तारीख से लागू

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बेनामी संपत्ति कानून, 1988 में साल 2016 के संशोधन का वह हिस्सा जो प्रक्रिया, जांच और संपत्ति जब्ती से जुड़ा है, उसे पिछली तारीख से लागू किया जा सकता है।इसका मतलब है कि नवंबर 2016 से पहले के बेनामी सौदों की संपत्तियां भी अब सरकार जब्त कर सकती है।

सजा का प्रावधान

अदालत ने साफ किया कि नवंबर 2016 से पहले हुए बेनामी सौदों में संपत्ति जब्त की जा सकती है, लेकिन ऐसे मामलों में संशोधित कानून के तहत 7 साल की सजा नहीं दी जाएगी। पुराने कानून के तहत अधिकतम 3 साल की सजा लागू हो सकती है और जुर्माना भी नहीं लगेगा।अक्सर लोग बेनामी संपत्ति को कानूनी जामा पहनाने के लिए वसीयत का सहारा लेते थे। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई संपत्ति बेनामी है तो उसे वसीयत या उत्तराधिकार के जरिए वास्तविक मालिक को हस्तांतरित करना अवैध माना जाएगा।

कोर्ट ने कहा कि वह ऐसे मामलों में मूकदर्शक नहीं बनी रहेगी।विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले से इनकम टैक्स विभाग को 2-3 दशक पुराने संदिग्ध मामलों को फिर से खोलने की शक्ति मिल गई है। अब विभाग केवल कागजों को नहीं देखेगा, बल्कि सौदे की असली प्रकृति की जांच करेगा।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष	मे	मेष.....	04-19 बजे
चंद्र	कुंभ	मे	वृष.....	06-04 बजे
मंगल	मीन	मे	मिथुन..	08-04 बजे
बुध	मेष	मे	कर्क...	10-17 बजे
गुरु	मिथुन	मे	सिंह----	12-29 बजे
शुक्र	वृष	मे	कन्या---	14-35 बजे
शनि	मीन	मे	तुला---	16-40 बजे
राहु	कुंभ		वृश्चिक..	18-51 बजे
केतु	सिंह	मे	धनु.....	21-05 बजे
			मकर....	23-10 बजे
			कुंभ....	01-00 बजे
			मीन....	02-39 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**

शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर **,** ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - **432000**

भोग्य कलि वर्ष. - **426873**

कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - **1972949127**

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**

दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले

मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष सोमवार **11 May 2026**

तिथि - नवमी **15-24** तक उपरान्त दशमीं

नक्षत्र - शतभिषा **01-28** रात्रि तक उपरान्त पूर्वभाद्रपद

योग - ऐन्द्र **01-04** रात्रि तक उप वैधृति

करण - गर **15-24** तक उप वणिज

विशेष: मंगल मेष मे **17-28** से पंचक

विशेष- राशिफल ग्रहो के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखाये व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-23 से 08-59 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05-52 - 07-23	शुभ	चंचल	18-33 - 20-02	शुभ
काल	07-23 - 08-59	अशुभ	रोग	20-02 - 21-25	अशुभ
शुभ	08-59 - 10-36	शुभ	काल	21-25 - 22-49	अशुभ
रोग	10-36 - 12-13	अशुभ	लाभ	22-49 - 00-12	शुभ
उत्पात	12-13 - 13-49	अशुभ	उत्पात	00-12 - 01-36	अशुभ
चंचल	13-49 - 15-26	शुभ	शुभ	01-36 - 02-59	शुभ
लाभ	15-26 - 17-02	शुभ	अमृत	02-59 - 04-23	शुभ
अमृत	17-02 - 18-33	शुभ	चंचल	04-23 - 05-52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे । यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं । इससे आपको बहुत अच्छा लगेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ है,आपको वित्तीय क्षेत्र में अपने प्रयासों के चलते लाभ होगा । आप अपने परिजनों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध चीज खरीदना चाहेंगे । बस इतना ध्यान रखें कि सारा पैसा खर्च न करके कुछ बचत भी कर लें । आप अपने पार्टनर के साथ कुछ बहुत ख़ास पल गुजारेंगे जिन्हें आप हमेशा याद रखेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आप बहुत दिनों से आज के दिन के लिए बचत करते आ रहे हैं |आज कोई ऐसी ख़ुशी की खबर मिलेगी जो आपके होठो पर मुस्कान और आँखों में आंसू ले आएगी । आज आप पुरे दिन दोस्तों और सम्बन्धियों से घिरे रहेंगे। समय मजे में बीतेगा लेकिन अपने स्व। स्थ्य का ध्यान जरूर रखें ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आप आज सृजनात्मक महसूस करेंगे और बहुत सारे कामों के लिए खुद को तैयार पायेंगे । हालंकि आपको यह वास्तविक भय रहेगा कि दूसरे क्या सोचेंगे और कहेंगे ? आपको यह समझना है कि सही नजरिये से आधा काम तो बिना किये ही हो जाता है । यद्यपि सृजनात्मक और ऊर्जापूर्ण रहने के बावजूद आपका आत्मविश्वास आज साथ नही देगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी । आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — कोई करीबी दोस्त आपको अपना राज बताने वाला है ,आपको उसकी बातें बहुत ध्यान से सुनकर ही सलाह और सहानुभूति देनी है । अपने सभी कार्य रचनात्मक तरीके से करें । आप फिलहाल ताकतवर तरीके से कार्य कर रहे हैं और इसका प्रभाव आपके आसपास के सब लोगों पर पड़ेगा । इसलिए आपको सोच-समझकर ही कुछ बोलना और कहना पड़ेगा ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आप पिछले कई दिन से बेचैन और नाखुश सा अनुभव कर रहें हैं लेकिन आज आपका रुख इस समस्या को और अधिक गंभीरता से लेने का है । आपको यह जानना है कि इस समस्या की जड़ क्या है ,आज का दिन इस काम के लिए सबसे बेहतर है । लम्बे समय से उपेक्षित कुछ कामो की योजना बनाने के लिए भी अच्छा दिन है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आज आपके लिए बहुत सारा काम है ,व्यस्त रहेंगे । जल्दी के चक्कर में अपने किसी शुभचिन्तक को नाराज ना करें । नम्र बने रहें । आपकी सकारात्मकता के कारण नए अवसर मिलेंगे । धीरज रखें ,परिवर्तन ही शाश्वत नियम हैविसिलिये बदलाव तो आपके जीवन में भी होना ही है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने –जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें । बोलने से पहले सोच लें ,कहीं किसी करीबी को नाराज ना कर दें ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सीएम भजनलाल की बड़ी घोषणा

सभी जिलों में बनेंगे साइबर पुलिस स्टेशन

जयपुर, 10 मई (एजेंसियां)। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि लोक अभियोजक न्याय व्यवस्था की एक अहम कड़ी है, जो विधिक मामलों में राज्य का प्रतिनिधित्व के साथ ही न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा में भी भूमिका निभाते हैं। सीएम भजनलाल शर्मा ने बड़ी घोषणा की कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों की साइबर सुरक्षा के लिए सजग है। वर्ष 2030 तक समस्त जिलों में साइबर पुलिस स्टेशन स्थापित होंगे।

सीएम भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार तीनों नए आपराधिक कानूनों के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। पुलिस और अभियोजन को इन कानूनों की पूरी जानकारी देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। साथ ही, हमारी सरकार ने 42 न्यायालय स्थापित किए हैं। हमने फलौदी, डीडवाना-कुचामन, खैरथल-तिजारा, ब्यावर, बाड़मेर, डीग, कोटपूतली-बहरोड़ एवं सलूंबर में जिला एवं सेशन न्यायालय तथा बड़ी सादड़ी एवं केशोरायपाटन में नियमित अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायालय स्थापित किए हैं।

सीएम भजनलाल ने कहा कि झुंझुनूं, प्रतापगढ़, टोंक, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, बारां और सीकर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत विशिष्ट न्यायालय एवं हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, चूरू, बीकानेर तथा जोधपुर में पॉक्सो एक्ट के तहत

विशेष न्यायालय एवं एनआई एक्ट के तहत झुंझुनूं में विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट न्यायालय खोले हैं।

सीएम भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार का संकल्प है कि हर व्यक्ति तक सुलभ, त्वरित और पारदर्शी न्याय की पहुंच सुनिश्चित हो। इसी लक्ष्य के साथ राज्य सरकार प्रदेश में संवेदनशील, प्रभावी एवं जनोन्मुखी कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

सीएम भजनलाल शर्मा बिड़ला ऑडिटोरियम में विधि एवं विधिक कार्य विभाग द्वारा लोक अभियोजकों एवं विशेष लोक अभियोजकों के लिए आयोजित कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बदलते कानूनों और न्यायिक दृष्टिकोणों के अनुरूप अधिकारियों का निरंतर प्रशिक्षण अत्यंत आवश्यक है। यह कार्यशाला लोक अभियोजकों को नए आपराधिक कानूनों, साइबर कानूनों तथा दिव्यांगजनों से जुड़े कानूनों के प्रति अधिक जागरूक, संवेदनशील एवं दक्ष बनाएगी।

सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने 27 हजार से अधिक लोगों को विधिक सहायता उपलब्ध करवाई है तथा राजस्थान पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत 4 हजार पीड़ितों को 85 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। इसी तरह, 1 लाख 20 हजार विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से करीब 77 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा न्यायालय भवनों का विडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी सुविधाएं प्रदान करते हुए डिजिटल न्याय प्रणाली को मजबूत किया जा रहा है।

सीएम भजनलाल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों की साइबर सुरक्षा को लेकर भी अत्यधिक सजग है। हमारी सरकार ने साइबर खतरों से बचाव के लिए साइबर सुरक्षा सिमुलेशन लैब की स्थापना की है। ऑपरेशन साइबर शील्ड चलाकर साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने एवं साइबर अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही करने का काम किया है। इसके अलावा लगभग 10 हजार साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 12 लाख से अधिक लोगों को साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया।

नीट परीक्षा से पहले बिके पेपर! हूबहू आए कई सवाल

डीजीपी तक पहुंचा मामला तो जांच में जुटी एटीएस-एसओजी

सीकर, 10 मई (एजेंसियां)। देशभर में हाल ही हुई नीट परीक्षा 2026 सवालों के घेरे में है। परीक्षा से एक दिन पहले सीकर में बांटे गए गैस पेपर्स में से कई सवाल हुबहू आने की सूचना पर एसओजी ने उच्चाधिकारियों की टीम गठित कर जांच शुरू कर दी है। परीक्षा वाले दिन कुछ विद्यार्थियों ने सीकर के उद्योग नगर पुलिस थाने में मामले की शिकायत की थी, जब पुलिस ने इस पर ध्यान नहीं दिया तो विद्यार्थियों ने एनटीए में दस्तावेज के साथ ई-मेल के जरिए शिकायत की। मामला राजस्थान के डीजीपी राजीव कुमार शर्मा तक पहुंचा तो एटीएस और एसओजी सक्रिय हुई। जयपुर से आए अधिकारी पिछले दो दिन से संदिग्ध युवकों से पूछताछ में जुटे हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक 3 मई को नीट की परीक्षा के बाद कुछ छात्रों ने उद्योग नगर थाना में पुलिस को शिकायत की थी।

जिसमें बताया कि परीक्षा से पहले जारी हुए एक गैस पेपर के कई सवाल पेपर में हूबहू आए हैं। पुलिस ने इस शिकायत की गंभीरता से नहीं लिया और एसपी को भी सूचना नहीं दी। शिकायतकर्ताओं को कहा कि अपना मोबाइल दे दो, जांच करवा लेंगे और उन्हें थाने से रवाना कर दिया।

शिकायतकर्ता विद्यार्थियों ने तुरंत नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को कुछ सबूतों के साथ ई-मेल के जरिए शिकायत की। एनटीए ने

इसकी सूचना राजस्थान के डीजीपी राजीव कुमार शर्मा को दी। डीजीपी ने एटीएस और एसओजी मामले को देखने के निर्देश दिए।

एसओजी ने मिले कुछ सबूतों के आधार पर मामले की कड़ियां जोड़ना शुरू की। एटीएस एवं एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए एक्सपर्ट उच्च अधिकारियों की टीम गठित की और स्वयं सीकर आकर संदिग्ध युवकों व छात्रों से पूछताछ शुरू की।

बताया जा रहा है कि पिपराली रोड, नवलगढ़ रोड के कई हॉस्टल्स में से पुलिस ने करीब 8 छात्रों और युवकों को उठाया और उद्योग नगर थाना ले जाकर पूछताछ की। उद्योग नगर पुलिस थाना, कोतवाली, गोकुलपुरा व दादिया थानों का पुलिस जाब्ता भी पिपराली रोड पर अलग-अलग जगह दबिश देता रहा। पिपराली रोड व आसपास के क्षेत्र में एटीएस एंड एसओजी के अधिकारी व पुलिस की टीमें छानबीन करती रही। हालांकि मामले में पुलिस ने आधिकारिक रूप से खुलासा नहीं किया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एडीजी विशाल बंसल, एसओजी के आइजी अजयपाल लांबा, एटीएस व एसओजी के एडीजीपी दिनेश एमएन सहित अन्य सीकर में डेरा डाले रहे। एसओजी के अधिकारी और सीकर की पुलिस टीमें मामले की जांच कर रहे हैं।

आठ संदिग्धों सहित कई छात्रों को उद्योग नगर पुलिस थाना में बुलाकर पूछताछ की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि सीकर में नीट परीक्षा से एक दिन पहले 2 मई की रात को ही कुछ गैस पेपर आए थे। इनमें से एक मैं दिए गए सवालों में से फिजिक्स व बायोलॉजी के बहुत से सवाल नीट परीक्षा के पेपर में हूबहू आए थे। हालांकि इस मामले में सीकर एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। गौरतलब है कि पिछले कुछ वर्षों से प्रतियोगी और शैक्षणिक परीक्षाओं में पेपर लीक या आउट होने का सिलसिला रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है। रीट 2021, सेकेंड ग्रेड टीचर भर्ती-2022, सीनियर टीचर भर्ती (ग्रेड-II), पटवारी भर्ती परीक्षा, जेईएन भर्ती परीक्षा, लाइब्रेरियन भर्ती, आरओ/ईओ भर्ती परीक्षा में पेपर लीक, डमी अभ्यर्थी और परीक्षा के दौरान बड़ी संख्या में गड़बड़ी करने के मामले सामने आए हैं। एसआइ भर्ती परीक्षा 2021 तो रद्द करनी पड़ी।

पानी के पैसे चोरी करने वालों का महेश जोशी जैसा हश्र होगा

मंत्री गजेंद्र सिंह बोले- ठेकेदार चाहे जिसका खास हो छोड़ेंगे नहीं

जैसलमेर, 10 मई (एजेंसियां)। जैसलमेर के फलसूंड दौरे पर पहुंचे केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने चौपाल लगाई. उन्होंने पानी और बजिली व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर खुलकर नाराजगी जताई. भीषण गर्मी के बीच क्षेत्र में गहराते पेयजल संकट और बिजली समस्याओं को लेकर उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि आमजन को राहत देने के लिए फुलप्रूफ मैकेनिज्म के साथ काम करना होगा.

रात्रि चौपाल में ग्रामीणों की समस्याएं सुनने के बाद शेखावत ने साफ कहा कि पानी की समस्या केवल विभागीय विफलता नहीं, बल्कि जिला प्रशासन और कलेक्टर स्तर का भी फेलियर है. उन्होंने कहा कि दिशा समिति की पिछली बैठक में भी इस विषय पर निर्देश दिए गए थे, उसके बावजूद हालात नहीं सुधरे. पूर्व कलेक्टर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि शायद उन्हें यहां से जाने की जल्दी

थी.

केंद्रीय मंत्री ने पीएचडी व्यवस्था को कोलैप्स बताते हुए कहा कि टैंकर सप्लाई और ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने से आम लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है. उन्होंने अधिकारियों से टैंकरों के रूट, वितरण व्यवस्था और पानी सप्लाई की पूरी जानकारी मांगी. निर्देश दिए कि सबसे पहले पानी उस गरीब और जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुंचे, जिसके पास किसी प्रकार की पैरवी का साधन नहीं है. इस दौरान भ्रष्टाचार को लेकर शेखावत ने सख्त चेतावनी दी.

उन्होंने मंच से कहा, जो पानी के पैसे में चोरी करेगा, उसका वैसा ही हश्र होगा, जैसा महेश जोशी का हुआ. फिर चाहे वो किसी का कितना भी खास ठेकेदार क्यों न हो, मैं उसे नहीं छोड़ूंगा. मैं हजारों लोगों के बीच मंच से यह बात कह रहा हूं. फिर चाहे कोई कितनी भी सिफारिश लेकर आए, उसे उसके किए की सजा भुगतनी पड़ेगी. इस विषय पर मुख्यमंत्री, सरकार सहित सबका जीरो टॉलरेंस है.

रात्रि चौपाल के दौरान केंद्रीय मंत्री ने बिजली व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों और पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा. उन्होंने कहा कि पूरे राजस्थान में बिजली व्यवस्था में सुधार हुआ है, लेकिन जैसलमेर की स्थिति अभी भी भगवान भरोसे बनी हुई है. उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के वक्त अधिकारियों ने भारत सरकार को 100 प्रतिशत बिजली कनेक्शन के झूठे आंकड़े भेज दिए, जबकि जिले में आज भी कई परिवार मूलभूत बिजली सुविधा से वंचित है.

खाटूश्यामजी मंदिर में लाखों की चोरी का खुलासा

2 आरोपी गिरफ्तार, 5 की तलाश जारी

उदयपुर, 10 मई (एजेंसियां)। उदयपुर के फतेहनगर स्थित खाटूश्यामजी मंदिर में हुई लाखों रुपए की चोरी का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि पांच अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। चित्तौड़गढ़ पुलिस ने अप्रैल माह में मंदिरों में हुई सिलसिलेवार चोरियों का खुलासा करते हुए उदयपुर जिले के फतेहनगर क्षेत्र स्थित खाटूश्यामजी मंदिर चोरी कांड का भी पर्दाफाश किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि चित्तौड़गढ़ में गिरफ्तार किए गए आरोपियों का संबंध उदयपुर के इस चर्चित चोरी मामले से भी है।

मनीषा त्रिपाठी ने बताया कि 16 और 17 अप्रैल की रात चित्तौड़गढ़ दुर्ग स्थित मल्लीनाथ जैन मंदिर में हुई चोरी के मामले में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान खाटूश्यामजी मंदिर चोरी का खुलासा हुआ। आरोपियों ने पूछताछ में फतेहनगर स्थित मंदिर में चोरी करना कबूल किया है।

दो आरोपी गिरफ्तार, पांच फरार

पुलिस ने निम्बाहेड़ा के पेमदियों का खेड़ा निवासी मिठूलाल नायक (40) और राशमी के पहुना निवासी कान्हा उर्फ कन्हैया नायक (29) को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने साथियों के साथ मिलकर मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

पुलिस के अनुसार इस वारदात में घनश्याम सालवी, देवीलाल रावत, राजू उर्फ राजमल कामड़, काजल उर्फ मनीषा और नारायण नायक भी शामिल थे। फिलहाल सभी फरार आरोपियों की तलाश जारी है। आपको अवगत करा दें कि 8 मार्च की रात फतेहनगर थाना क्षेत्र के मावली रोड स्थित लदाना गांव के खाटूश्यामजी मंदिर का ताला तोड़कर बदमाश दानपात्र में रखी लाखों रुपए की नकदी चोरी कर ले गए थे। मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में आरोपी दानपात्र तोड़कर नकदी को बोरे में भरते हुए साफ दिखाई दिए थे।

24 दवाओं के बिक्री-इस्तेमाल पर रोक

कोटा में प्रसूताओं की मौत के बाद सरकार का फैसला

कोटा, 10 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा स्थित न्यू मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पोस्ट-ऑपरेटिव गायनी वार्ड में प्रसूताओं की मौत के मामले लगातार तूल पकड़ रहा है। इसी बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कड़े निर्देशों के बाद राज्य सरकार और ड्रग कंट्रोल विभाग ने दोषियों के खिलाफ सख्त रुख अख्तियार किया है।

ड्रग कंट्रोलर ने शुक्रवार को एक आपातकालीन आदेश जारी कर कुल 24 दवाओं के विशिष्ट बैचों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। इन दवाओं में 15 दवाएं राजस्थान मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा खरीदी गई थीं, जबकि 9 दवाओं की खरीद स्थानीय स्तर पर अधीक्षक के आदेश से हुई थी।

दिए गए सख्त निर्देश

सभी निर्माताओं, स्टॉकिस्टों और थोक विक्रेताओं को आदेश दिया गया है कि जब तक इन दवाओं के सैंपल्स की 'सरकारी विश्लेषक' से रिपोर्ट नहीं आ जाती, तब तक इन्हें न बेचा जाए और न ही सप्लाई किया जाए। विभाग ने इसे 'अत्यंत आवश्यक' श्रेणी में रखते हुए मरीजों की सुरक्षा को सर्वोपरि बताया है।

प्रारंभिक जांच में चिकित्सा प्रोटोकॉल के उल्लंघन और गंभीर लापरवाही की पुष्टि होने के बाद प्रशासन ने कड़ा कदम उठाया है। सरकार ने जनरल सर्जरी विभाग के सह आचार्य डॉ. नवनीत कुमार को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा यूटीबी पर कार्यरत सहायक आचार्य डॉ. श्रद्धा उपाध्याय को बर्खास्त कर दिया गया है। ड्यूटी पर तैनात वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारी गुरजोत कौर और निमेश वर्मा को भी कार्य में लापरवाही, चिकित्सा प्रोटोकॉल की अनुपालना में कमी और मरीजों की निगरानी में शिथिलता के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित कर उनका मुख्यालय जयपुर कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री का सख्त संदेश

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने स्पष्ट किया है कि मरीजों की सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि अस्पताल प्रशासन को ऑपरेशन थिएटर प्रबंधन, एनेस्थीसिया प्रोटोकॉल और दवा वितरण प्रणाली की व्यापक समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

पूरे मामले की विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद अन्य दोषी अधिकारियों और चिकित्सकों के विरुद्ध भी कठोर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कोटा और बूंदी के औषधि अधिकारियों ने दवाओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भेज दिए हैं, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि मौतों का कारण दवाओं की गुणवत्ता थी या चिकित्सीय लापरवाही से।

'एसआई भर्ती परीक्षा में पुराने अभ्यर्थियों को मिले दोबारा मौका', कृषि मंत्री के पूर्व सरकार पर गंभीर आरोप

दौसा, 10 मई (एजेंसियां)। दौसा में मीडिया से बातचीत करते हुए कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने आरपीएससी द्वारा एसआई भर्ती परीक्षा दोबारा कराने के सवाल पर कहा कि उस समय परीक्षा में शामिल हुए अभ्यर्थियों को ही दोबारा मौका मिलना चाहिए और परीक्षा में वही शामिल हों। उन्होंने कहा कि ये अभ्यर्थी पिछले डेढ़ साल से न्याय की मांग कर रहे थे। ऐसे में यदि दूसरे अभ्यर्थियों को तत्काल आवेदन कर परीक्षा में शामिल होने दिया जाता है तो यह अन्यायपूर्ण कार्रवाई होगी।

विपक्ष में रहते युवाओं के मुद्दों को उठाने का दावा

कृषि मंत्री ने कहा कि विपक्ष में रहते हुए उनकी पार्टी ने युवाओं के हितों के लिए लगातार संघर्ष किया था और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन में हुए कथित घोटाले में एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर उन्होंने तीन दिन तक अशोक नगर थाने के बाहर धरना दिया था, लेकिन इसके उलट उन्हें ही गिरफ्तार कर चाकसू ले जाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में उन्होंने जिन भी मामलों को उठाया और जिन मुद्दों पर धरना-प्रदर्शन किया, उनमें उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। वीरांगना मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उस दौरान उनके कपड़े फाड़कर उन्हें बेइज्जत किया गया, जबकि उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार के सामने पूरे प्रमाणों के साथ अपनी बात रखी थी। मंत्री ने कहा कि यदि उस समय उनकी बात मान ली जाती तो आज यह स्थिति नहीं बनती।

स्काउट एंड गाइड संस्था पर घमासान : डोटासरा के आरोपों पर बचाव में शिक्षा मंत्री दिलावर

जयपुर, 10 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड संस्था को लेकर सियासी घमासान तेज हो गया है। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा द्वारा संस्था में करोड़ों रुपये के घोटाले और वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए जाने के बाद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने तीखा पलटवार किया है। दिलावर ने कहा कि डोटासरा उनके पुराने मित्र हैं, लेकिन अब वे मानसिक संतुलन खो चुके हैं और उन्हें किसी अच्छे मनोरोग अस्पताल में भर्ती कराया जाना चाहिए। दिलावर ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि डोटासरा राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित होकर बयानबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता तथ्यों के बिना आरोप लगा रहे हैं और जनता सब समझ रही है। दिलावर ने कहा कि भ्रष्टाचारी को सब भ्रष्टाचारी ही नजर आते हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में मेरा जवाब वही है जो पहले था... डोटासरा मानसिक रूप से बीमार हो चुके हैं और उन्हें इलाज की जरूरत है।

दरअसल, डोटासरा ने राजस्थान कॉपरेटिव सोसायटी एक्ट के तहत पंजीकृत हिंदुस्तान स्काउट एंड गाइड संस्था पर गंभीर आरोप लगाए। यह सारा मामला एक ट्वीट से शुरू हुआ। डोटासरा ने ट्वीट कर आरोप लगाए तो दिलावर ने उन्हें मानसिक रोगी बता दिया।

इसके बाद डोटासरा ने मीडिया के सामने इस पूरे मामले को रखा और कहा कि हिंदुस्तान स्काउट गाइड संस्था के नाम पर बड़ा घोटाला किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्था वर्तमान में मदन दिलावर के संरक्षण में संचालित हो रही है और इसमें शिविरों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा नियुक्तियों के नाम पर बड़े पैमाने पर वित्तीय गड़बड़ियां हुई हैं। डोटासरा ने आरोप लगाया कि मार्च 2025 में जयपुर के चाकसू में आयोजित पांच दिवसीय शिविर वास्तव में केवल एक दिन चला, लेकिन पांच दिन का पूरा शुल्क और खर्च दिखाकर राशि वसूली गई। उन्होंने दावा किया कि बोर्ड परीक्षाओं के दौरान आवासीय शिविर आयोजित होना संभव नहीं था, फिर भी फर्जी बिल और वाउचर बनाकर भुगतान लिया गया।

डोटासरा ने यह भी आरोप लगाया कि शिविर शुल्क संस्था के खाते में जमा होने के बजाय निजी खातों में ट्रांसफर किया गया। इसके लिए उन्होंने कथित यूपीआई ट्रांजेक्शन की रसीदें भी मीडिया को दिखाईं। उनके अनुसार संस्था से जुड़े पदाधिकारियों के निजी खातों में 23 लाख रुपये से अधिक जमा करवाए गए। डोटासरा ने संस्था में फर्जी हस्ताक्षर और मोहर के इस्तेमाल का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि एक सेवानिवृत्त जिला शिक्षा अधिकारी के नाम और हस्ताक्षर से दस्तावेज जारी किए गए।

चांदीपुरा वायरस से हुई थी 15 बच्चों की मौत!

एनआईवी पुणे की रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा

उदयपुर, 10 मई (एजेंसियां)। सलूंबर जिले के लसाड़िया और प्रतापगढ़ की पारसोला तहसील में गत अप्रैल महीने में एक के बाद एक 15 बच्चों की मौत चांदीपुरा वायरस से होने की आशंका है। 13 अप्रैल को राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी) पुणे की जांच में इन गांवों में जानवरों में चांदीपुरा वायरस की एंटीबॉडी मिली। सलूंबर जिले के लसड़िया ब्लॉक के घाटा और लालपुर गांव के जानवरों के दो सीरम नमूनों की जांच में इसकी पुष्टि हुई। तब तक दोनों गांवों में 5 बच्चों की मौत हो चुकी थी।

प्रतापगढ़ की पारसोला तहसील में 4 से ज्यादा सैंपल की रिपोर्ट में इस वायरस की पुष्टि हुई है। अब विभाग ने खजूरी गांव से मच्छरों और कीड़ों के सैंपल जांच के लिए पुणे भेजे हैं। यह वायरस रेबीज से भी कई गुना खतरनाक हैं।

इसके संक्रमित होने के बाद 24 से 48 घंटे में दर्दनाक मौत हो जाती है। इसके बाद 24 अप्रैल को लसाड़िया में 2 और बच्चियों की मौत हुई, जिसमें एक बच्ची की विसरा रिपोर्ट एफएसएल के पास गई।

इस पर सलूंबर जिले के सीएमएचओ डॉ. महेंद्र परमार का कहना है कि रिपोर्ट अभी तक नहीं आई। अब सवाल है कि जब क्षेत्र में इतने खतरनाक वायरस की पुष्टि हो गई थी तो प्रशासन ने वहां स्वास्थ्य सुविधाओं की क्या तैयारी की। सलूंबर जिले में 41 वेटरनरी डॉक्टर की जगह सिर्फ 9 डॉक्टर कार्यरत हैं। लसाड़िया तहसील में ही 10 चिकित्सा अधिकारी की जगह सिर्फ दो डॉक्टर हैं। वहीं, लेडी हेल्थ विजिटर के पूरे पद खाली हैं।

2 साल की बच्ची को जबड़े में दबोचकर ले भागा कुत्ता

मां की बहादुरी ने बचाई मासूम की जिंदगी

पाली, 10 मई (एजेंसियां)। पाली जिले में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। जिलेभर में आए दिन कुत्तों के हमलों की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन लोगों का आरोप है कि जिला प्रशासन की ओर से आवारा कुत्तों को पकड़ने के लिए कोई प्रभावी अभियान नहीं चलाया जा रहा। स्थानीय लोगों ने कई बार छोटे बच्चों और आमजन पर हो रहे हमलों को लेकर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की, मगर अब तक स्थिति में कोई खास सुधार नजर नहीं आया है।

इसी बीच बाली तहसील के नाना थाना क्षेत्र के शेरावाला गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां घर में सो रही 2 साल की मासूम बच्ची पर आवारा कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते ने बच्ची के सिर को जबड़े में दबोच लिया और उसे घसीटते हुए बाहर ले जाने लगा।

मां ने दिखाई बहादुरी, लकड़ी से किया हमला

बेटी की चीख-पुकार सुनकर मां दौड़ती हुई मौके पर पहुंची और बहादुरी दिखाते हुए लकड़ी से कुत्ते पर लगातार कई वार किए। इसके बाद कुत्ता बच्ची को छोड़कर भाग गया। गंभीर रूप से घायल बच्ची का इलाज पाली के बांगड़ जिला अस्पताल में जारी है। बच्ची के सिर पर करीब एक दर्जन टांके आए हैं।

पीड़ित बच्ची की मां चकूबाई ने बताया कि रात करीब 10 बजे उनकी 2 साल की बेटी संगीता घर के चौक में पलंग पर सो रही थी। उसके दो भाई कुछ दूरी पर दूसरे पलंग पर सो रहे थे। वह घर के अंदर काम कर रही थीं, जबकि उनके पति सवाराम गरासिया काम से बाहर गए हुए थे।

स्पा सेंटर पर पुलिस की रेड, संचालिका समेत 5 युवक हिरासत में; संदिग्ध गतिविधियों की जांच शुरू

अलवर, 10 मई (एजेंसियां)। शहर में स्पा सेंटरों की आड़ में चल रही कथित अवैध गतिविधियों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने एक स्पा सेंटर पर छापा मारकर संचालिका सहित पांच युवकों को हिरासत में लिया। इस कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

पार्क थाना प्रभारी आईपीएस रश्मि मीणा ने बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि शहर स्थित एक स्पा सेंटर में संदिग्ध गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम गठित कर मौके पर दबिश दी गई।

पुलिस कार्रवाई के दौरान स्पा सेंटर में पांच युवक संदिग्ध परिस्थितियों में मिले। वहीं सेंटर संचालित करने वाली युवती को भी हिरासत में लिया गया। पुलिस सभी लोगों से पूछताछ कर रही है और स्पा सेंटर से जुड़े दस्तावेजों व गतिविधियों की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार जांच पूरी होने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की गिरफ्त में लॉरेंस गैंग का हार्डकोर अपराधी

झुंझुनूं, 10 मई (एजेंसियां)। लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गैंग के कुख्यात शार्पशूटर सचिन भिवानी को पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर हरियाणा की जेल से गिरफ्तार कर झुंझुनूं कोर्ट में पेश किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चार दिन तक उससे पूछताछ की गई, जिसके बाद अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेजने के आदेश दिए। सचिन भिवानी का नाम पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड में भी प्रमुख आरोपियों में शामिल रहा है।

जांच एजेंसियों के मुताबिक सचिन भिवानी उन शूटरों में शामिल था जिन्होंने मूसेवाला पर बेहद करीब से

फायरिंग की थी। आरोपी को पुलिस 5 मई को प्रोडक्शन वारंट पर झुंझुनूं लेकर आई थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सचिन लंबे समय से लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ गैंग के लिए काम कर रहा था। राजस्थान, हरियाणा और पंजाब में उसकी सक्रियता मानी जाती है। उसके खिलाफ हत्या, रंगदारी, अपहरण, मारपीट और हत्या के प्रयास जैसे गंभीर अपराधों के दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज बताए जा रहे हैं। इनमें कई मर्डर केस भी शामिल हैं। झुंझुनूं के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि सचिन को वर्ष 2022 में दर्ज अपहरण और मारपीट के मामले में पूछताछ के लिए लाया गया था। पुलिस के मुताबिक भड़ौंदा गांव निवासी संदीप डांगी और गैंगस्टर संपत नेहरा के बीच पैसों के लेन-देन को लेकर विवाद हुआ था। आरोप है कि संपत नेहरा के कहने पर सचिन और उसके साथियों ने गुढ़ा मोड़ से संदीप डांगी का अपहरण किया और उसके साथ मारपीट कर उसे हरियाणा के लोहारू इलाके में छोड़ दिया था।

पीएम ने हैदराबाद में सिंधु अस्पताल का किया उद्घाटन

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद में स्थित सिंधु अस्पताल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने शहर और आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह अस्पताल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक सराहनीय प्रयास है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन द्वारा आधुनिक तकनीक और नवाचार के समावेश पर विशेष संतोष व्यक्त करते हुए इसे अत्यंत प्रशंसनीय बताया।

युवक की पीट-पीटकर हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अत्तापुर क्षेत्र में शनिवार रात कुछ लोगों के समूह ने एक एयर कंडीशनिंग सर्विसिंग तकनीशियन की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार, लंगर हाउज निवासी 24 वर्षीय मोहम्मद हुसैन उर्फ वसीम अत्तापुर रोड से गुजर रहा था। इसी दौरान खुशी फंक्शन हॉल के पास कुछ लोगों ने उसे रोक लिया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। जब उसने वहां से भागने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उसका पीछा कर उसे पकड़ लिया। अत्तापुर पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने धातु के नक्कल्स से युवक पर हमला किया, जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

ड्रंक एंड ड्राइव अभियान, 351 लोग पकड़े गए

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद ट्रैफिक पुलिस ने सप्ताहांत में चलाए गए विशेष ड्रंक एंड ड्राइव अभियान के दौरान 351 लोगों को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, पकड़े गए लोगों में 292 दोपहिया वाहन चालक, 30 तिपहिया चालक और 29 चारपहिया वाहन चालक शामिल हैं। जांच के दौरान कई लोगों में शराब की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई। अधिकारियों ने बताया कि पांच लोगों के खून में अल्कोहल का स्तर 300 मिलीग्राम प्रति 100 मिलीलीटर से अधिक दर्ज किया गया। सभी आरोपियों को अदालत में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं।

कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने एनएचएआई प्रमुख से की मुलाकात

आरआरआर और एनएच-65 विस्तार को तेज करने पर चर्चा

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सड़क एवं भवन निर्माण मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने रविवार को हैदराबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अध्यक्ष संतोष कुमार यादव से उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में राज्य में लंबित और प्रस्तावित राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की गई। बैठक का मुख्य फोकस क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजना तथा हैदराबाद—विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-65) के चौड़ीकरण पर रहा, जिसे क्षेत्र का सबसे व्यस्त और दुर्घटनाप्रवण मार्ग माना जाता है। मंत्री ने एनएच-65 के 8-लेन विस्तार कार्य को शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया और सड़क पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने एलबी नगर से हयातनगर तक नागपुर मॉडल की तर्ज पर 7.1 किलोमीटर लंबा डबल-डेकर एलिवेटेड कॉरिडोर प्रस्तावित किया है, जिसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पहले ही सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय को भेजी जा चुकी है। सूत्रों के अनुसार, एनएचएआई अध्यक्ष ने मंत्री को आश्वस्त किया कि क्षेत्रीय रिंग रोड और हैदराबाद—विजयवाड़ा हाईवे विस्तार की निविदा प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और कार्य शीघ्र शुरू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। मंत्री ने तेलंगाना में एनएचएआई द्वारा चल रही अन्य परियोजनाओं को भी शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया और कहा कि बेहतर सड़क संपर्क राज्य के आर्थिक विकास और क्षेत्रीय प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में विशेष मुख्य सचिव विकास राज, विशेष सचिव प्रवीण्या, एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी शिव शंकर तथा आरएंडबी विभाग के मुख्य अभियंता धर्मा रेड्डी और राजेश्वर रेड्डी सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

गोदावरी नदी पर बने नए पुल का एप्रोच रोड धंसा, यातायात प्रभावित

कोत्तागुडेम, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी पर बने दूसरे पुल का एप्रोच रोड उद्घाटन के दो वर्ष के भीतर ही धंस गया, जिसके बाद प्रशासन ने सरपाका और भद्राचलम के बीच नए पुल पर वाहनों की आवाजाही रोक दी है। यह घटना गुरुवार रात सरपाका स्थित पुल के दाहिने हिस्से में हुई। फिलहाल 60 साल पुराने पुराने पुल से दोनों दिशाओं में यातायात संचालित किया जा रहा है।

वाहन चालकों ने पुराने पुल पर दोतरफा यातायात को लेकर सुरक्षा चिंता जताई है। पुलिस ने लोगों से सावधानी बरतने और धीमी गति से वाहन चलाने की अपील की है। संबंधित विभागों के अधिकारी एप्रोच रोड धंसने के कारणों की जांच कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और निगरानी में लापरवाही के कारण यह स्थिति पैदा हुई।

करीब 98.45 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल का निर्माण राजदीप बिल्डकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने किया था और इसे पूरा होने में लगभग नौ वर्ष लगे। यह पुल तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ के बीच महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग माना जाता है। शुक्रवार से मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है, हालांकि नए पुल पर यातायात कब तक बहाल होगा, इसे लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है।

मूसी परियोजना के विरोध में संपत्ति मालिकों का दांडी मार्च

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मूसी नदी तट विकास परियोजना के तहत प्रस्तावित गांधी सरोवर परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण का विरोध करते हुए मधु पार्क रिज (एमपीआर) के कई संपत्ति मालिकों ने रविवार को दांडी मार्च निकाला। यह मार्च बंडलागुडा स्थित एमपीआर अपार्टमेंट से परेड ग्राउंड तक आयोजित किया गया, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा होनी थी। प्रदर्शनकारियों ने तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंदर राव के माध्यम से प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपने का निर्णय लिया। संपत्ति मालिकों का कहना है कि परियोजना के कारण उनके आवासीय अपार्टमेंट प्रभावित हो सकते हैं और उन्हें विस्थापन का सामना करना पड़ सकता है। मार्च में शामिल लोगों ने परियोजना से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव, भूमि हस्तांतरण, सामाजिक निगरानी की कमी और प्रभावित परिवारों के अधिकारों जैसे मुद्दों को भी उठाया। प्रदर्शनकारियों ने महात्मा गांधी के ऐतिहासिक दांडी मार्च की तर्ज पर विशेष पोशाक पहनकर विरोध दर्ज कराया।

सरकारी स्कूल की छात्रा को पार्किंग प्रबंधन परियोजना के लिए मिला पेटेंट

कुमराम भीम आसिफाबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहरों और कस्बों में पार्किंग की समस्या का समाधान खोजने वाली एक अभिनव विज्ञान परियोजना के लिए सरकारी स्कूल की सातवीं कक्षा की छात्रा अलसा ममता को पेटेंट प्रदान किया गया है। ममता ने भीड़भाड़ वाली जगहों में पार्किंग प्रबंधन को आसान बनाने के उद्देश्य से यह परियोजना तैयार की है।

सिरपुर (टी) मंडल के भूपालपटनम गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय की छात्रा ममता ने अपनी परियोजना में आईआर सेंसर और एलसी डिस्प्ले का उपयोग किया है। इस तकनीक के माध्यम से यह पता लगाया जा सकता है कि पार्किंग स्लॉट खाली है या भरा हुआ। अधिकारियों के अनुसार, यह मॉडल स्कूलों, अस्पतालों, शॉपिंग मॉल, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन जैसी

भीड़भाड़ वाली जगहों पर उपयोगी साबित हो सकता है।

केंद्र सरकार से पेटेंट मिलने के बाद ममता को अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने सम्मानित किया। विधायक हरीश बाबू ने इसे जिले के लिए गर्व का क्षण बताया। एक खेत मजदूर की बेटी ममता ने कहा कि वह भविष्य में इंजीनियर बनना चाहती है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने भी उसकी उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि यह सरकारी स्कूलों के छात्रों की प्रतिभा का उदाहरण है।

केबीआर पार्क क्षेत्र में वृक्ष कटाई के विरोध में प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पर्यावरणविदों और विभिन्न गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित 200 से अधिक लोगों ने रविवार शाम इंडो-अमेरिकन अस्पताल के पास हरित क्षेत्र में हो रही कटाई और खुदाई कार्यों के विरोध में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि विकास कार्यों के कारण इलाके का बड़ा हरित आवरण नष्ट हो रहा है। प्रदर्शन करीब एक घंटे तक चला, जिसमें लोगों ने काले कपड़े पहनकर विरोध दर्ज कराया और हाथों में तख्तियां लेकर केबीआर पार्क के फुटपाथों पर मार्च किया। इस दौरान हमें केबीआर पार्क चाहिए, फ्लाईओवर नहीं और अंधाधुंध वृक्ष कटाई बंद करो जैसे नारे लगाए गए। विरोध प्रदर्शन में युवाओं, वरिष्ठ नागरिकों और बच्चों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन कलाकार और चित्रकार रमानी मायलावरपु ने एक विशेष सहभागी प्रस्तुति भी दी, जिसने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

पानी के गड्ढे में गिरने से तीन वर्षीय बच्ची की मौत

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मोकिला के जनवाड़ा क्षेत्र में रविवार को घर के पास बने पानी के गड्ढे में गिरने से तीन वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, प्रियांशा नाम की बच्ची अपने माता-पिता के साथ जनवाड़ा गांव में रहती थी। रविवार सुबह वह घर से बाहर खेलने गई थी, लेकिन काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर उसके पिता के. शेखर ने उसकी तलाश शुरू की। इसके बाद स्थानीय लोग भी बच्ची की खोज में जुट गए। तलाश के दौरान पड़ोसियों ने घर के सामने बने पानी के गड्ढे की जांच की, जहां बच्ची डूबी हुई मिली।

करीमनगर में धान परिवहन में देरी, खरीद केंद्रों पर बढ़ा दबाव

करीमनगर, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में धान खरीद केंद्रों से चावल मिलों तक धान पहुंचाने में हो रही देरी के कारण खरीद केंद्रों पर धान की बोरियों का भारी जमाव हो गया है। वाहन की कमी और चावल मिलों में धान की अनलोडिंग में देरी को इसकी मुख्य वजह बताया जा रहा है। बेमौसम बारिश की आशंका के बीच किसान अपनी फसल को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

यासांगी सीजन में जिले में करीब 2.75 लाख एकड़ में धान की खेती की गई थी और लगभग 6.50 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। धान खरीद के लिए जिले में 318 खरीद केंद्र खोले गए हैं। शुरूआत में सरकार ने जीपीएस आधारित वाहनों और ऑनलाइन ट्रैकिंग प्रणाली के जरिए खरीद प्रक्रिया लागू की थी, लेकिन किसानों के विरोध के बाद इसे वापस लेना पड़ा।

अब खरीद प्रक्रिया शुरू होने के बावजूद हमालियों और वाहनों की कमी से काम प्रभावित हो रहा है। धान मिलों में एक ट्रक की अनलोडिंग में एक से दो दिन लगने से वाहन समय पर वापस नहीं लौट पा रहे हैं। चोप्पाडंडी विधायक मेडिपल्ली सत्यम ने भी गंगाधरा मंडल के दौरे के दौरान खरीद केंद्रों पर धान का ढेर देखकर कलेक्टर चित्रा मिश्रा से तुरंत अतिरिक्त ट्रक भेजने की मांग की।

मवेशियों की अवैध ढुलाई के आरोप में दो गिरफ्तार, तीन गायें बचाई गईं

आदिलाबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेरादिगोंडा मंडल के एक टोल प्लाजा पर रविवार तड़के पुलिस ने मवेशियों की अवैध ढुलाई के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान तीन गायों को बचाया गया, जबकि आरोपियों के कब्जे से एक मिनीवैन और मोबाइल फोन भी जब्त किया गया।

पुलिस के अनुसार, निर्मल निवासी शाहरुख कुरैशी और गुड़ीहथनूर निवासी मोहम्मद बिना आवश्यक अनुमति के गायों को ले जा रहे थे। विशेष जांच अभियान के दौरान पुलिस ने पाया कि जानवरों को वैन में ठूंसकर और उनके पैर बांधकर ले जाया जा रहा था। पूछताछ में दोनों ने बाजारहथनूर मंडल के अनंतपुर गांव से मवेशी खरीदकर उन्हें हैदराबाद ले जाने की बात स्वीकार की।

गच्चीबावली के पास चलती मर्सिडीज कार में लगी आग, वाहन जलकर खाक

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गच्चीबावली क्षेत्र के पास शनिवार रात एक चलती हुई मर्सिडीज-बेंज कार में अचानक आग लग गई, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना के दौरान आसपास मौजूद वाहन चालकों में भी दहशत फैल गई।

पुलिस के अनुसार, लग्जरी कार बंजारा हिल्स से वासेला मीडोज की ओर जा रही थी। इसी दौरान कोथागुडा में एसएलएनटी के पास कार से धुआं निकलता दिखाई दिया। स्थिति को भांपते हुए चालक ने तुरंत वाहन रोक दिया और कुछ ही क्षणों बाद कार आग की लपटों में घिर गई।

फिल्म सेंसर बोर्ड तेलंगाना के सदस्य और जांबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और शुभचिंतकों के साथ, सिकंदराबाद के परेड ग्राउंड में भारत के माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की सभा में शामिल होने जा रहे हैं। श्रीमती काजल गुप्ता, वेंकट रेड्डी, राजू यादव, पुल्लामुरी शंकर, हरिनाथ, रचना गुप्ता, संदीप जैन, बालाजी अनिल यादव, नरसिंह, दीना और भाजपा के अन्य वरिष्ठ कार्यकर्ता इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

नकली पुलिस बनकर अपहरण और वसूली का मामला, पांच गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बंजारा हिल्स क्षेत्र में पुलिस ने नकली पुलिस बनकर अपहरण और पैसे वसूलने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में पुलिस ने कुल पांच लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें दो कुख्यात अपराधी भी शामिल हैं। आरोप है कि ये लोग पुलिसकर्मी बनकर लोगों को निशाना बनाते थे।

मामले की शुरुआत आंध्र प्रदेश के निखिल नाम के व्यक्ति से जुड़ी बताई जा रही है, जिसने एक महिला से शादी का वादा किया था और करीब नौ महीने तक उसके साथ रहा। बाद में दोनों के बीच विवाद हो गया और निखिल ने महिला से दूरी बना ली। इसके बाद महिला ने गच्चीबावली पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें उसने निखिल पर पैसे लेने का भी आरोप लगाया था।

पैसे वापस पाने के लिए महिला ने एक दोस्त की मदद से कुछ अपराधियों से संपर्क किया। आरोप है कि इन अपराधियों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर निखिल, उसके दोस्त साई और महेश को अगवा कर एक फार्महाउस में बंद कर दिया और उनसे करीब 13 लाख रुपये वसूल लिए। बाद में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पूरे गिरोह को गिरफ्तार कर लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

'पेट्रोलियम उत्पादों का ...

ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

सामाजिक न्याय की ...

एक ऐसा व्यक्ति जिसने एक टूटे हुए राज्य को संभाला है और उसे फिर से संवारने के लिए समय मांग रहा है।

जोसेफ विजय ने कहा कि राज्य की हालत बहुत खराब है। उन्होंने पूर्व डीएमके सरकार के दौरान तमिलनाडु के वित्त पर एक श्वेत पत्र जारी करने का वादा किया। उन्होंने कहा कि मैं सबसे पहले श्वेत पत्र जारी करूंगा। पिछली सरकार ने हम पर 10 लाख करोड़ रुपये का कर्ज छोड़ा है।

विजय के भाषण में व्यक्तिगत अनुभव और प्रशासनिक चेतावनी दोनों का समावेश था। विजय ने सहायक निर्देशक के बेटे के रूप में अपने बचपन, गरीबी और भूख के बारे में बताया और कहा कि उनका संबंध किसी राजकुमार परिवार से नहीं है। उन्होंने श्रोताओं को याद दिलाया कि सिनेमा जगत में आने से पहले उन्हें अपमान और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि मैं आपका बेटा, आपका भाई हूं। आपने मुझे अपने दिलों में जगह दी है।

शपथ ग्रहण समारोह राजनीतिक रैली और फिल्म कार्यक्रम के समभावों के साथ संपन्न हुआ। सुबह 9 बजे तक स्टेडियम टीवीके कार्यकर्ताओं, फिल्म प्रेमियों, समर्थकों और आमंत्रित अतिथियों से भर चुका था। अभिनेत्री त्रिषा भी पहुंचीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी दिल्ली से आए और मंच पर अपनी सीट ग्रहण की। विजय के माता-पिता दर्शकों के बीच बैठे थे। टीवीके के वरिष्ठ नेता लगातार स्टेडियम में आते-जाते रहे और विशाल स्क्रीन पर उत्साहित समर्थकों को दृश्य दिखाए जाते रहे।

सुबह 10.24 बजे राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने विजय को पद की शपथ दिलाई। जिन्होंने कुछ समय के लिए तैयार पाठ से हटकर भाषण दिया, जिसके बाद राज्यपाल ने उन्हें विनम्रतापूर्वक आधिकारिक पाठ का पालन करने के लिए कहा।

तमिलनाडु के लिए यह क्षण एक विचित्र राजनीतिक समरूपता लेकर आया। लगभग छह दशकों से राज्य ने सीएन अन्नादुरई, एमजी रामचंद्रन, एम करुणानिधि और जे जयललिता जैसी हस्तियों के माध्यम से सिनेमा और राजनीति के परस्पर प्रभाव को बार-बार देखा है। लेकिन विजय का उदय एक अलग तरह की राजनीतिक ऊर्जा से हुआ, जो कार्यकर्ताओं पर कम, प्रशंसकों पर अधिक आधारित थी, डिजिटल संस्कृति द्वारा बदला हुआ था और पुरानी व्यवस्था से असंतुष्ट युवा मतदाताओं द्वारा समर्थित थी। रविवार को यही प्रशंसक ऊर्जा राज्य सत्ता में तब्दील हो गई।

शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद विजय के साथ नौ विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। जिनमें टीवीके के वरिष्ठ नेता 'बुस्सी' एन आनंद, आधव अर्जुन, केए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरामनन, आर निर्मलकुमार और राजमोहन शामिल थे।

टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन को 234 सदस्यीय विधानसभा में 120 विधायकों का समर्थन मिलने के बाद राज्यपाल ने शनिवार को विजय को औपचारिक रूप से सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था।

कांग्रेस, सीपीआई, सीपीआई (एम), विदुथलाई चिरुथिगल कच्ची(वीसीके) और आईयूएमएल से समर्थन पत्र प्राप्त होने के बाद बहुमत का अंतिम चरण पूरा हुआ। जिससे सरकार गठन को लेकर कई दिनों से चल रही अनिश्चितता और अटकलों का अंत हुआ। विजय को अब 13 मई से पहले विधानसभा में अपना बहुमत साबित करना होगा।

विजय ने अपनी जीत को केवल चुनावी जीत के बजाय तमिलनाडु की जनता के प्रति भावनात्मक ऋण के रूप में बार-बार प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में इसलिए आया ताकि आपके प्रति अपने कृतज्ञता के ऋण को चुका सकूं। उन्होंने अपने प्रशासन और पिछले प्रशासन के बीच स्पष्ट अंतर बताने का भी प्रयास किया और पारदर्शी शासन का वादा किया। विजय ने कहा कि उनकी सरकार लोगों का पैसा नहीं लूटेगी और झूठे वादे न करने का संकल्प लिया।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-North-WAT-19-2026, दिनांक: 04.05.2026

कार्य का नाम : वाल्टेयर मंडल के विभिन्न ब्लॉक सेक्शनों पर पॉइंट्स और क्रॉसिंग के एमसीआई (MCI) इन्सर्ट्स का नवीनीकरण, जिसमें घिसे हुए हिस्से को वांछित ऊंचाई तक पुन: प्राप्त करना और खोए हुए टो-लोड (Toe Load) को बहाल करने के लिए तैयार प्रोफाइल की ग्राइंडिंग करना शामिल है।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 5,03,07,210.00, EMD : ₹ 10,06,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

(2) सूचना सं.: eT-North-WAT-20-2026, दिनांक: 04.05.2026

कार्य का नाम : वाल्टेयर मंडल की आर.वी. (RV) लाइन पर सहायक मंडल अभियन्ता / रायगड़ के अधिकार क्षेत्र के अधीन रायगड़ - लाड्डा के बीच कटिंग में डायनेमिक रॉकफॉल बैरियर, वायर रोप नेटिंग, SDA आदि की व्यवस्था द्वारा ट्रैक की सुरक्षा से संबंधित शेष कार्य।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 2,68,08,395.70, EMD : ₹ 5,36,200/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 06 (छह) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 28.05.2026 को 1500 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-132/R/26-27

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

राजस्थान रॉयल्स हार गई, मगर अकेले वैभव सूर्यवंशी 6 टीमों पर भारी पड़ गए, अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा

जयपुर, 10 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स को एक और हार से दो चार होना पड़ा है. गुजरात टाइटंस से 9 मई को खेले मुकाबले में मिली हार के बाद उसके प्लेऑफ में पहुंचने की स्थिति अगर-मगर वाली हो गई है. लेकिन, एक तरफ जहां राजस्थान रॉयल्स हार गई, वहीं दूसरी ओर उसी हारे मैच के बाद वैभव सूर्यवंशी अकेले 6 टीमों पर भारी पड़ गए. उन्होंने अभिषेक शर्मा का बनाया रिकॉर्ड भी तोड़ डाला. क्या है अभिषेक का वो रिकॉर्ड जो टूटा और कैसे वैभव सूर्यवंशी पड़े 6 टीमों पर भारी, आइए जानते हैं.

वैभव सूर्यवंशी कैसे पड़े 6 टीमों पर भारी?

वैभव सूर्यवंशी ने जिस मामले में आईपीएल 2026 के अंदर 6 टीमों पर अपना वर्चस्व कायम किय़ा है, वो पावरप्ले में सबसे ज्यादा छक्के लगाने से जुड़ा है. आईपीएल 2026 के पावरप्ले में वैभव सूर्यवंशी ने अब तक 32 छक्के लगाए हैं, जो कि 6 टीमों के पावरप्ले में लगाए कुल छक्कों की संख्या से ज्यादा है. आईपीएल 2026 के 52 मैचों तक पावरप्ले में लखनऊ सुपर जायंट्स ने 29 छक्के लगाए हैं. गुजरात टाइटंस ने 28 छक्के लगाए हैं. कोलकाता नाइट राइडर्स ने 24 छक्के जड़े हैं. वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स ने 22-22 छक्के लगाए हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड कैसे तोड़ा?

आईपीएल 2026 के पावरप्ले में छक्के लगाने के मामले में वैभव सूर्यवंशी अकेले 6 टीमों से तो आगे हैं ही उसके अलावा उन्होंने अभिषेक शर्मा का भी रिकॉर्ड तोड़ा है. आईपीएल के एक सीजन के पावरप्ले में अब तक सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले खिलाड़ी अभिषेक शर्मा हैं. उन्होंने आईपीएल 2024 में 29 छक्के पावरप्ले में जड़ते हुए ये रिकॉर्ड अपने नाम किया है. लेकिन, आईपीएल 2026 के पावरप्ले में वैभव सूर्यवंशी अब तक 32 छक्के लगा चुके हैं.

वैभव सूर्यवंशी आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के अभिषेक शर्मा के बनाए भारतीय रिकॉर्ड से भी ज्यादा दूर नहीं है. उन्होंने आईपीएल 2026 में अब तक 40 छक्के लगाए हैं. जबकि अभिषेक शर्मा ने एक सीजन में जो रिकॉर्ड बनाया है, वो 42 छक्कों का है. उम्मीद है कि आने वाले मैचों में वो अभिषेक शर्मा के उस रिकॉर्ड को भी तोड़ देंगे.

वैभव सूर्यवंशी ने टी-20 में सबसे तेज 100 छक्के पूरा करने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले ही ओवर में यह उपलब्धि हासिल की। वैभव ने 514 गेंदों में 100 छक्के पूरे कर वेस्टइंडीज के किरोन पोलार्ड का रिकॉर्ड तोड़ा। पोलार्ड ने 843 गेंदें खेली थीं।

चेन्नई सुपर किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 5 विकेट से हराया

चेन्नई, 10 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 के हाई वोल्टेज मुकाबले में चेन्नई सुपरकिंग्स ने लखनऊ सुपरजायंट्स को 5 विकेट से धूल चटा दी है. ऐतिहासिक चेपॉक मैदान में जोश इंग्लिश का जलवा देखने को मिला जिसे उर्विल पटेल की पारी ने फीका कर दिया. चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने टॉस जीतकर लखनऊ सुपरजायंट्स को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया. ओपनर जोश इंग्लिश और मिचेल मार्श ने मिलकर एलएसजी को एक शानदार शुरुआत दी, और पहले विकेट के लिए 77 रन की पार्टनरशिप की. मार्श को 10 रन के निजी स्कोर पर अंशुल कंबोज ने अपना शिकार बनाया, लेकिन मार्श ने मैदान में तूफान ला दिया, इस ऑस्ट्रेलियन बैटर ने धमाकेदार पारी खेलते हुए 33 गेंदों में 10 चौके और 6 छक्कों की मदद से 85 रन बनाए, इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 257.57 रहा, उन्हें जेमी ओवरटन ने पवेलियन भेजा. हालांकि तीसरे नंबर पर आए निकोलस पूरन एक बार फिर फ्लॉप रहे, इस कैरेबियन बैटर को नूर अहमद ने महज 1 रन के निजी स्कोर पर आउट किया. फिर ऋषभ पंत (15 रन), एडेन मारकरम (6 रन) और अंगकृष रघुवंशी (18 रन) सस्ते में निपट गए. शहबाज अहमद 25 गेंदों में 3 चौके और 3 छक्के की मदद से नाबाद 43 रन का अहम योगदान दिया. हिम्मत सिंह ने 17 रन बनाए, जिसकी मदद से लखनऊ का स्कोर निर्धारित 20 ओवर में 203/8 तक पहुंच गए. गेंदबाजी की बात करें तो जेमी ओवरटर्न ने 3, अंशुल कंबोज ने 2 और नूर अहमद ने 1 विकेट हासिल करें. 204 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स की तरफ से ओपनर संजू सैमसन ने 14 गेंदों में 200.00 की स्ट्राइक रेट से 28 रन बनाए, जिसमें 3 चौके और 2 छक्के शामिल रहे, वो तेजी रन बना ही रहे थे कि दिगवेश राठी ने उन्हें क्लीन बोल्ड कर दिया. इसके बावजूद येलो आर्मी के रनों की रफ्तार नहीं रुकी, तीसरे नंबर पर आए उर्विल पटेल ने एलएसजी के बल्लेबाजों की जमकर धुनाई की, उन्होंने 23 गेंदों 2 चौके और 8 छक्के की मदद से 65 रन ठोके, जिसमें स्ट्राइक रेट 282.60 का रहा, उन्होंने शहबाज अहमद ने आवेश खान के हाथों कैच आउट करा दिया.

सीएसके कैप्टन ऋतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंदों में 3 चौके और 2 छक्कों की मदद से 42 रन बनाए, उन्हें शहबाज अहमद ने क्लीन बोल्ड कर दिया. डेवाल्ड ब्रेविस को दिगवेश राठी ने 10 रन के निजी स्कोर पर क्लीन बोल्ड कर दिया. इसके अलावा कार्तिक शर्मा 20 ही रन बना पाए थे, कि आवेश खान ने उनका शिकार कर लिया. हालांकि येलो आर्मी ने वक्त रहती टोटल स्कोर को चेज कर लिया.

आरआर छोड़ सीएसके में शामिल होने पर संजू सैमसन क्यों नहीं बने कप्तान? खुद बताया असली कारण

चेन्नई, 10 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन का राजस्थान रॉयल्स छोड़कर चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होना फैंस के लिए हैरान करने वाला था. संजू सालों तक RR का हिस्सा रहे और उन्होंने कप्तानी की. हालांकि, सीएसके में शामिल होने के बाद उन्हें कप्तान नियुक्त नहीं किया गया. ऋतुराज गायकवाड़ कप्तानी कर रहे हैं और संजू एक खिलाड़ी के तौर पर खेल रहे हैं. अब संजू सैमसन ने बताया कि सीएसके का हिस्सा बनने के लिए उन्होंने मैनेजमेंट से कप्तानी की मांग क्यों नहीं की.

संजू सैमसन ने क्यों नहीं मांगी कप्तानी?

सुपर किंग्स पॉडकास्ट पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर अभिनव मुकुंद से बात करते हुए संजू सैमसन ने सीएसके से कप्तानी की मांग नहीं करने के पीछे का कारण बताया. उनका मानना है कि जब आप किसी नई जगह जाते हैं, तो वहां डिमांड नहीं कर सकते. आपको पहले खुद को साबित करना होता है. उन्होंने कहा, 'नहीं. मेरे पास पहले ही एक टीम थी. मेरे पास पहले से ही अपनी जगह थी. मैं वहां से बाहर आकर किसी अन्य टीम का हिस्सा बनना चाहता था. ऐसी स्थिति में आप अपनी शर्तें नहीं रख सकते. ईमानदारी से कहूं, तो जब आप नया घर ढूंढते हैं, तो फिर आप वहां जाकर अपनी मांग नहीं रख सकते. मैंने यह चीज सीखी है.'

संजू ने आगे कहा, 'आप नई जगह जाकर अपनी काबिलियत साबित करना चाहते हैं. आप जैसे हैं, वैसे ही व्यवहार करते हैं. कुछ अन्य चीजें भी मायने रखती हैं. कई मलयाली लोग चेन्नई में काम करते हैं. कई मलयाली लोग दुबई में काम करते हैं. आप मलयाली लोगों को इसलिए चुनते हैं, क्योंकि वो अपने भरोसे की कीमत चुकाने के लिए अपना पूरा जीवन दे सकते हैं. सीएसके ने मेरे ऊपर भरोसा किया और मुझे बुलाया. मैं अपना सबकुछ देने के लिए तैयार हूं.'

रेसलर विनेश 26 जून तक घरेलू मुकाबले नहीं खेल पाएंगी

डोपिंग नियमों के उल्लंघन पर बैन; रेसलिंग फेडरेशन ने कहा- उनके व्यवहार से शर्मिंदगी हुई

जींद, 10 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती महासंघ ने सीनियर महिला पहलवान विनेश फोगाट को अनुशासनहीनता और एंटी-डोपिंग नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए शो-कॉज नोटिस जारी किया है. महासंघ ने उन्हें 26 जून 2026 तक घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेने से भी बैन कर दिया है. उन्होंने पिछले साल ही संन्यास से वापसी की थी और गोंडा में नेशनल ओपन रैंकिंग कुश्ती टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थीं. लगभग 18 महीने बाद कुश्ती में वापसी से पहले ही उन्हें ये बड़ा झटका लगा है.

विनेश फोगाट पर बड़ा एक्शन

15 पन्नों के इस नोटिस में भारतीय कुश्ती महासंघ ने विनेश पर गंभीर आरोप लगाए हैं. महासंघ का कहना है कि उनके आचरण से देश की छवि खराब हुई है और भारतीय कुश्ती को नुकसान पहुंचा है. इसमें डब्ल्यूएफआई संविधान, यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग के अंतरराष्ट्रीय नियमों और एंटी-डोपिंग प्रावधानों का उल्लंघन बताया गया है. महासंघ ने चार आरोपों पर विनेश से सफाई मांगी है. इनमें 2024 पेरिस ओलंपिक में वजन कटौती में नाकामी के कारण हुई अयोग्यता, एंटी-डोपिंग नियमों के तहत कथित लोकेशन विफलताएं और मार्च 2024 में आयोजित चयन ट्रायल्स में दो अलग-अलग वेट कैटेगरी में कॉम्पिटिशन करना शामिल है.

डब्ल्यूएफआई ने साफ कहा है कि संन्यास से वापसी करने वाले एथलीट्स के लिए यूडब्ल्यूडब्ल्यू एंटी-डोपिंग नियमों के तहत छह महीने की नोटिस अवधि पूरी न करने के कारण विनेश घरेलू नेवल पर कोई मुकाबला नहीं खेल सकेंगी. इस बैन के चलते 10 से 12 मई तक गोंडा में होने वाले नेशनल ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भी उनका नाम शामिल नहीं होगा, जिसे उनका कमबैक इवेंट माना जा रहा था. विनेश फोगाट को इस नोटिस का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया गया है.

यशस्वी जायसवाल से भी मांगा गया जवाब

विनेश फोगाट के अलावा नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी ने दिसंबर में टेस्ट के लिए उपलब्ध न होने के कारण टीम इंडिया के युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल और महिला टीम की युवा ओपनर शेफाली वर्मा को नोटिस भेजा है. बीसीसीआई और आईसीसी से भी इसकी शिकायत की गई है. इसे व्हेयरअबाउट क्लॉज का उल्लंघन कहा जाता है और यशस्वी-शेफाली ने इसका ही उल्लंघन किया है. एनएडीए ने दोनों को नोटिस भेजकर 7 दिन के अंदर जवाब मांगा है.

120 साल बाद दिखी ऐसी हैट्रिक : 18 साल के गेंदबा जटॉम नॉर्टन ने डेब्यू मैच में रचा इतिहास

लंदन, 10 मई (एजेंसियां)। हैट्रिक लेने की चाहत हर गेंदबाज की होती है. लेकिन, जब वो हैट्रिक डेब्यू मैच में ही मिल जाए तो कहने ही क्या? कुछ ऐसा ही 18 साल के गेंदबाज टॉम नॉर्टन के साथ हुआ है, जिन्होंने अपने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर कमाल की हैट्रिक ली. ऐसा करते हुए उन्होंने ना सिर्फ इतिहास रचा बल्कि काउंटी चैंपियनशिप में ऐसी हैट्रिक भी 120 साल बाद देखने को मिली है. टॉम नॉर्टन ने ग्लेमॉर्गन की ओर से समरसेट के खिलाफ डेब्यू किया, जिसकी दूसरी पारी में उन्होंने अपनी हैट्रिक पूरी की.

टॉम नॉर्टन ने फर्स्ट क्लास डेब्यू पर ली हैट्रिक

ग्लेमॉर्गन और समरसेट के बीच कार्डिफ के सोफिया गार्डन पर काउंटी चैंपियनशिप का मुकाबला खेला जा रहा है. इस मुकाबले में दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में समरसेट ने 6 विकेट पर 32 रन बनाए, जिसमें से 4 विकेट, हैट्रिक के साथ टॉम नॉर्टन ने अकेले लिए. टॉम नॉर्टन ने अपने डेब्यू मैच में जिन 3 बल्लेबाजों को आउट कर अपनी हैट्रिक पूरी की, उसमें जेम्स रियू, टॉम लैमोनबी और माइकल वॉन के बेटे आर्ची वॉन का नाम शामिल रहा. इनके अलावा उन्होंने विल स्मिड को आउट किया और दूसरी पारी में अपना चौथा शिकार किया.

टॉम नॉर्टन ने रचा इतिहास, 120 साल बाद हुआ ऐसा

समरसेट के खिलाफ हैट्रिक लेकर टॉम नॉर्टन ने इतिहास रचा. वो फर्स्ट क्लास डेब्यू पर हैट्रिक लेने वाले ग्लेमॉर्गन के सबसे कम उम्र के गेंदबाज बन गए हैं. 1906 के बाद वो पहले खिलाड़ी हैं, जिन्होंने काउंटी चैंपियनशिप में फर्स्ट क्लास डेब्यू पर हैट्रिक लिया है. सीधे शब्दों में कहें तो 120 साल बाद ऐसी हैट्रिक दिखी है जो काउंटी चैंपियनशिप में पहले नहीं दिखी.

ग्लेमॉर्गन और समरसेट के मुकाबले का हाल

काउंटी चैंपियनशिप के मुकाबले की बात करें तो अपनी पहली पारी में 354 रन बनाने वाली समरसेट का कमाल दूसरी पारी में वैसा नहीं दिखा है. दूसरी पारी में समरसेट ने 32 रन पर ही 6 विकेट गंवा दिए हैं. इस बीच ग्लेमॉर्गन की पहली पारी 229 रन पर खत्म हुआ. समरसेट को फर्स्ट इनिंग में लीड जरूर मिली है. मगर उनकी दूसरी पारी पर नकेस कसकर ग्लेमॉर्गन मैच में वापसी करती दिख रही है.

पाकिस्तान के ओपनर ने डेब्यू टेस्ट में जमाया शतक

14 खिलाड़ियों में आया नाम, 17 साल बाद हुआ ऐसा

इस्लामाबाद, 10 मई (एजेंसियां)। शतक किस बल्लेबाज की चाहत नहीं होती? लेकिन क्रिकेट की इंटरनेशनल पिच पर कदम रखते ही वो शतक बल्ले से फूट पड़े तो फिर उस बल्लेबाज के वारे-न्यारे ही हो जाते हैं. कुछ ऐसा ही पाकिस्तान के 21 साल के ओपनर अजान अवैस का भी हाल है. बांग्लादेश के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के पहले मैच में अजान अवैस को डेब्यू का मौका मिला. बस फिर क्या था अपनी डेब्यू इनिंग में ही उन्होंने सैंकड़ा जड़ दिया. इस कामयाबी के बाद ना सिर्फ उनका 14 खिलाड़ियों में नाम दर्ज हुआ बल्कि पाकिस्तान क्रिकेट में भी वो देखने को मिला, जो 17 साल से नहीं हुआ था. अजान अवैस ने ढाका में खेले जा रहे पाकिस्तान-बांग्लादेश पहले टेस्ट के तीसरे दिन शतक जमाया. उन्होंने पाकिस्तान की पहली पारी में ओपनिंग करते हुए 165 गेंदों पर 103 रन 14 चौके की मदद से बनाए. अपने डेब्यू टेस्ट की डेब्यू इनिंग में शतक की स्क्रिप्ट हालांकि अजान अवैस ने 152वीं गेंद पर ही लिख दी थी. इस तरह वो पाकिस्तान के लिए डेब्य टेस्ट में शतक जमाने वाले 14वें बल्लेबाज बने.

14 खिलाड़ियों में दर्ज हुआ नाम

अजान अवैस से पहले डेब्यू टेस्ट में जिन पाकिस्तानी बल्लेबाजों ने शतक लगाए, उसमें कामरान गुलाम, आबिद अली, उमर अकमल, फवाद आलम, यासिर हमीद. तौफीक उमर, यूनिस खान, अजहर महमूद, अली नकवी, एम. वसीम, सलीम मलिक, जावेद मियांदाद और खालिद इब्दुल्लाह का नाम है. अजान अवैस पाकिस्तान के लिए डेब्यू टेस्ट में शतक जमाने वाले 14वें बल्लेबाज तो हैं मगर घर के बाहर ऐसा करने वाले सिर्फ तीसरे पाकिस्तानी है. उन्होंने इस मामले में 17 साल के इंतजार को खत्म किया है. पाकिस्तान में घर से बाहर टेस्ट डेब्यू पर शतक फवाद आलम ने श्रीलंका के खिलाफ और उमर अकमल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया था.

गुजरात लगातार चौथी जीत से नंबर-2 पर

खेल डेस्क, 10 मई (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल में राजस्थान को 77 रन से हरा दिया। सवाई मानसिंह स्टेडियम में मिली जीत से टीम पॉइंट्स टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई। नेट रन रेट कम होने से टीम पहले स्थान पर नहीं पहुंच सकी। वहीं, राजस्थान 5वें नंबर पर खिसक गई।

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान ने टॉस जीता। गुजरात ने 20 ओवर में 3 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में राजस्थान 16.3 ओवर में 152 रन पर ऑलआउट हो गई। 4 विकेट लेने वाले राशिद खान प्लेयर ऑफ द मैच बने।

टाइटंस ने सीजन में 7वां मैच जीता, राजस्थान की 5वीं हार

गुजरात ने मौजूदा सीजन में लगातार चौथी जीत दर्ज की। वहीं, राजस्थान को लगातार दूसरे और ओवरऑल पांचवें मैच में हार झेलनी पड़ी। शुभमन गिल की टीम ने 11 में से 7 मैच जीते हैं और 4 हारे हैं। टीम के पास 14 अंक हैं। प्लेऑफ में पहुंचने के लिए उसे एक और जीत चाहिए।

राजस्थान ने सीजन में 5वां मैच गंवाया। उसके 11 मैचों में 12 अंक हैं। टीम अब भी 18 अंक तक पहुंचकर प्लेऑफ में जगह बना सकती है।

ऑरेंज कैप के टॉप-3 पोजिशन में कोई बदलाव नहीं

सीजन के 51 मैचों के बाद सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 494 रन के साथ ऑरेंज कैप लीडरबोर्ड में टॉप पर हैं। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा 475 रन के साथ दूसरे और दिल्ली कैपिटल्स के केएल राहुल 468 रन के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

कगिसो रबाडा को पर्पल कैप मिली

गुजरात के कगिसो रबाडा ने राजस्थान के खिलाफ 2 विकेट लिए। इसके साथ वह पर्पल कैप की रेस में पहले स्थान पर पहुंच गए। उनके सीजन में 18 विकेट हो गए हैं। बेंगलुरु के भुवनेश्वर कुमार और चेन्नई के अंशुल कम्बोज 17-17 विकेट के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

आईपीएल में 11 गेंद का ओवर करने वाले 7वें गेंदबाज बने जोफ्रा आर्चर

खेल डेस्क, 10 मई (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) में गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने पहले ओवर में काफी खराब गेंदबाजी की। जोफ्रा का लाइन और लेंथ पर नियंत्रण नहीं था। उन्होंने 11 गेंद का ओवर किया। उन्होंने 4 वाइड और एक नोबॉल की और आईपीएल में सबसे बड़ा 11 गेंद का ओवर करने वाले 7वें गेंदबाज बने। इसके साथ ही जोफ्रा आर्चर का नाम मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह जैसे गेंदबाजों के अनचाहे क्लब में दर्ज हो गया। हालांकि, उनके नाम आईपीएल में मैच का सबसे लंबा पहला ओवर करने का अनचाहा रिकॉर्ड हो गया। जोफ्रा के ओवर की बात करें तो पहली गेंद पर साई सुदर्शन स्ट्राइक पर थे। उन्होंने जोफ्रा आर्चर का स्वागत चौके से किया।

वर्ल्ड कप खेलेगा ईरान, लेकिन रखीं 10 शर्तें!

मेजबान देशों के सामने बड़ी चुनौती

तेहरान, 10 मई (एजेंसियां)। ईरान फुटबॉल महासंघ ने साफ कर दिया कि राष्ट्रीय टीम 2026 फीफा वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगी। पिछले कुछ हफ्तों से टीम की भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी, लेकिन अब इस पर विराम लग गया है। 2026 फीफा वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा। ईरान ने क्वालिफिकेशन राउंड के जरिए सीधे टूर्नामेंट में जगह बनाई थी।

फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि टीम हिस्सा जरूर लेगी, लेकिन मेजबान देशों को उनकी चिंताओं पर ध्यान देना होगा। सबसे बड़ी मांग वीजा से जुड़ी है। ईरान चाहता है कि खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, पत्रकारों और समर्थकों को बिना किसी परेशानी के वीजा दिया जाए। एयरपोर्ट पर अतिरिक्त पूछताछ या इमिग्रेशन अड़चनें नहीं होनी चाहिए। मेहदी ताज ने खास तौर पर स्टार खिलाड़ियों मेहदी तारेमी और एहसान हजसाफी का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें भी बिना रुकावट प्रवेश मिलना चाहिए।

ईरान ने सुरक्षा व्यवस्था को भी अहम मुद्दा बताया है। टीम ने मांग की है कि एयरपोर्ट, होटल, यात्रा मार्ग और स्टेडियम में विशेष सुरक्षा दी जाए। इसके अलावा ईरान ने कहा है कि उनके मैचों के दौरान स्टेडियम में केवल मुकाबला खेल रही दोनों टीमों के आधिकारिक राष्ट्रीय ध्वज ही लाने की अनुमति होनी चाहिए।

ईरान ने यह भी मांग रखी कि हर मैच से पहले उनका राष्ट्रगान सही तरीके से और बिना किसी व्यवधान के बजाया जाए। ईरानी महासंघ चाहता है कि मैच से पहले और बाद की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल केवल फुटबॉल से जुड़े हों। राजनीतिक या बाहरी मुद्दों पर सवाल न पूछे जाएं।

महासंघ ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'हम निश्चित रूप से 2026 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे, लेकिन मेजबानों को हमारी चिंताओं का ध्यान रखना होगा। कोई बाहरी शक्ति हमें उस टूर्नामेंट से वंचित नहीं कर सकती, जिसके लिए हमने योग्यता के दम पर जगह बनाई है।' ईरान को ग्रुप जी में न्यूजीलैंड, बेल्जियम और मिस्र के साथ रखा गया है। टीम अपना पहला मैच 15 जून को लॉस एंजेलिस में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद 21 जून को बेल्जियम और 26 जून को सिएटल में मिस्र से मुकाबला होगा। टूर्नामेंट शुरू होने में पांच हफ्ते से भी कम समय बचा है। अब सबकी नजर इस बात पर रहेगी कि अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको ईरान की शर्तों पर क्या रुख अपनाते हैं।

अगर इन मांगों पर सहमति बनती है, तो ईरान की तैयारियां बिना किसी विवाद के आगे बढ़ सकती हैं। लेकिन अगर मतभेद बने रहे, तो वर्ल्ड कप से पहले यह मामला और गर्मा सकता है।

इंटरमीडिएट में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ववत तरीके से संचालित की जाए : रेवंत रेड्डी

सीएम ने अधिकारियों को दिए निर्देश

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इस वर्ष इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ववत तरीके से संचालित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रवेश प्रक्रिया के लिए सीमित समय उपलब्ध है और इंटरमीडिएट शिक्षा को सामान्य स्कूली शिक्षा प्रणाली में विलय करने की प्रक्रिया में कई तकनीकी बाधाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में विद्यार्थियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए तत्काल प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाए। तेलंगाना शिक्षा आयोग ने इंटरमीडिएट शिक्षा प्रणाली को समाप्त कर सीबीएसई मॉडल की तर्ज पर कक्षा 11वीं और 12वीं लागू करने की सिफारिश की थी। आयोग का मानना है कि नई शिक्षा व्यवस्था से विद्यार्थियों के बीच पढ़ाई छोड़ने की समस्या में कमी आएगी। अधिकांश राज्यों में पहले से ही 11वीं और 12वीं की व्यवस्था लागू है, जबकि तेलंगाना में इंटरमीडिएट शिक्षा अलग प्रणाली के रूप में जारी है। बताया गया कि सरकारी स्कूलों से 10वीं उत्तीर्ण करने वाले अनेक विद्यार्थी अलग इंटरमीडिएट कॉलेजों में प्रवेश नहीं ले पा रहे हैं, जिसके कारण वे पढ़ाई बीच में ही छोड़ रहे हैं। इसी पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री ने इंटरमीडिएट शिक्षा को अलग व्यवस्था के बजाय नियमित स्कूली शिक्षा में 11वीं और 12वीं कक्षाओं के रूप में शामिल करने का सुझाव दिया। हालांकि, इंटरमीडिएट प्रवेश स्थगित किए जाने की घोषणा से विद्यार्थियों और अभिभावकों में चिंता बढ़ गई थी। वर्तमान स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री ने सांसद वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव शेषाद्रि, विशेष सचिव अजित रेड्डी, सचिव माणिक राज तथा शिक्षा विभाग की आयुक्त योगिता राणा के साथ बैठक कर प्रस्तावित विलय से जुड़े विभिन्न तकनीकी मुद्दों और चुनौतियों की समीक्षा की। बैठक में फिलहाल विलय प्रक्रिया को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस विषय पर सभी संबंधित पक्षों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया जाए। साथ ही तेलंगाना शिक्षा नीति तैयार करने के लिए गठित समिति से भी इस मुद्दे का अध्ययन कर सुझाव देने को कहा गया है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय विधानसभा में व्यापक चर्चा के बाद ही लिया जाएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने तिरुमला मंदिर में किए दर्शन

तिरुमला, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार सुबह तिरुमला स्थित भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में पूजा-अर्चना की। श्रीवारी मंदिर पहुंचने पर तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी वेंकैया चौधरी तथा मंदिर के पुजारियों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया। मुख्य चुनाव आयुक्त ने भगवान श्री वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करने के साथ-साथ वकुला माता, आनंद निलयम विमान वेंकटेश्वर, भाष्यकारला सन्निधि तथा योग नरसिंह स्वामी के भी दर्शन किए। पूजा-अर्चना के उपरांत रंगनायकुला मंडपम में वैदिक पंडितों ने उन्हें वेद आशीर्वचन प्रदान किया। बाद में टीटीडी के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी ने मुख्य चुनाव आयुक्त को श्रीवारी प्रसाद भेंट किया। इस अवसर पर मंदिर के उप कार्यकारी अधिकारी लोकनाथम सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

एससीआर ने की समर स्पेशल ट्रेनों की घोषणा

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने गर्मी के मौसम में यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विभिन्न गंतव्यों के बीच समर स्पेशल ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। रेलवे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार ट्रेन संख्या 07662 काजीपेट-निजामुद्दीन स्पेशल ट्रेन 22 मई 2026 को चलेगी, जबकि वापसी में ट्रेन संख्या 07663 निजामुद्दीन-काजीपेट स्पेशल 25 मई को संचालित होगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 07664 विजयवाड़ा-फरीदाबाद स्पेशल 22 मई को तथा वापसी में ट्रेन संख्या 07665 फरीदाबाद-विजयवाड़ा स्पेशल 25 मई 2026 को चलेगी। काजीपेट-निजामुद्दीन-काजीपेट स्पेशल ट्रेन दोनों दिशाओं में बाल्हारशाह, चंद्रपुर, सेवाग्राम, नागपुर, भोपाल, झांसी और आगरा कैंट स्टेशनों पर ठहरेगी। इसमें स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल रहेंगे। इसी तरह विजयवाड़ा-फरीदाबाद-विजयवाड़ा स्पेशल ट्रेन डोर्नकल, महबूबाबाद, वारंगल, बाल्हारशाह, नागपुर, भोपाल, झांसी और आगरा कैंट स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में भी स्लीपर एवं सामान्य द्वितीय श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर ने बताया कि गर्मी के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए यह विशेष व्यवस्था की गई है।

बंडी संजय के बेटे की गिरफ्तारी की मांग

पेटबशीरबाद थाने पर महिलाओं का प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के बेटे भागीरथ साई की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रविवार को पेटबशीरबाद पुलिस स्टेशन के बाहर सैकड़ों महिलाओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। साई के खिलाफ पुलिस ने पीओसीएसओ एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यह मामला मोइनाबाद में हुई एक नववर्ष पार्टी से जुड़ा है, जहां एक नाबालिग लड़की के साथ कथित तौर पर अनुचित व्यवहार के आरोप सामने आए हैं। लड़की और उसके माता-पिता की शिकायत के बाद पेटबशीरबाद पुलिस ने शुक्रवार को साई के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसे जबरन शराब पिलाई गई और उसके साथ अनुचित हरकत की गई। इसी मामले में गिरफ्तारी की मांग को लेकर बड़ी संख्या में महिलाएं थाने के बाहर इकट्ठा हुईं और नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से आरोपी की तुरंत गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की।

तमिलनाडु के सीएम बनने पर रेवंत रेड्डी ने जोसेफ सी. विजय को दी बधाई

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद संभालने पर जोसेफ सी. विजय को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। रविवार को जारी एक बयान में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आशा व्यक्त की कि तमिलनाडु की जनता की आकांक्षाओं और अपेक्षाओं के अनुरूप जोसेफ सी. विजय प्रगतिशील शासन, जनसेवा तथा दूरदर्शी नेतृत्व प्रदान करेंगे। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में राज्य विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। मुख्यमंत्री ने जोसेफ सी. विजय के सफल एवं गौरवपूर्ण कार्यकाल की कामना करते हुए कहा कि जनहित और लोककल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें तमिलनाडु की जनता के बीच विशेष स्थान दिलाएगी।

गौ संरक्षण में सभी को भागीदारी निभानी चाहिए : वेंकैया चौधरी

तिरुपति, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अतिरिक्त कार्यकारी अधिकारी सीएच वेंकैया चौधरी ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गो संरक्षण एक पवित्र सेवा है और प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान में सहभागी बनना चाहिए। रविवार को उन्होंने यह बात उस अवसर पर कही, जब टीटीडी बोर्ड सदस्य ज्योथुला नेहरू, नेहरू फाउंडेशन तथा श्रीनिवास सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष टी. सत्यनारायण के नेतृत्व में 180 लोरियों के माध्यम से लगभग 1600 टन सूखा चारा तिरुपति स्थित एसवी गोशाला को दान किया गया। अतिरिक्त ईओ ने कहा कि काकीनाडा जिले के जग्गमपेटा क्षेत्र से चारा एकत्र कर परिवहन सहित अन्य खर्च वहन करते हुए पहली बार इतने बड़े स्तर पर दान करना सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि गो संरक्षण और डेयरी विकास से जुड़ी सेवा गतिविधियां समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने बताया कि दान में प्राप्त चारा तिरुपति, तिरुमला, पालमनेरु और बाकरापेटा के निकट कमलय्यागारिपल्ली स्थित टीटीडी गोशालाओं में उपयोग किया जाएगा। वर्तमान में इन गोशालाओं में कुल 2974 गायें, बैल और बछड़ों का पालन किया जा रहा है। ज्योथुला नेहरू ने बताया कि पिछले वर्ष 38 लोरियों में चारा दान किया गया था, जबकि इस वर्ष 180 लोरियां उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जग्गमपेटा के किसानों का निःशुल्क चारा दान करने के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर उन्होंने एसवी गोशाला को दो गायें और एक बछड़ा भी दान किया। कार्यक्रम में टीटीडी बोर्ड सदस्य पनाबाका लक्ष्मी, जानकी देवी, जी. भानु प्रकाश रेड्डी, एन. सदाशिव राव, शांता राम, दर्शन, एसवी गोशाला के निदेशक डॉ. एवीएन शिवकुमार सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गर्मी बढ़ने की चेतावनी, आईएमडी का अलर्ट

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में हुई गरज के साथ बारिश से मिली राहत के बाद अब हैदराबाद और आसपास के जिलों में एक बार फिर तापमान बढ़ने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने रविवार को जारी बुलेटिन में कहा कि मंगलवार से अगले कुछ दिनों में तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी हो सकती है।

मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार तक कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज के साथ बौछारें जारी रह सकती हैं, लेकिन इसके बाद राज्य में मौसम शुष्क होने लगेगा। इससे गर्मी का असर बढ़ेगा और कई जिलों में भीषण गर्मी की स्थिति बन सकती है। आदिलाबाद, निर्मल और निजामाबाद जैसे उत्तरी जिलों में तापमान पहले ही 41 से 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की चेतावनी दी गई है।

आईएमडी ने बताया कि मंगलवार तक हैदराबाद, रंगारेड्डी, विकाराबाद और महबूबनगर जैसे जिलों में ऑरेंज अलर्ट की स्थिति बन सकती है, जहां तापमान 41 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वहीं खम्मम, भद्राद्री कोठागुडेम और मुलुगु जैसे पूर्वी जिलों में तापमान 36 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। हाल के दिनों में दर्ज आंकड़ों के अनुसार, आदिलाबाद में 40.5 डिग्री सेल्सियस और निजामाबाद में 40.4 डिग्री सेल्सियस तक तापमान दर्ज किया गया है, जबकि हैदराबाद में बारिश के कारण अपेक्षाकृत राहत बनी रही।

बालापुर में 24 वर्षीय युवक की हत्या, पुलिस जांच में जुटी

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बालापुर क्षेत्र में शनिवार रात अज्ञात लोगों ने 24 वर्षीय एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान अदित पांडे के रूप में हुई है, जो बालापुर के कुर्मलगुडा का निवासी था और मूल रूप से लखनऊ का रहने वाला था। घटना की जानकारी रविवार सुबह उस समय मिली जब पुलिस को उस्माननगर इलाके में एक शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव की पहचान की और आवश्यक कार्रवाई शुरू की। मामले की जांच शमशाबाद के डीसीपी बी राजेश की निगरानी में की जा रही है। अधिकारी के अनुसार, परिवार ने एक व्यक्ति पर संदेह जताया है। पुलिस का कहना है कि संदिग्ध की गिरफ्तारी के बाद ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी। फिलहाल जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी मिलने की उम्मीद है।

पीएम मोदी ने चंद्रबाबू नायडू व पवन कल्याण से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद प्रवास के दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू और उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के आवास जुबली हिल्स क्षेत्र में स्थित हैं। प्रधानमंत्री ने सबसे पहले उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण के निवास पर पहुंचकर उनसे भेंट की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। ज्ञात हो कि पवन कल्याण हाल ही में साइनस संबंधी सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के आवास पहुंचे, जहां उन्होंने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर राज्य मंत्री श्री नारा लोकेश ने प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह भेंट राज्य और केंद्र के बीच सहयोगात्मक संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

पीएमजे ज्वैलरी चोरी मामले में दो लोग गिरफ्तार, सोना बरामद

करीमनगर, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम बंगाल में पीएमजे ज्वैलरी चोरी मामले में शामिल एक आरोपी और चोरी का सोना खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के पास से कुछ मात्रा में सोने के आभूषण भी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, अन्य राज्यों में आरोपियों की तलाश कर रही विशेष पुलिस टीमों ने पश्चिम बंगाल में कार्रवाई करते हुए उस आरोपी को पकड़ा, जो चोरी किए गए सोने के आभूषण बेचने की कोशिश कर रहा था। जांच के दौरान गिरोह से सोना खरीदने वाले एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने पीएमजे ज्वैलरी शोरूम में हुई चोरी को गंभीर चुनौती मानते हुए जांच तेज कर दी है। आरोपियों की तलाश के लिए बिहार, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में विशेष टीमें भेजी गई हैं और मामले की जांच लगातार जारी है।

CHANGE OF NAME

I, KOYYA LAXMI W/o KOYYA RAMANA THOGULU REDDY Army No:14651230K, Hav, 672 EME BN C/o 56APO, residing at Gudivada P.O. Bhogapuram, Vizianagaram District, Andhra Pradesh - 531162. In my husband's Army service/EME records my name is wrongly mentioned as K. LAXMI instead of KOYYA LAXMI. My correct name is KOYYA LAXMI vide affidavit dated 09/05/2026

राष्ट्रीय लिपिड दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

करीमनगर, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय लिपिड दिवस के अवसर पर रविवार को डॉ. डी. रघुरामन एमडी कंसल्टिंग क्लिनिक में निःशुल्क लिपिड स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर अहमदाबाद स्थित कोरोना रेमेडीज लिमिटेड के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य लोगों को कोलेस्ट्रॉल और हृदय स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में कुल 42 लोगों की जांच की गई, जिनमें से 14 लोगों में एलडीएल यानी खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर अधिक पाया गया, जबकि 13 लोगों में ट्राइग्लिसराइड्स का स्तर बढ़ा हुआ मिला। इस दौरान मरीजों को स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ हृदय रोगों से बचाव और कोलेस्ट्रॉल नियंत्रण के बारे में जानकारी दी गई। डॉ. रघुरामन ने कहा कि खराब खान-पान, जंक फूड, धूम्रपान, तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी उच्च कोलेस्ट्रॉल के प्रमुख कारण हैं।

कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में पेद्दा हनुमान जयंती की तैयारियां पूरी

जगतियाल, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कोंडागट्टू अंजनेय स्वामी मंदिर में पेद्दा हनुमान जयंती समारोह के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रविवार से मंगलवार तक चलने वाले इस तीन दिवसीय आयोजन में तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है और गर्मी को देखते हुए विभिन्न स्थानों पर अस्थायी पंडाल लगाए गए हैं।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने पेयजल, अस्थायी शौचालय, चिकित्सा शिविर और एम्बुलेंस जैसी विशेष व्यवस्थाएं की हैं। छह लाख लड्डू प्रसाद तैयार किए गए हैं और प्रसाद काउंटर चौबीसों घंटे खुले रहेंगे। हनुमान दीक्षा समाप्त करने वाले श्रद्धालुओं के लिए 500 पुजारियों और 1,500 नाइयों को तैनात किया गया है। मंदिर परिसर और आसपास सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल और सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं के मनोरंजन के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी व्यवस्था की है। टीजीएसआरटीसी द्वारा विशेष बस सेवाएं चलाई जाएंगी और विभिन्न स्थानों पर पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जयंती शोभायात्रा वाई जंक्शन से मुख्य मंदिर तक निकाली जाएगी। समारोह को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने चार दिनों के लिए सभी अर्जिता सेवाएं रद्द कर दी हैं, जिन्हें 14 मई से फिर शुरू किया जाएगा।

सिकंदराबाद कैंटोनमेंट को जीएचएमसी में विलय की मांग

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तेलंगाना दौरे और परेड ग्राउंड में होने वाली जनसभा से पहले कैंटोनमेंट कांग्रेस पार्टी ने सिकंदराबाद कैंटोनमेंट क्षेत्र को तुरंत जीएचएमसी में विलय करने की मांग की है। पार्टी नेताओं ने कहा कि क्षेत्र के लोग लंबे समय से इस विलय की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस नेताओं ने बयान में कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशों के तहत विलय के लिए अपनी तैयारी जता दी है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से अब तक कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया है, जिससे लोगों में चिंता बढ़ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि कैंटोनमेंट विधायक गणेश की भूख हड़ताल ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में ला दिया है। कैंटोनमेंट कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री से अपील की है कि वे इस मामले में स्पष्ट घोषणा करें ताकि स्थानीय लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके और उनके आत्मसम्मान की रक्षा हो सके। इस मौके पर सांकी रविंदर, जमील, सैमसन राज और पेद्दला नरसिम्हा सहित कई नेता मौजूद रहे।

सिकंदराबाद छावनी में तिरमलगिरी फुटबॉल मैदान पर दीवार

हैदराबाद, 10 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध तिरमलगिरी फुटबॉल मैदान, जो कई खिलाड़ियों की प्रतिभा निखारने के लिए जाना जाता है, अब एक ऊंची दीवार से घिरा दिया गया है। यह कार्रवाई एससीबी एलिवेटेड कॉरिडोर से जुड़े कार्यों के तहत की जा रही है। करीब दो एकड़ में फैले इस मैदान में मार्च से निर्माण कार्य शुरू हुआ था, जो अब अंतिम चरण में है। दीवार पर प्लास्टर और कांटेदार तार लगाने का काम भी तेजी से चल रहा है। निर्माण कार्य के चलते स्थानीय सैन्य प्राधिकरण (एलएमए) ने मैदान में खिलाड़ियों और आम लोगों के प्रवेश पर रोक लगा दी है।

दशकों से इस मैदान पर तिरमलगिरी, कारखाना और लाल बाजार के युवा फुटबॉल अभ्यास करते रहे हैं, लेकिन अब यह मैदान लगभग खाली और निर्माण सामग्री से भरा नजर आ रहा है। खिलाड़ियों ने कहा कि उनके पास आसपास कोई वैकल्पिक मैदान नहीं है और अब उन्हें अभ्यास के लिए दूर जिमखाना ग्राउंड जाना पड़ रहा है, जिससे उनकी ट्रेनिंग प्रभावित हो रही है। यह दीवार एचएमडीए द्वारा स्टेट हाईवे-1 पर एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना के तहत बनाई जा रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.